पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
YEARS 35 देशबन्धु
बिलासपुर, सोमवार, 12 मई 2025 । वर्ष – 35 । अंक –12 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु.

■ कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश
■ युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार
पृष्ठ 4
■ हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे : ईरानी विदेश मंत्री
■ सूडान में जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत
पृष्ठ 9
गॉफ ने लिनेट पर जीत के साथ मियामी की हार का बदला लिया
पृष्ठ 10

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय सेना का दावा

ऑपरेशन सिंदूर में 100 आतंकी व 40 पाक जवान मारे

■ भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों के पहले और बाद की तस्वीरें की साझा
■ पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में पांच भारतीय जवान हुए शहीद

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार को तीनों सेनाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ था ऑपरेशन सिंदूर

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर साफ तौर पर आतंकवाद के साजिशकर्ताओं और उनके ठिकानों को तबाह करने के लिए किया गया था। हमने सीमा पार टेरर कैंप और इमारतों को पहचाना। यह बहुत बड़ी समस्या में थे। इनमें से कई को पहले ही खाली कर दिया था, क्योंकि उन्हें हमारे एक्शन का डर था। हमने इस ऑपरेशन में सिर्फ आतंकवादियों को टारगेट किया। हमने 9 ठिकानों को एजेंसियों के जरिए पहचाना। कुछ पीओके में थे और कुछ पाकिस्तान में थे। मुरीदके लश्कर का हेडक्वार्टर था। अजमल कसाब, डेविड हेडली ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। घई ने कहा 8–9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजने की हिमाकत की। बड़े पैमाने पर बुनियादी सैन्य ढांचे को निशाना बनाने के कई असफल प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जब नियंत्रण रेखा पर फिर से उल्लंघन किया तो भारत ने आर्टिलरी फायरिंग से मुंहतोड़ जवाब दिया।

हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो : एयरमार्शल भारती

एयरमार्शल भारती ने बताया, जम्मू, उधमपुर, पठानकोट, नाल, डलहौजी, फलौदी में इन्होंने हमला किया। हम तैयार थे, हमारे ट्रेंड क्रू ने एयर डिफेंस सिस्टम से तबाह कर दिया। हमारी जमीन पर उनके लगातार हमलों से कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उनके लगातार एयरबेस और पोस्ट पर हमले के बाद हमने उन्हें जवाब दिया। हमने वहां हमला किया, जहां उन्हें सबसे ज्यादा दर्द हो। हमने उनके एयरबेस कमांड सिस्टम, मिलिट्री एयरबेस को हमला किया। चकलाला, रफीकी, रहरयार खान में हमला किया। हमने उन्हें कहा कि आक्रामकता को माफ नहीं किया जाएगा। हमारे पास उनके हर बेस पर हर सिस्टम को निशाना बनाने की क्षमता है। हम चाहते हैं कि हमारे शत्रु आगे तनाव बढ़ाने की कोशिश ना करें।

भारत माला परियोजना घोटाला

आरोपी एसडीएम-तहसीलदार, आरआई, पटवारी समेत 8 अब तक ईओडब्ल्यू की पकड़ से बाहर, अधर में जांच

रायपुर, 11 मई (देशबन्धु)। अभनपुर तहसील क्षेत्र के तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, राजस्व निरीक्षक रोशनलाल वर्मा, पटवारी दिनेश पटेल के अलावा गोबरानवापारा के तत्कालीन नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण, पटवारी नायकबांधा जीतेंद्र लहरे, पटवारी बसंती घृतलहरे, लेखराम पटेल ऐसे नाम हैं, जिनके खिलाफ छत्तीसगढ़ के चर्चित भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले में ईओडब्ल्यू ने मामला दर्ज किया है। लेकिन इन लोगों के फरार होने की वजह से घोटाले की जांच अटकी हुई है।

इस घोटाले में ईओडब्ल्यू ने अब तक हरमीत सलूजा, उमा तिवारी, केदार तिवारी और विजय जैन को गिरफ्तार किया है। इन चारों को रिमांड पर लेकर ईओडब्ल्यू पूछताछ कर चुकी है। लेकिन ईओडब्ल्यू अब तक घोटाला की जड़ तक पहुंच नहीं पाया है। घोटाला की शुरुआत कैसे और कहां से हुई, यह सबसे बड़ा सवाल है, जिसका खुलासा तभी हो पाएगा, जब सभी फरार निलंबित अधिकारी-कर्मचारी ईओडब्ल्यू की गिरफ्त में आएंगे।

एनएचएआई अफसर भी शंक के दायरे में

इस प्रोजेक्ट का नक्शा एनएचएआई द्वारा तैयार किया गया था। इस नक्शा के आधार पर प्रभावित किसानों की जमीनों का अधिग्रहण कर उन्हें मुआवजा बांटा गया है। इस तरह अधिसूचना जारी होने से पहले अगर प्रोजेक्ट का नक्शा लीक हुआ है, तो यह संभावना जताना भी गलत नहीं होगा कि नक्शा एनएचएआई से लीक हुआ है। सवाल यह है कि नक्शा लीक हुआ है या फिर कराया गया।

अगर कराया गया है, तो इस घोटाले में एनएचएआई के कुछ अफसरों के भी शामिल होने की भी संभावना है।

क्या लीक हुआ था नक्शा

जानकार बताते हैं कि भारत माला परियोजना की अधिसूचना जारी होने के बाद बैक डेट पर प्रभावित किसानों की जमीनों को छोटे-छोटे टुकड़े में बांटकर उनके परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर चढ़ा दिया गया, जिससे जमीन अधिग्रहण के रूप में कई गुना ज्यादा मुआवजा राशि का वितरण किया जा सके। जांच रिपोर्ट में बैक डेट पर किसानों की जमीन को टुकड़ों में बांटने का उल्लेख किया गया है, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि अधिसूचना जारी होने के पहले ही जमीनों का बटांकन कर दिया गया हो। अगर ऐसा हुआ है तो इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि अधिसूचना जारी होने से पहले ही प्रोजेक्ट का नक्शा लीक हुआ होगा, जिसका फायदा निलंबित हुए अधिकारी-कर्मचारियों के साथ भू-माफिया ने उठाया।

किसानों की भी मिलीभगत

भारत माला प्रोजेक्ट घोटाला में अब तक यह बातें सामने आई है कि प्रभावित किसानों की जमीनों को टुकड़ों में बांटकर उन्हें कई गुना अधिक मुआवजा दिलाया गया है। मुआवजा की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंची भी है, लेकिन उसके बाद से सभी के खातों के ऊपर के मिले लाखों-करोड़ों रुपए निकाल लिए गए हैं। ये रुपए किसने निकाले, कैसे निकाले, इसकी भी जांच की जा रही है।

14 नए संदिग्धों से होगी पूछताछ

भारतमाला परियोजन में भूअर्जन के नाम पर 48 करोड़ रुपए घोटाला किए जाने के आरोप में ईओडब्ल्यू एसीबी की टीम ने जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, उनसे पूछताछ में घोटाले से जुड़े 14 और संदिग्धों के नाम मिले हैं। इनमें जमीन दलाल से लेकर राजस्व विभाग के कर्मचारी और अफसर शामिल हैं। ईओडब्लू, एसीबी इन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। इन संदिग्धों में ज्यादातर जगदलपुर, गरियाबंद तथा धमतरी ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

सार संक्षेप

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश के नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा है कि भगवान बुद्ध ने प्रेम, करूणा एवं अहिंसा की भावना को सर्वोपरि मानते हुए पूरे विश्व को नई राह दिखाई।

पुतिन का यूक्रेन को सीधी बातचीत का प्रस्ताव

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का प्रस्ताव रखा है। पुतिन ने कहा कि 15 मई को इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ बात कर सकते हैं। यह प्रस्ताव कीव और यूरोपीय नेताओं के 12 मई से बिना शर्त 3 दिन के सीजफायर के ऐलान करने के कुछ घंटों बाद आया है। हालांकि, पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीजफायर पर सहमत होने के अल्टीमेटम को अस्वीकार कर दिया है।

अगले हफ्ते शुरू हो सकते हैं आईपीएल के मुकाबले

मुंबई। आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 3 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे।

पुणे के पर्वतारोही जितेंद्र गवारे ने रचा इतिहास

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे के पर्वतारोही जितेंद्र गवारे ने माउंट मकालू पर्वत शिखर फतह किया। मकालू शिखर 8,485 मीटर ऊंचा दुनिया का पांचवां सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है। इतनी ऊंची पर्वत चोटी पर चढ़ाई करने वाले जितेन्द्र गवारे महाराष्ट्र के पहले पर्वतारोही बन गए हैं। इसके साथ ही, गवारे उन चुनिंदा भारतीय पर्वतारोहियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने नेपाल हिमालय की सभी आठ हजार मीटर ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की है।

मणिपुर में 13 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने काकचिंग और इंफाल पश्चिम जिलों से केसीपी के चार सक्रिय कार्यकर्ताओं को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई-पीएस के अंतर्गत सलाम मानिंग लेइकाई से केसीपी के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया।

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार : कांग्रेस

■ खरगे व राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है। अपने पत्र में दोनों नेताओं ने पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने का अनुरोध किया है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से ये मांग पहलगाम आतंकी हमले और भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही की जा रही है। वहीं एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम के बाद से कांग्रेस पार्टी ने अपनी मांग फिर से दोहराई है। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा मैं संसद का विशेष सत्र तत्काल बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहराता हूं। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

अमेरिका के हस्तक्षेप पर जताया ऐतराज

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका की ओर से किए गए एलान के मद्देनजर अब पहले से कहीं अधिक जरूरत है कि प्रधानमंत्री एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करें और राजनीतिक दलों को विश्वास में लें। कांग्रेस नेता सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में दो बिंदुओं में सरकार के सामने मांग रखी है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में होगा ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन

लखनऊ, 11 मई (देशबन्धु)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लखनऊ में ब्रह्मोस इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन किया है। 300 करोड़ रुपए की यह सुविधा उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसमें न केवल मिसाइल उत्पादन बल्कि टेस्टिंग, इंटीग्रेशन और एयरोस्पेस-ग्रेड कंपोनेंट्स के लिए एक मैटेरियल कॉम्पलेक्स भी शामिल है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी छलांग है, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को रणनीतिक बढ़ावा मिलेगा। ब्रह्मोस टेस्टिंग फैसिलिटी से इस मिसाइल की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को सुनिश्चित किया जाता है, जो इसके इंटीग्रेशन और टेस्टिंग में अहम भूमिका निभाती है। ब्रह्मोस प्रोडक्शन यूनिट 300 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई है। इसके लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने 80 हेक्टेयर जमीन नि:शुल्क उपलब्ध कराई थी।

पीएम आवास पर डिप्टी सीएम की चुनौती स्वीकार : भूपेश

भारत-पाक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति के सीजफायर की घोषणा अपमानजनक

रायपुर, 11 मई (देशबन्धु)। भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जाने को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपमानजनक करार देते हुए कहा कि देश जानना चाहता है कि ऐसी परिस्थितियां कैसे बनी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि दोनों (भारत अथवा पाकिस्तान) सरकार में से कोई एक घोषणा करती तो यह अलग बात थी। लेकिन ट्रंप का निर्देश अपमानजनक है। 1971 में इंदिरा गांधी ने कहा था कि कोई भी तीसरा देश हस्तक्षेप नहीं करेगा। मध्यस्थता कोई भी कर सकता है, लेकिन ट्रंप पंच बना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। देश जानना चाहता है कि आखिर ऐसी परिस्थितियों कैसे बनी। सरकार के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है, युद्ध रुकना चाहिए। सरकार जो भी कदम उठाए, कांग्रेस साथ है। जो निर्णय लेना है, सरकार ले। बांग्लादेशी घुसपैठियों को चिन्हांकित करने एस टी एफ के गठन पर भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि अभी तो अभियान चलाए थे, कितनों को निकाला गया? कितने को आईडेंटिफाई किया गया? ये बताना ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया भर में संदेश गया कि भारत में सिंदूर का क्या महत्व है : साव

रायपुर, 11 मई (देशबन्धु)। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की जीत पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रविवार को अपने निवास में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि पाकिस्तान के अंदर घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया है जिसमें 100 आतंकियों को मार गिराया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व एवं सक्षम सेना के चलते संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पूरी दुनिया के सामने संदेश गया कि भारत में सिंदूर का क्या महत्व होता है और भारत आतंकवादियों को समाप्त करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। भारत पाक के नापाक इरादों को ध्वस्त करने में पूरी तरह सक्षम है। लोगों को यह भी पता चला कि पाकिस्तान की हालत खराब है, पूरी दुनिया में कटोरा लेकर घूम रहा है। साव ने कहा कि इस अभियान की बड़ी जीत यह है कि भारत पर किसी भी तरह का आतंकवादी हमला देश के खिलाफ युद्ध माना जाएगा। उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए भारत स्वतंत्र होगा। यह बहुत बड़ा निर्णय हुआ है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने छत्तीसगढ़ में अवैध घुसपैठ पर कहा कि, प्रदेश में बांग्लादेश घुसपैठियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। संदिग्ध लोगों की जांच की जा रही है। छत्तीसगढ़ में किसी भी व्यक्ति को पनाह नहीं मिलेगा। यहां संदिग्धों व्यक्तियों का रहना बंद होगा। ऐसे लोगों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठन करने का बड़ा फैसला हुआ है।

राजधानी रायपुर में कंटेनर में जिंदा जलकर दो लोगों की मौत

दो ने कूदकर बचाई जान

रायपुर, 11 मई (देशबन्धु)। कंटेनर में 2 लोग जिंदा जल गए हैं। वहीं दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचायी है। रायपुर एसएसपी और सीएसपी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। यह अभनपुर थाना क्षेत्र का मामला बताया जा रहा है। नवा रायपुर से लगे अभनपुर में एक कंटेनर में भीषण आग लग गई है इस घटना में शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है। कंटेनर में 2 लोग जिंदा जल गए हैं। वहीं दो लोगों ने कूदकर अपनी जान बचायी है। रायपुर एसएसपी और सीएसपी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। यह अभनपुर थाना क्षेत्र का मामला बताया जा रहा है।

नवा रायपुर में कार में जिंदा जला युवक–इसके पहले भी नवा रायपुर में रात में एक बार फिर ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर लगा बैन

ढाका/नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बहुत बढ़ गई हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई आतंकवाद विरोधी कानून के तहत की गई है। इस कदम को शेख हसीना के लिए बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

यूनुस के कार्यालय ने कहा कि इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना अगले कार्य दिवस पर जारी की जाएगी। बयान में कहा गया कि यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक अवामी लीग और उसके नेताओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में चल रही सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, ताकि देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। माना जा रहा है कि दिसंबर 25 से जून 26 के बीच बांग्लादेश में आम चुनाव हो सकते हैं।

भारत-पाक के शक्तिशाली नेतृत्व पर गर्व : ट्रंप

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच 4 दिनों तक चली सीमा पार की सशस्त्र शत्रुता को समाप्त करने वाले युद्ध विराम में अमेरिका की भागीदारी का दावा करने के एक दिन बाद, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अब कश्मीर मुद्दे के हजार साल बाद समाधान के लिए अमेरिकी मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा है, और भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार का विस्तार करने का संकल्प लिया है। रविवार की सुबह ट्रंप ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें गर्व है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम था। मुझे भारत और पाकिस्तान के मजबूत ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं : भारत

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

यूएन में पाकिस्तान को बेनकाब करेगा भारत

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक कार्रवाई का रुख अपना लिया है। पहले संघर्ष के मैदान में हर तरीके से पछाड़ने के बाद अब भारत पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर उसका आतंकवाद के समर्थक वाला चेहरा बेनकाब करेगा। जानकारी के मुताबिक, भारत आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नवीनतम सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक टीम भेजेगा। जानकारी के मुताबिक, अगले सप्ताह यूएनएससीआर 1267 प्रतिबंध समिति की बैठक होगी।

मौसम — देश में फिर बिगड़ेगा का मौसम का मिजाज

तीस राज्यों में आंधी, बारिश व तूफान की चेतावनी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। देश के 3 राज्यों में आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी है। इस दौरान हवाएं 4 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। अगले 2 दिन में अधिकतर राज्यों का तापमान 2-4 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 3 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है।

पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज–चमक का अलर्ट जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। वहीं, प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। आगरा में बीते दिन 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं, कई होर्डिंग और पेड़ उखड़ गए। ओडिशा के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। सबसे ज्यादा 42.7 डिग्री संबलपुर का रहा। पश्चिम बंगाल के 5 जिलों में हीटवेव की स्थिति रह सकती है, तापमान 40.0 डिग्री पार जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 38 डिग्री से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। साथ ही हल्की बारिश या धूल भरी आंधी की संभावना है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान 40 डिग्री के करीब जा सकता है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड में भी तापमान बढ़ने की संभावना है। मंगलवार को दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा में तापमान 38 डिग्री से 44 डिग्री के बीच रह सकता है। बारिश की स्थिति कम रहेगी। मध्य प्रदेश, उत्तर ➢➢ शेष पृष्ठ 2 पर ➢

समय से चार दिन पहले मानसून की दस्तक संभव

मानसून देश में इस बार तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण–पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह 1 जून को केरल पहुंचता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 साल में पहली बार होगा जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा।

डिंडौरी में समाधान शिविर का आयोजन, सैकड़ों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने किया निरीक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा और जल संरक्षण पर दिया विशेष जोर

मुंगेली, 11 मई (देशबन्धु)। (सुशासन तिहार) के अंतर्गत जिलेभर में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में लोरमी विकासखण्ड के ग्राम डिंडौरी में स्थित शासकीय हाईस्कूल मैदान में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कलेक्टर कुन्दन कुमार स्वयं शिविर में उपस्थित रहे और विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में बीपी जांच करवाई और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर उन्होंने 10वीं कक्षा में 95.16प्र. अंक प्राप्त करने वाले छात्र रोशन साहू एवं 12वीं में 91.60 प्र. अंक पाने वाले नारायण यादव को सम्मानित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 06 हितग्राहियों को सुपोषण किट वितरित की गई। कलेक्टर ने स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों की सराहना की और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। मंच से उन्होंने अनेक विभागीय योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया, जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, आयुष्मान भारत, नोनी सुरक्षा योजना, कृषि उपकरण, दिव्यांग सहायता, मत्स्य पालन और सहकारिता से संबंधित योजनाएं शामिल रहीं।शिविर में कुल 517 नवीन जॉब कार्ड, 194 शौचालय स्वीकृतियाँ, 33 पेंशन स्वीकृतियाँ, 64 कौशल विकास पंजीयन, 74 नवीन राशन कार्ड, 188 स्वास्थ्य जांच, 213 को आयुष औषधि, 27 आधार कार्ड तथा 28 आयुष्मान और वय वंदन कार्ड जारी किए गए।जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने बताया कि डिंडौरी क्लस्टर के अंतर्गत प्राप्त 6918 आवेदनों में से 6875 का समाधान किया जा चुका है, जिनमें प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, राशन कार्ड, बिजली और महतारी वंदन योजनाएं प्रमुख रहीं। शिविर में क्षेत्र की झलरी, डिंडौरी, कठौतिया, नवागांव दयाली, डोंगरिया, घानाघाट, लाखासार, उरईकछार, मनकी, मोहनपुर, साल्हेघोरी, तिलकपुर, करूहानार, चरनीटोला और हरदीबांध पंचायतों से भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अनीता कोमल साहू, जनपद अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष राजेंद्र साहू, एसडीएम अजीत पुजारी, डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज, जनपद सीईओ समेत अनेक जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंडरिया रोड में ध्वस्त पुलिया का होगा पुनर्निर्माण

रोहित शुक्ला के पत्र का हुआ असर

मुंगेली, 11 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 130 ए के अंतर्गत बिलासपुर-तखतपुर-मुंगेली-पंडरिया-पोड़ी मार्ग पर स्थित मुंगेली नगर की पुलिया (च. 52.110) जो हाल ही में ध्वस्त हो गई थी, उसके पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने जा रही है। यह जानकारी लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग परिषद, रायपुर द्वारा दी गई है।

इसमें नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला द्वारा भेजे गए पत्र का बड़ा असर देखा गया है। उन्होंने लगातार लोगों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए यह मांग उठाई थी। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही थीं, जिससे आमजन व स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच कर हुई चर्चा

नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया और चर्चा की। दो दिन के भीतर कार्य प्रारंभ करने की जानकारी दी गई है। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि श्री सत्तू सिंह ठाकुर एवं पार्षद श्री कुलदीप पाटले भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर समस्या का त्वरित समाधान निकालने पर जोर दिया।अब उक्त स्थान पर 1200 एमएम आकार की नई ह्यूम पाइप पुलिया का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य के लिए 6.95 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। निर्माण कार्य तखतपुर, मुंगेली और पंडरिया क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

समर कैम्प में बच्चों ने सीखे वाद्य यंत्रों के सुर और संगति

वाद्य यंत्रों की ध्वनि से गूंजा नवागांव का स्कूल परिसर

मुंगेली, 11 मई (देशबन्धु)। जिले में बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार सभी शासकीय विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इन कैम्पों में बच्चों को नृत्य, संगीत, चित्रकला, योग, कराटे, रंगोली, पेंटिंग, हस्तकला, विज्ञान प्रयोग, ड्रामा और कंप्यूटर कोडिंग जैसी रोचक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में मुंगेली विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला नवागांव (घुट्टी) में आयोजित समर कैम्प में बच्चों द्वारा सुंदर गायन और वादन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने तबला, हारमोनियम, झुमका जैसे वाद्य यंत्रों को करीब से समझा और उनमें से निकलने वाली ध्वनियों की बारीकियों को सीखा। इस अनुभव ने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया और उन्हें वाद्य यंत्रों के प्रति गहरी रुचि विकसित करने का अवसर मिला। बच्चों ने बताया कि ध्वनि को महसूस करते हुए सीखना उनके लिए एक नया और आनंददायक अनुभव रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे और वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा।

सार-संक्षेप

रक्तदान शिविर में 114 यूनिट रक्तदान नगर पालिका अध्यक्ष ने बढ़ाया उत्साह

तखतपुर 11 मई (देशबन्धु)। श्री श्री रविशंकर के अवतरण दिवस 13 मई के उपलक्ष्य में आज आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा पूर्णिमा चिकित्सालय में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 114 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसमें युवाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर (पूजा) मक्कड़ एवं पार्षदगण परमजीत कौर हूरा, अनुपमा पांडेय, जसप्रीत हूंरा, सहित माधवी गुप्ता, दृष्टि गुप्ता, प्रीति हूरा, विमल जांगड़े आदि उपस्थित हुए। पूजा मक्कड़ ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे पुण्य कार्य में भागीदारी कर सभी रक्तवीरों ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार का यह प्रयास अनुकरणीय है। शिविर आशीर्वाद ब्लड बैंक बिलासपुर एवं सिम्स बिलासपुर के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें आशीर्वाद ब्लड बैंक से केशव बंसल, संतोष साहू, इंदु साहू, हिना साहू, दीपक, विनय, अजय, सहदेव, अरुण ने सहयोग किया। सिम्स से डॉ ईशान साहू, डॉ नरेंद्र सर्वे, कौशल्या पात्रे, सीताराम, अजय ने सहयोग दिया। शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली और रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान किए। आयोजन की सफलता में सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। पूर्णिमा चिकित्सालय से डॉ अश्विनी गुप्ता डॉ अपर्णा गुप्ता, दुर्गा यादव, निधि वैष्णव, तुलसी यादव आदि ने सहयोग दिया। आर्ट ऑफ़ लिविंग से मनीष सोनी परवेज भारमल, उपेंद्र खुराना, ध्रुव नारायण तंबोली, योगेश देवांगन, लक्ष्मी नारायण पांडेय, डॉ गिरधारी कौशिक, संतोष कश्यप, लक्ष्मी देवांगन, दिलीप तोलानी, स्नेहा तंबोली, टेकचंद कारड़ा आदि उपस्थित थे।

मौहाभाठा में रामायण का संगीतमय आयोजन

तखतपुर 11 मई (देशबन्धु)। ग्राम मौहाभाठा में संगीतमय श्री रामायण का आयोजन किया गया। जिसमें आस पास के नौ मानस मंडलियों ने आकर भगवान मर्यादा पुरुषोत्तमश्रीराम चन्द्र जी का गुणगान किया गया। जिसमें ढेलऊराम पटेल व परस राम साहू ने रामायण का आरम्भ किया गया। लक्ष्मण साहू डाडगाँव छेदीलाल श्रीवास भटगांव, सुर संगम बालिका मानस परिवार बैजना गेंदराम साहू गायिका सोनिया निषाद तुलसी के संदेह मानस परिवार ग्राम पडरिया तखतपुर धनीराम रजक एवं प्रसन्न साहू ने तबला में विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन पिल्लूराम साहू ने किया। इस अवसर पर हर्षिता पाण्डेय महिला आयोग के पूर्व अध्यक्ष नीरज पाण्डेय समस्थ सिंह खनुजा सिमरन सिंह खनुजा राज साहू देवचरण साहू चरण धुरी थानु राम साहू राजाराम साहू भागीरथी साहू चन्दुराम साहू डॉ योगी साहू ओंकार सोनी रुपेश देवांगन सुरेश कुमार साहू प्रदीप साहू चंद कुमार साहू मनहरन साहू सुनील साहू रेमन साहू सरपंच मनोज पाटले ओमप्रकाश साहू दिलीप साहू सालिकराम साहू अनुज राम साहू सुखऊ राम साहू श्याम साहू संतोष साहू अनुराग पटेल बेला राम साहू दिनेश नेताम पूर्व सरपंच मूरितलाल साहू चैतराम पटेल एवं महिलाएँ सभी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी पिल्लूराम साहू ने दी।

समाधान शिविर में उजागर हुई जमीनी सच्चाई

लक्ष्मीकांत भास्कर ने सरकार को सुनाई खरी-खोटी

मुंगेली 11 मई (देशबन्धु)। ग्राम भालापुर में %सुशासन तिहार% के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में जनप्रतिनिधि लक्ष्मीकांत भास्कर ने जमीनी समस्याओं को खुलकर सामने रखते हुए शासन-प्रशासन को आड़े हाथों लिया। भास्कर ने कहा कि सड़कें जर्जर हैं, पानी नहीं है, बिजली अनियमित है — ये सब इस बात के सबूत हैं कि विकास सिर्फ कागजों पर दिख रहा है, असल में नहीं।

शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद भास्कर ने दो अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी

1. शासकीय कॉलेज की मांग- उन्होंने बताया कि युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। क्षेत्र में कॉलेज खुलने से शिक्षा स्तर में सुधार आएगा और युवाओं को बेहतर भविष्य मिलेगा।

2. शराब दुकान का विरोध-

भास्कर ने प्रस्तावित शराब दुकान को खोलने का कड़ा विरोध किया और कहा कि इससे सामाजिक ताना-बाना बिगड़ेगा और युवा वर्ग बर्बादी की ओर जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस प्रस्ताव को तत्काल रद्द किया जाए।

भास्कर ने दो टूक कहा, (जब तक धरातल पर हालात नहीं बदलेंगे, सुशासन सिर्फ एक दिखावा रहेगा।) उन्होंने प्रशासन को चेताया कि यदि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो जनता का आक्रोश और तीव्र हो सकता है।

शिविर में मौजूद ग्रामीणों ने भी कॉलेज की मांग का समर्थन किया और शराब दुकान के विरोध में एकजुटता दिखाई। हालांकि प्रशासन ने कुछ आश्वासन दिए, लेकिन भास्कर ने कहा कि अब समय केवल आश्वासन का नहीं, ठोस कार्रवाई का है।

ग्रामीण बैंक में हुआ सेंधमारी का प्रयास

तखतपुर 11 मई (देशबन्धु)। मुख्य मार्ग स्थित हाईस्कूल के पास छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में बीती रात अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर डकैती का प्रयास किया। चोर बैंक की ऊपरी मंजिल से पाइप के सहारे नीचे उतरे और एक कमजोर दीवार को तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की, लेकिन वे बैंक के मुख्य कक्ष तक नहीं पहुंच पाए। बैंक मैनेजर विनीत जाड़ीया को सुबह घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे मकान मालिक अजय देवांगन के साथ तखतपुर थाने पहुंचे और मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही तखतपुर थाना प्रभारी राठौर मौके पर पहुंचे और डॉग स्क्वायड की मदद से जांच शुरू कर दी गई। पुलिस के अनुसार, चोर बैंक के बाथरूम तक पहुंचे थे, लेकिन बैंक के भीतर घुसने में असफल रहे। चूंकि वे मुख्य कक्ष में नहीं पहुंच पाए, इसलिए सीसीटीवी कैमरों में उनकी कोई स्पष्ट तस्वीर नहीं आ सकी है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और चोरों की तलाश जारी है।

संत रामपाल महाराज के सत्संग में चार जोड़ों का सादगीपूर्ण विवाह हुआ

मुंगेली, 11 मई (देशबन्धु)। समाज में व्याप्त दहेज प्रथा को जड़ से समाप्त करने की दिशा में संत रामपाल महाराज के अनुयायियों ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। रविवार को सतनाम भवन, मुंगेली में आयोजित सत्संग कार्यक्रम के दौरान चार जोड़ों का विवाह अत्यंत सादगीपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।

यह विवाह न बैंड-बाजा था, न डीजे, न बाराती और न ही कोई दिखावा। केवल संत गरीबदास जी महाराज की अमृतवाणी और 33 करोड़ देवी-देवताओं की स्तुति के साथ 17 मिनट में विवाह संस्कार पूर्ण हुआ। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इन सभी विवाहों में दहेज का कोई लेन-देन नहीं हुआ। संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों का मानना है कि उनकी शिक्षाएं दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने में प्रभावशाली भूमिका निभा रही हैं। यह आयोजन समाज को एक नई दिशा देने वाला संदेश है कि विवाह जैसे पवित्र संस्कार को दिखावे और आर्थिक बोझ से मुक्त कर, सच्चे धर्म और नैतिकता के आधार पर सम्पन्न किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऑपरेशन सिंदूर में ...

हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। राजीव घई ने कहा 8-9 मई की रात को, पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान भेजने की हिमाकत की। बड़े पैमाने पर बुनियादी सैन्य ढांचे को निशाना बनाने के कई असफल प्रयास किए गए। पाकिस्तान ने जब नियंत्रण रेखा पर फिर से उल्लंघन किया तो भारत ने आर्टिलरी फायरिंग से मुंहतोड़ जवाब दिया।

केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाने की बनाई रणनीति

डीजीएमओ राजीव घई ने बताया कि सेना ने सीमा पार के आतंकी परिदृश्य को समझने के लिए बहुत मेहनत की। सुरक्षाबलों ने सूक्ष्मता से काम किया और आतंकी शिविरों और प्रशिक्षण स्थलों की पहचान की। कार्रवाई करने के लिए कई जगहें सामने आईं, लेकिन हमने गहन विचार-विमर्श किया, हमें एहसास हुआ कि इनमें से कुछ आतंकी केंद्र अब मौजूद नहीं हैं। हमने तय किया था कि हम केवल आतंकवादियों को ही निशाना बनाएंगे और आम नागरिकों के साथ-साथ दूसरे नुकसान को रोका जाएगा। खुफिया एजेंसियों ने नौ आतंकी शिविरों के बारे में पुष्टि की। इनमें से कुछ पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में थे, जबकि कुछ अन्य पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में थे। मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा का केंद्र है। पिछले कई वर्षों में यहां अजमल कसाब और डेविड हेडली जैसे कुख्यात लोगों को ट्रेनिंग मिली है। वहीं एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि 8-9 मई की रात श्रीनगर से नलिया तक ड्रोन और एयरक्राफ्ट से हमला हुआ। उन्होंने जो टारगेट चुने थे उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह हमला आधी रात तक जारी रहा। मिलिट्री या सिविलियन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर नुकसान नहीं हुआ। वे लड़ाई चाहते थे और हम तैयार थे। हमने उनके मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया। उनके लाहौर और गुंजरावाला के सर्विलेंस राडार ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद उनके ड्रोन अटैक सुबह तक जारी रहे, जिसका हमने जवाब दिया। लाहौर के करीब से ड्रोन अटैक लॉन्च किए गए थे। उन्होंने अपने और इंटरनेशनल पैसेंजर विमान एयर स्पेस में उड़ने दिए। तीनों सेनाओं के अधिकारी जब प्रेस ब्रीफिंग करने पहुंचे तो ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति चलाई गई। इसके माध्यम से भी भारतीय सेना ने स्पष्ट संदेश दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि जिस बैकग्राउंड संगीत का इस्तेमाल किया गया वह- शिव तांडव स्तोत्र का है। एयरमार्शल एके भारती, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और मेजर जनरल एसएस शारदा ने भारतीय सेना की कार्रवाई पर जानकारी दी।

आरोपी एसडीएम-तहसीलदार...

जिले के रहवासी हैं। भारतमाला परियोजना के लिए भू-अर्जन के नाम पर घोटाले की रकम 48 करोड़ रुपए है। ऐसे में गरियाबंद, जगदलपुर सहित धमतरी में भारतमाला परियोजना के नाम पर घोटाला किया गया होगा तो घोटाले की रकम कई गुना और बढ़ सकती है। ऐसे में जांच का दायरा और बढ़ जाएगा। एक ही पैटर्न की आशंका- भारतमाला परियोजना के लिए किन इलाकों का भू-अर्जन किया जाना है, इसकी जानकारी लीक होने के बाद जमीन दलाल के साथ जमीन कारोबारी भी सक्रिय हो गए। इसके बाद जमीन दलाल और जमीन कारोबारियों ने राजस्व विभाग के अफसर, पटवारी, आरआई से साठगांठ कर किसानों से कम दर पर जमीन खरीदी और उसे टुकड़ों में बांटकर मोटी कमाई की। रायपुर के बाद जिन और नई जगहों पर किए गए भू-अर्जन में रायपुर पैटर्न में ही गड़बड़ी किए जाने की आशंका है।

संसद का विशेष सत्र ...

भी अवसर होगा। मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरतापूर्वक एवं शीघ्रता से विचार करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने पत्र में लिखा- आपको याद होगा कि मैंने, राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में तथा लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में, आपसे पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए अपने दिनांक 28 अप्रैल 2025 के पत्रों के माध्यम से अनुरोध किया था। नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको एक बार फिर पत्र लिखकर बताया है कि पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर तथा पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों की तरफ से की गई युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाने के लिए सभी विपक्षी दलों का सर्वसम्मति से अनुरोध है। राज्य सभा में विपक्ष के नेता के रूप में मैं इस अनुरोध के समर्थन में लिख रहा हूं। मुझे विश्वास है आप सहमत होंगे। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे।

पीएम आवास पर ...

चाहिए। पुलिस अधिकारियों ने रात-रात घर-घर जाकर अभियान चलाया था, उसका क्या हुआ? जहां चुनाव होते हैं, वहां पर बांग्लादेशी और पाकिस्तानी आ जाते हैं। बंगाल में चुनाव आने वाला है, इसलिए अब बांग्लादेशियों की बात होगी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री आवास पर चर्चा के लिए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा कि मंच, स्थान और समय तय कर लें, भूपेश बघेल चर्चा करने आ जाएगा। कांग्रेस के लोग चुनौती को स्वीकार करते हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पीएम आवास के लिए 1 लाख 30 हज़ार दिया जाता था, अब 1 लाख 20 हज़ार कर दिया गया है। विधानसभा में ढाई लाख देने की मांग भी किया है।

राजधानी रायपुर में कंटेनर में ...

रफ्तार का कहर नजर आया था। एक तेज रफ्तार इंडिगो कार खंभे से टकराई और खंभे से टकराई कार में आग लगने से कार चालक की जलने से मौके पर मौत हो गई और कार सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीती देर रात करीब 2 से 3 बजे के बीच इंडिगो कार सवार तीन युवक मैगी पाइंट माना से नया रायपुर घूमने निकले थे। सेक्टर 17 कोटराभाठा इलाके में उनकी तेज रफ्तार इंडिगो कार नया रायपुर में रफ्तार पर नजर रखने वाले सड़क पर लगे आईटीएमएस कैमरे के खंबे से टकरा गई जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और कार में अचानक आग लग गई जिससे कार चला रहे 21 वर्षीय गौतम सतवानी निवासी शद्दानी दरबार बोरियाकला की कार में फंसे रह जाने से जिंदा जलने से मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार प्रियांशु सचदेव और अभिराज सिंह कार से बाहर गिर गएए जिससे दोनों को गंभीर चोटे आई हैए जिन्हे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि नवा रायपुर में इस तरह का ये कोई पहला दर्दनाक सड़क हादसा नहीं है इससे पहले भी कई सड़क हादसो में लोगों की जान जा चुकी है।

भारत-पाक के ...

और अडिग शक्तिशाली नेतृत्व पर बहुत गर्व है, क्योंकि उनके पास यह जानने और समझने की शक्ति, बुद्धि और धैर्य है कि वर्तमान आक्रामकता को रोकने का समय आ गया है, जो इतने सारे लोगों की मौत और विनाश का कारण बन सकती है। लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। ट्रंप ने लिखा। उन्होंने कहा कि आपकी विरासत आपके साहसिक कार्यों से बहुत बढ़ी है। मुझे गर्व है कि अमेरिका आपको इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचने में मदद करने में सक्षम था। हालांकि इस पर चर्चा भी नहीं हुई है, लेकिन मैं इन दोनों महान राष्ट्रों के साथ व्यापार को काफी हद तक बढ़ाने जा रहा हूं। इसके अलावा, मैं आप दोनों के साथ मिलकर यह देखने के लिए काम करूंगा कि क्या 'हजार साल' के बाद कश्मीर के संबंध में कोई समाधान निकाला जा सकता है. भगवान भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को अच्छी तरह से किए गए काम के लिए आशीर्वाद दें।

तीस राज्यों में ...

प्रदेश, महाराष्ट्र में तापमान 40 डिग्री के करीब रह सकता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना में भी तापमान में 3-7 डिग्री बढ़ सकता है। साथ में उमस भी बढ़ेगी। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश के तापमान में कमी आने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। हिमाचल में बर्फबारी भी हो सकती है।

प्रदेशाध्यक्ष की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ की बैठक हुई

बैठक में बिलासपुर जिला अध्यक्ष की नियुक्ति, कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार

तखतपुर 11 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ की बैठक खुड़िया बाँध में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष के आतिथ्य में संपन्न हुई। कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पित की गई। संगठन की ओर से वरिष्ठ पदाधिकारियों ने साल श्रीफल तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे नवीन पदोन्नत प्रधान पाठकों को सम्मानित किया गया। प्रदेशाध्यक्ष की अनुसंशा पर जिलाध्यक्ष के पद पर मनोज पवार को नियुक्त किया गया। जिला कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार के अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने शिक्षकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दे पर अपनी बात रखी,उन्होंने बताया कि शिक्षा सचिव डी पी आई संचालक से मुलाकात कर युक्तिकरण के जारी दिशा निर्देश व मापदंडों की विसंगतियों को संगठन के माध्यम से अपना पक्ष रखा तथा 2008 के शिक्षकों के सेटअप को प्रभावित न करते हुए सभी संवर्गों के शिक्षकों की पूर्ण पदोन्नति के पश्चात ही युक्तिकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शालेय संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष, संरक्षक दिनेश सिंह राजपूत ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाता है और उन्हे अपनी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है तथा शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान है। आगे उन्होंने संगठन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि संगठन एक प्रक्रिया है जो संसाधनों को व्यवस्थित करती है और उन्हे एक साथ मिलकर एक विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियोजित करती है, यह कार्यस्थल में एक सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करता है और कर्मचारियों को अपनी भूमिकाएं समझने तथा समर्थन करने में मदद करता है।

स्वागत उद्बोधन में तखतपुर ब्लॉक अध्यक्ष विजय जाटवर ने जिले तथा ब्लॉक स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष राकेश डहरे ने तथा आभार प्रदर्शन अजय तिवारी ने किया।

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से वीरेंद्र दुबे, दिनेश सिंह राजपूत, धर्मेश शर्मा प्रांतीय सचिव, गजराज सिंह, कृष्णराज पाण्डेय, जीतेन्द्र शर्मा,घनश्याम पटेल, शिवेंद्र चंद्रवंशी दीपक बेंताल आशुतोष ठाकुर मनोज पवार शैलेन्द्र उपाध्याय रविन्द्र चतुर्वेदी सुनील कौशिक शशिकांत जांगड़े मिर्जा वसीम बेग हीरालाल जांगड़े जी पी उपाध्याय गणेश शिवहरे नितेश सिंगरौल रामेश्वर कश्यप भागवत जायसवाल प्रेम जायसवाल सुनील कौशिक प्रवीण मिश्रा अनुपम कश्यप ईश्वर कश्यप मिलऊ यादव विक्रम ठाकुर रामकुमार देवांगन अमरदीप शर्मा लवकांत द्विवेदी नितेश सोना राजा रामकृपाल संजय राजपूत बलराम रजक ओमप्रकाश देवांगन राजेश उपाध्याय राकेश पात्रे वीरेंद्र विश्वकर्मा गजानंद कुंबले शेखर पाण्डेय सुभाष देवांगन सखाराम घृतलहरे संदीप अनंत नरेश रात्रे सतीश राजपूत अशोक क्षत्री अर्जुन जांगड़े नामीचंद जांगड़े मिर्जा वसीम बैग दुर्गेश देवांगन संतोष शर्मा सूरज पाली राजकुमार पांडेय ब्रजेश यादव विवेक गोविंद उपस्थित रहे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय – साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
कोरबा जोन

फा.क्र./ 224, 225, 226 एवं 227 /निर्माण (कोरबा जोन) / 2025/ कोरबा, दिनांक 06.05.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है :-
1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि – 28.05.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि – 28.05.2025 सायंकाल 4:30 बजे

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1.	वार्ड क्र. 14 अमरैय्यापारा अंतर्गत मदरसा के समीप नाली एवं पेविंग का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	2,30,000/–	2,500/–
2.	वार्ड क्र. 14 अंतर्गत अमरैय्यापारा में रूपम गारमेंट्स के पास नाली, रोड एवं कलवट का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	3,86,000/–	4,000/–
3.	वार्ड क्र. 14 अंतर्गत खान घर के पास से राठौर घर के पास तक नाली एवं रोड का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	3,98,000/–	4,000/–
4.	वार्ड क्र. 14 अमरैय्यापारा अंतर्गत कालू घर से जायसवाल घर तक नाली एवं रोड का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	2,64,200/–	3,000/–

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,कोरबा (छ.ग.)

देश

उवाच "

पाकिस्तान की आर्मी और सरकार में संवाद का अंतर है। दोनों में समन्वय की कमी है। इसी कारण पाकिस्तान की ओर से सीजफायर का उल्लंघन हुआ। पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया। जो भी आतंकी बच गए हैं। सभी को जमीन में घुसकर मारेंगे: दिलीप जायसवाल, भाजपा नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	38	27
मुंबई	32	29
कोलकाता	37	28
चेन्नई	33	29

इंदिरा गांधी को याद कर रहा पूरा देश : पप्पू यादव

पूर्णिया, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और फिर सीजफायर को लेकर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि आज पूरा देश इंदिरा गांधी को याद कर रहा है। पूर्णिया में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि जहां 4000 किलोमीटर दूर बैठकर कोई किसी देश के लिए सीजफायर करवाता हो, उस देश का भगवान ही मालिक है।

पप्पू यादव ने कहा कि जब हमारी सेना को फ्री हैंड किया गया है, तो फिर अंकुश क्यों लगाए गए? उन्होंने कहा कि जिस देश में 'एक्स' पर पंचायत होती हो और 4000 किलोमीटर दूर बैठकर सीजफायर कराया जाता है, उस देश का भगवान ही मालिक है। उन्होंने ट्रंप पर तीखा वार करते हुए कहा कि जो दूसरों की कृपा पर चुनाव जीता हैं, वह हमारे भाग्य विधाता बन रहे हैं। हमारी सेना को जब फ्री हैंड किया गया, तो फिर पाबंदी क्यों लगाई? भारत की जनता पीओके से कम पर समझौता नहीं कर रही थी और बीच में सीजफायर का ऐलान करना कहीं से भी सही नहीं है।

पप्पू यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद करते हुए कहा कि आज देश की जनता को इंदिरा गांधी जैसे नेता की जरूरत है। आज शाहबाज और मुनीर जैसे लोग हमें आंख दिखा रहे हैं, जो आतंकवादियों के पैसे पर पलते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि आतंकवाद का समर्थन कर रही सरकार के सामने हम झुक गए? हमें ऐसा कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए था। हमारी सेना पूरी दुनिया की उम्मीद बनी है। इससे पहले पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर वाले पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए लिखा था कि पीएम मोदी को अमेरिका को भारत का भाग्य विधाता नहीं बनने देना चाहिए। युद्धविराम हो लेकिन भारत की शर्तों पर हो। भारत जैसे महान देश के संबंध में कोई भी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति किस हैसियत से कर रहे हैं? यह भारत की संप्रभुता पर हमला है।, सांसद ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद सभी सैनिकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये देने की घोषणा भी की है।

जहां 4000 किलोमीटर दूर बैठकर कोई किसी देश के लिए सीजफायर करवाता हो, उस देश का भगवान ही मालिक है, जब हमारी सेना को फ्री हैंड किया गया है, तो फिर अंकुश क्यों लगाए गए? भारत की जनता पीओके से कम पर समझौता नहीं कर रही थी और बीच में सीजफायर का ऐलान करना कहीं से भी सही नहीं : पप्पू यादव, सांसद

मनीष तिवारी ने 'युद्ध विराम' शब्द पर आपत्ति जताई, कहा

पाकिस्तान से सतर्क रहने की जरूरत

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान हो गया। हालांकि शनिवार को इस घोषणा के बाद कुछ ही देर में पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन भी किया। इस पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि देश को पाकिस्तान से सर्तक रहने की जरूरत है। दोनों देशों के बीच सीजफायर का फैसला लेने के बाद पाकिस्तान का उत्तरदायित्व बनता है कि वह इस पर अमल करे। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि शनिवार की शाम 5 बजे से सीजफायर की घोषणा की गई। इसके कुछ घंटे के बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। मनीष तिवारी ने 'युद्ध विराम' शब्द पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई युद्ध की परिस्थिति नहीं थी, इसलिए 'युद्धविराम' शब्द गलत है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों के लिए सजा दी जा रही थी। सबसे ज्यादा जरूरी है कि पाकिस्तान आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के बजाय इसपर लगाम लगाए।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने देश को पाकिस्तान से सचेत रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में सिविलियन गवर्नमेंट है। लेकिन वहां सरकार और फौज के बीच हमेशा से दरार रही है। वहां फौज अपनी मनमर्जी करती है।

देश को पाकिस्तान से सतर्क रहने की जरूरत है। दोनों देशों के बीच सीजफायर का फैसला लेने के बाद पाकिस्तान का उत्तरदायित्व बनता है कि वह इस पर अमल करे। शनिवार की शाम 5 बजे से सीजफायर की घोषणा की गई। इसके कुछ घंटे के बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया है : मनीष तिवारी, कांग्रेस सांसद

पी. चिदंबरम ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम पर लिए गए फैसले पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के प्रधानमंत्री की तारीफ पर कहा कि सरकार के हर फैसले पर विपक्ष पूरी तरह साथ खड़ा है। पूरा देश चाहे विपक्ष हो या सत्ताधारी, सभी इस मुद्दे पर एकजुट हैं। भारतीय सेना के फैसले और कार्रवाई की सारे विपक्ष ने स्वागत और सराहना की है। देशवासी एकजुट होकर सरकार के फैसले के साथ खड़े रहे हैं।

सचिन पायलट ने मोदी की नीतियों पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने वर्तमान सरकार की नीतियों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। बस अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता की एक बात से इत्तेफाक रखा कि एक देश के तौर पर हम कभी भी हिंसा के पक्ष में नहीं रहे हैं और शांति और समृद्धि चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश के इतिहास में हमने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया है या किसी दूसरे देश से जमीन नहीं मांगी है। हम संप्रभुता का सम्मान करते हैं, लेकिन हम अनिश्चित काल तक आतंक का शिकार नहीं बन सकते। आतंक को हमेशा के लिए जड़ से उखाड़ने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। इस संबंध में हमने सरकार का समर्थन किया है, लेकिन संघर्ष विराम भी उसी तरह होना चाहिए था।

अमेरिका के दबाव में किया सीजफायर, सरकार ने पीओके वापस लेने का मौका गंवाया : राशिद अल्वी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भारत-पाक संघर्ष के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अमेरिका के दबाव में सीजफायर किया। ऐसा करने की जरूरत नहीं थी और हमने ऐसा करके पीओके को वापस हासिल करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया। राशिद अल्वी ने कहा कि जब पूरा देश एक साथ होकर भारत सरकार के साथ आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए खड़ा था तो ऐसे समय में भारत ने अमेरिका में दबाव में सीजफायर किया। तीन दिनों में हमारी सेना ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत दिखाई। लेकिन क्या भारत सरकार ने वो मकसद हासिल कर लिया, जिसके लिए यह सब कुछ किया गया था।

'पाकिस्तान से शांति की उम्मीद नहीं की जा सकती' : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। भारत-पाक के बीच तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद शनिवार को दोनों देशों के बीच सीजफायर की घोषणा हुई। लेकिन, इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन किए जाने पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से उम्मीद थी कि वह सीजफायर का उल्लंघन करेगा। क्योंकि, पाकिस्तान से शांति की उम्मीद नहीं की जा सकती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीजफायर की घोषणा के बाद कुछ घटनाओं के बारे जानकारी मिली थी। विदेश सचिव ने भी माना की घटनाएं हुई। सेना को भी निर्देश दिया गया कि वह पाकिस्तान की हर नापाक कोशिश का जवाब दें। भारत-पाक के बीच सीजफायर की घोषणा पर कांग्रेस नेता ने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी शरारतें बंद नहीं की हैं और वह क्या करता है और क्या नहीं करता है, इस पर हमेशा संदेह बना रहता है क्योंकि बार-बार यह बात सामने आती है कि आतंकी गतिविधियां उनकी तरफ से प्रायोजित हैं।

सार संक्षेप

आतंक की कमर टूटने की बौखलाहट में पाकिस्तान : प्रतुल शाहदेव

रांची। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम पांच बजे सीजफायर का ऐलान होने के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने कई शहरों में ड्रोन हमले की नाकाम कोशिश की और सीजफायर का उल्लंघन किया। इस पर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को कहा कि भारत ने आतंक की कमर तोड़ दी है, जिससे बौखलाए पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को पाकिस्तान की कायराना हरकत बताया। उन्होंने कहा, पहलगाम में पाकिस्तान ने जो हरकत की थी, भारत ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी तीनों सेनाओं - थल सेना, वायु सेना और नौसेना - के जांबाजों ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

पाकिस्तान को संवेदनशील रक्षा जानकारी लीक करने के आरोप में एक गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान को खुफिया सैन्य जानकारी लीक करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को हिरासत में लिया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को यह जानकारी दी। गौरव यादव ने बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी हैंडलर को लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसकी शिनाख्त पर दूसरे आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि वे नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के एक अधिकारी के संपर्क में थे और पाकिस्तानी हैंडलर को जानकारी लीक कर रहे थे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को दी श्रद्धांजलि

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हुए बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धांजलि दी। मनोज सिन्हा ने रविवार को सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। दरअसल, जम्मू के आरएस पुरा इलाके में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए थे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, 'मैं हमारे बीएसएफ के जांबाज सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं।

केंद्र सरकार सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाएं : मनोज झा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा के बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार से मांग की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। सीजफायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि बिल्कुल बुलानी चाहिए। जिस तरह से सीजफायर की घोषणा हुई, वह कहीं न कहीं लोगों को असहज करती है। राजद सांसद ने कहा कि सीजफायर की हमारी ओर से घोषणा करने से पहले अमेरिका की ओर से बयान जारी कर दिया जाता है कि उनकी मध्यस्थता में भारत-पाक सीजफायर के लिए राजी हुए हैं। राजद सांसद ने कहा कि भारत ने आज तक कभी युद्ध की पहल नहीं की।

हम पर युद्ध थोपा गया। एक बार फिर यही हुआ है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को छोड़ दीजिए, उससे पहले भी हम सीमा पार से प्रायोजित बर्बर हिंसा के शिकार हुए हैं।

केंद्र सरकार को बुलानी चाहिए सर्वदलीय बैठक : गोविंद सिंह

सीकर। भारत-पाकिस्तान के बीच राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाकर मौजूदा हालात और सीजफायर समझौते सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा करने की मांग की है। डोटासरा ने कहा कि अभी भी वह सवाल देश और दुनिया के लोगों के दिलों में है कि आतंकवादी बार-बार आते हैं और हमारे लोगों की हत्या कर, खून बहाकर चले जाते हैं। उसके बावजूद आज तक उसका समाधान नहीं हो रहा है। इन सब बातों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेना को साथ लेकर खुलकर बताना चाहिए। आखिर यह सवाल बना हुआ है कि सीजफायर होने के बाद भी पाकिस्तान की ओर से भारत पर हमला क्यों किया गया।

रावलपिंडी तक सुनी गई भारतीय सेनाओं की धमक, चलाया 'आपरेशन सिंदूर' : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरा शहर लखनऊ भारत के डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे, वह सपना अब पूरा हो रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन भारत विरोधी और आतंकी संगठनों ने भारत माता के मस्तक पर हमला करके कई परिवारों के सिंदूर मिटाए थे, उन्हें भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से इंसाफ दिलाने का काम किया है। इसके लिए आज सारा देश भारतीय सेनाओं का अभिनंदन कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई भर नहीं है, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह ऑपरेशन आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य शक्ति की क्षमता और संकल्प शक्ति का भी प्रदर्शन है। हमने दिखाया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

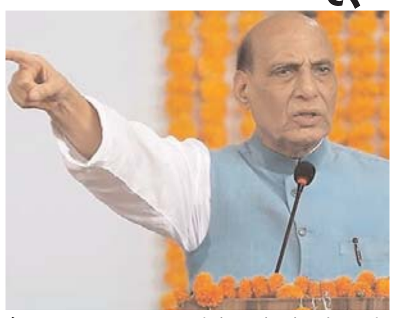

'भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लांच किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा व गिरजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम को वर्चुअली रूप से संबोधित करते हुए आगे कहा, 'भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही कार्रवाई नहीं की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है, यह पूरे विश्व ने उरी की घटना के बाद देखा। जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा के बाद देखा जब बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की गईं और अब पहलगाम की घटना के बाद दुनिया देख रही है, जब भारत ने पाकिस्तान के भीतर घुसकर मल्टीपल स्ट्राइक्स की हैं।

वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिले मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना ने रविवार को जोर देकर कहा कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे सौंपे गए कार्यों को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

विशेष रूप से सोशल मीडिया में चल रही अकालबाजियों और अफवाहें के मद्देनजर वायु सेना ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि यह ऑपरेशन राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सोच-समझकर और विवेकपूर्ण तरीके से संचालित किया गया। सेना ने कहा कि चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय आने पर इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। वायु सेना ने सभी से अपील की है कि वह अटकलबाजी और अफवाहों से बचें और असत्यापित जानकारी का प्रसार न करें। उल्लेखनीय है कि इस ऑपरेशन के दौरान वायु सेना के प्लेटफार्म और उसके पायलटो के संबंध में अलग अलग तरह की विवादास्पद जानकारियां साझा की जा रही है।

स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु ने कई क्षेत्रों में देश में पहला स्थान किया हासिल

2026 विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ द्रमुक ने दूसरी बार सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दी

चेन्नई, 11 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मॉडल सरकार की प्रमुख पहलों के चलते तमिलनाडु ने कई क्षेत्रों में देश में पहला स्थान हासिल किया है। वर्ष 2026 विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ द्रमुक ने दूसरी बार सरकार बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को पार्टी ने सरकार की चार साल की उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि तमिलनाडु कई सामाजिक सूचकों में देश में अग्रणी है।

राज्य सरकार ने बताया कि तमिलनाडु में 897 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, निर्यात में दोगुनी वृद्धि हुई, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में पहला स्थान मिला। राज्य ने रोजगार सृजन, उच्च शिक्षा में नामांकन, कार्यरत महिलाओं की सुरक्षा, चमड़ा और वस्त्र उद्योग तथा नवाचार आधारित उद्योगों में भी पहला स्थान हासिल किया है।

■ पार्टी ने सरकार की चार साल की उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि तमिलनाडु कई सामाजिक सूचकों में देश में अग्रणी है

उन्होंने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत प्रशंसा से ज्यादा खुशी तब मिलती है जब तमिलनाडु को देश का अग्रणी राज्य माना जाता है। इसी लक्ष्य के साथ श्री स्टालिन लगातार कार्य कर रहे हैं।' इसमें कहा गया है कि श्री स्टालिन के निरंतर प्रयासों के कारण नए उद्योग स्थापित हुए हैं और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने 897 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे 10,27,547 करोड़ रुपये का नया निवेश हुआ है और 32.23 लाख नए रोजगार सृजित हुए हैं। तमिलनाडु को औद्योगिक विकास में अग्रणी माना जाता है। इन अनुकरणीय पहलों के कारण, तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि दर 9.69 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है, जिसे पिछले दशक में किसी अन्य राज्य ने हासिल नहीं किया है, जिससे इसे भारत में अग्रणी राज्य होने का गौरव प्राप्त हुआ है।

'मैं देश का पहला बौद्ध चीफ जस्टिस बनने जा रहा हूं' : जस्टिस बीआर गवई

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। 14 मई को देश के 52वें चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ लेने जा रहे जस्टिस बीआर गवई ने अनौपचारिक बातचीत में भारत-पाकिस्तान के मौजूदा टकराव, ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमला, राजनीति में जाने सहित कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। मीडिया के लोगों के साथ हुई ऑफ कैमरा बातचीत में उन्होंने बताया कि वह देश के पहले बौद्ध चीफ जस्टिस बनने जा रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और फिर सीजफायर की स्थिति पर उन्होंने बोला कि युद्ध कोई अच्छी चीज नहीं है। हमारे सामने युद्ध के दो उदाहरण हैं, जो अभी भी चल रहे हैं। यूक्रेन में कितने दिनों से युद्ध हो रहा है और इससे क्या मिला। मतलब युद्ध से कुछ हासिल नहीं होता।

■ 14 मई को देश के 52वें चीफ जस्टिस के तौर पर शपथ लेंगे जस्टिस बीआर गवई

जस्टिस बीआर गवई ने अनौपचारिक बातचीत में पहलगाम घटना पर कहा कि सुबह जब अखबार पढ़ा कि पहलगाम में ऐसी दुखद घटना हुई है तो बहुत दुख हुआ, उस समय चीफ जस्टिस देश के बाहर थे। उनसे संपर्क किया गया, फिर हमने फैसला लिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जिन लोगों ने जान गंवाई उनके लिए दो मिनट का मौन रखा जाएगा और रखा गया।

दहशत | *शांति से गुजरी रात, पर दहशत और डर का माहौल है बरकरार*

जम्मू कश्मीर में भारत का दावा ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 मई (देशबन्धु)। शनिवार रात 11 बजे के बाद केंद्र शासित प्रदेश में फिर से शांति छा गई, किसी भी तरह की ताजा गोलीबारी या ड्रोन घुसपैठ की कोई खबर नहीं आई। पर इस भूतहा शांति के बीच दहशत और डर का माहौल जरूर बरकरार है। इस डर और दहशत को भारत के उस बयान ने और बढ़ाया है जिसमें कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है।

तूफान आने से पहले की भूतहा शांति और दहशतभरी रात के प्रति उड़ी के कमालकोट के निवासी मुनीर हुसैन कहते थे कि एलओसी से सटे इस गांव और उसके आस-पास के इलाकों में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को शांति रही। लेकिन वे अभी भी बंकरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी हुसैन कहते थे कि पिछले कुछ दिन प्रलय के दिन जैसे थे। 1999 (भारत-पाक) युद्ध के दौरान भी हमने इतनी गोलाबारी नहीं देखी थी। मुझे उम्मीद है कि शांति कायम होगी। हालांकि, भले ही संघर्ष विराम लागू हो गया हो, लेकिन जम्मू में भी तनाव बना हुआ है, क्योंकि संदिग्ध आतंकवादियों ने नगरोटा इलाके में सेना की 16वीं कोर के मुख्यालय पर गोलीबारी की, जिसमें एक सैनिक घायल हो गया।

जम्मू शहर के नागरिक रातभर ठीक से सो नहीं पाए। छोटे बच्चों को यह समझाने में बहुत समय लगा कि अब कोई मिसाइल या ड्रोन हमला नहीं होगा।

■ जम्मू शहर के नागरिक रातभर ठीक से सो नहीं पाए
■ लोगों ने घर के 'सुरक्षित' समझे जाने वाले कमरों में ही रात गुजारी

बावजूद इसके ब्लैकआउट के बीच लोगों ने घर के 'सुरक्षित' समझे जाने वाले कमरों में ही रात को गुजारा है। वर्ष 1965 और 1971 के युद्धों को झेल चुके जम्मू के लोगों न कभी बंकरों की स्थापना नहीं की। पर इतना जरूर था कि प्रवासी श्रमिक जम्मू कश्मीर को छोड़ अपने घरों को स्पेशल ट्रेनों से लौट चुके हैं। इसी तरह से पुंछ के निवासी मुर्तजा अली ने फोन पर बताया कि पिछले कुछ दिनों से तोपों और गोलीबारी की आवाजों से आतंकित रहने के बाद पूरी तरह से शांति थी। पर पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता इसलिए पूरी रात चैन की नींद नहीं सो पाए। वे उम्मीद प्रकट करते थे कि सीजफायर इसी तरह जारी रहेगा ताकि लोग अपनी सामान्य जिंदगी में लौट सकें।

एलओसी के पास स्थित पुंछ व राजौरी जिले, भारत द्वारा मंगलवार और बुधवार (6-7 मई) की दरम्यानी रात को आपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद तोपों की गोलाबारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 22 नागरिक मारे गए थे। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल हैं। इस बीच सुरक्षा बलों द्वारा जम्मू शहर में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किए जाने के बावजूद, आतंकी हमले की खबर ने शीतकालीन राजधानी में और हमलों की आशंका के बारे में अफवाहों को हवा दी, जिसके कारण जम्मू कश्मीर पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने में जनता की मदद के लिए एक परामर्श जारी किया। ऐसी अपुष्ट रिपोर्टें भी हैं कि कई संदिग्ध आतंकवादी अमेरिका द्वारा किए गए संघर्ष विराम का लाभ उठाकर जम्मू में आर एस पुरा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने में सफल रहे हैं।

देशबन्धु

बिलासपुर, सोमवार 12 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

युद्धविराम का असली खेल

पिछले बुधवार को शुरु हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में एक नया जोश और उम्मीद जागी थी कि अब आतंकवाद के पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा और पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान को दिया जाएगा। इस ऑपरेशन के बाद सरकार की तरफ से यही कहा भी गया कि न्याय कर दिया गया। लेकिन फिर पाकिस्तान की तरफ से आक्रमण शुरु हुए, उनका भी माकूल जवाब भारतीय सेना ने दिया। हालांकि इनमें सीमा पर बसे नागरिकों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ, लेकिन देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर इन पर सरकार से सवाल करना गुनाह मान लिया गया। इस बीच शनिवार शाम को अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खबर दी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों पक्षों से लंबी चर्चा की है और उनकी मध्यस्थता के कारण अब युद्धविराम हो गया है। युद्ध खत्म होगा, इस बात पर राहत तो महसूस हुई, लेकिन यह राहत क्षणिक ही थी क्योंकि कुछ ही देर में पाकिस्तान की तरफ से हमले फिर शुरु हो गए। और फिर शनिवार देर रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने राष्ट्र को संबोधित करते हुए बताया कि उनकी ऐतिहासिक जीत हुई है। यह झटका काफी नहीं था कि रविवार सुबह डोनाल्ड ट्रंप का एक और ट्वीट आ गया, जिसमें ट्रंप ने दावा किया कि अब वह हजारों सालों से चले आ रहे कश्मीर विवाद को भी सुलझाने में मदद करेंगे।

देश ने पहले भी पांच युद्ध देखे हैं, कई बड़े आतंकी हमलों के जख्म खाए हैं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ हुई साजिशों को झेला है, लेकिन शनिवार से लेकर रविवार तक जितने झटके देश को मिले, ऐसा शायद कभी नहीं हुआ। इनमें सबसे अधिक दुख की बात यह रही कि इतना कुछ होता रहा और नरेन्द्र मोदी का एक लाइन का ट्वीट, एक वाक्य का राष्ट्र के नाम संबोधन सुनाई नहीं दिया। कम से कम रविवार शाम साढ़े छह बजे तक तो यही स्थिति थी।

देश में अब तक जो नहीं हुआ, वो नरेन्द्र मोदी ने मुमकिन कर दिखाया। श्री मोदी ने देश की संप्रभुता को दांव पर लगाते हुए अमेरिका को हमारे मामले में दखलंदाजी की अनुमति दे दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने सीज़फायर को लेकर दावे किए उससे तो यही लगता है।

भारत शांतिप्रिय देश है, बावजूद इसके भारत 1947, 1962, 1965, 1971, और 1999 पांच बार युद्ध का हिस्सा बना। इसमें 62 के चीन के आक्रमण में भारत को हार मिली, लेकिन बाकी सारे युद्ध जो पाकिस्तान के साथ लड़े गए, उसमें हमें जीत हासिल हुई। भारत ने यह हमेशा सुनिश्चित किया कि कोई तीसरा देश हमारे मामले में दखलंदाजी न करे। लेकिन इस समय 2025 में पाकिस्तान के साथ जो युद्ध की स्थिति बनी, उसमें पहले तो ऑपरेशन सिंदूर चला कर नरेन्द्र मोदी ने यह बताया कि उनकी सरकार पहले की नीतियों पर ही चलेगी और हमले पर जवाबी कार्रवाई करेगी। लेकिन सात मई को हुए आपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के महज 3 दिन बाद ही ट्रंप ने 10 मई की शाम को अचानक दुनिया को संदेश दिया कि उनकी मध्यस्थता के कारण दोनों देश युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। 78 सालों में कभी किसी देश ने इस तरह भारत के नाम पर अपना बयान जारी नहीं किया। यहां तक कि रूस ने भी कभी भारत के साथ दोस्ती का ऐसा नाजायज फायदा नहीं उठाया, लेकिन ट्रंप ने ऐसा किया तो जाहिर है नरेन्द्र मोदी से सवाल हो रहे हैं कि वो पूरे मामले की सच्चाई बताएं। क्या उन्होंने ट्रंप को मध्यस्थता करने कहा, अगर ऐसा है तो फिर उस विपक्ष को भरोसे में क्यों नहीं लिया, जो शुरु से इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ा है। कांग्रेस की तरफ से फिर से संसद का विशेष सत्र बुलाने और सर्वदलीय बैठक में नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की मांग की गई है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि सरकार विपक्ष की बात सुनेगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तो राष्ट्र के नाम संबोधन में इसे पाकिस्तान की ऐतिहासिक जीत कहा, लेकिन श्री मोदी ने तब भी देश को यह नहीं बताया कि भारत अगर जीत का दावा कर रहा है तो फिर पाकिस्तान हार क्यों नहीं मान रहा। अपने संबोधन में शरीफ ने अमेरिका, ब्रिटेन, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, और चीन सबका शुक्रिया अदा किया। ऐसे में भारत को बताना चाहिए कि अगर ये सारे देश पाकिस्तान के साथ खड़े थे तो क्या इन्होंने भारत का विरोध किया है।

दरअसल सीज़फायर के बहाने कश्मीर के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दखलंदाजी का खेल रचा गया है और इसमें जाहिर हुआ है कि नरेन्द्र मोदी कूटनीतिक मोर्चे पर बुरी तरह पिछड़ चुके हैं। ट्रंप कश्मीर विवाद को जिस तरह भारत-पाक के बीच हज़ारों सालों का मुद्दा बता चुके हैं, यह न केवल तथ्यात्मक तौर पर गलत है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है कि कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे को ट्रंप इतने हल्के तरीके से पेश कर रहे हैं। हजारों सालों से विवाद की बात कहकर वे भारत की छवि भी बिगाड़ रहे हैं, क्योंकि भारत का इतिहास ऐसा नहीं रहा है कि वह किसी और की जमीन को जबरन अपना बता कर कब्जा करे। यह काम अमेरिका और ब्रिटेन जैसे साम्राज्यवादी देशों का रहा है, लेकिन ट्रंप भारत का अपमान लगातार कर रहे हैं और मोदी इस पर कुछ नहीं कह रहे।

इन हालात में इंदिरा गांधी को लोगों ने याद करना शुरु किया, जिन्होंने 71 के युद्ध में अमेरिका की धरती से ही अमेरिका को चेतावनी दे दी थी कि हमारे मामले में टांग अड़ाने का उन्हें कोई हक नहीं है। अमेरिका ने तब जो धमकियां दीं, इंदिरा गांधी ने उनका कड़ा जवाब दिया, पाकिस्तान को हराया और उसके दो टुकड़े करके दुनिया का भूगोल बदल दिया। ऐसा कमाल भारत के किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया। मगर मोदी भक्तों को इंदिरा गांधी की वीरता से भी तकलीफ हो रही है। वो सवाल कर रहे हैं कि अगर ऐसा ही था तो फिर देश पर कई आतंकी हमले क्यों हुए। ऐसी मूर्खतापूर्ण बातों का कोई जवाब नहीं हो सकता। लेकिन अफसोस होता है ये देखकर कि मोदी के महिमामंडन में लगे ये भक्त नुमा पत्रकार अनजाने में अपने देश के लिए कृतघ्न हो रहे हैं।

कश्मीर : अमेरिकी दबाव के सामने मोदी खामोश

प्रधानमंत्री मोदी युद्धविराम की तरह कश्मीर पर भी किसी समझौते को मान जाएंगे? बहुत बड़ा सवाल!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा ट्वीट बहुत खतरनाक है। इसमें वे स्पष्ट रूप से कश्मीर के मामले में मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। भारत हमेशा कहता रहा है कि यह द्विपक्षीय मसला है और भारत किसी तीसरे को इसमें शामिल नहीं करेगा। शिमला समझौता में यह सबसे अहम बात है। उसके बाद कई बार पाकिस्तान ने कभी संयुक्त राष्ट्र, कभी अमेरिका, कभी चीन के जरिए मध्यस्थता करवाने की कोशिश की मगर भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया।

इन्दिरा गांधी जिन्हें अभी अमेरिका द्वारा घोषित युद्धविराम के बाद देश में सबसे ज्यादा याद किया जा रहा है उन्होंने 1971 का युद्ध जीतने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो को शिमला बुलाकर यह समझौता किया था। और उसमें लिखवाया था कि कश्मीर का मुद्दा दोनों देश मिलकर सुलझाएंगे। तीसरे किसी का दखल नहीं होगा।

लेकिन पहले युद्धविराम की अप्रत्याशित घोषणा और अब उसके बाद कश्मीर समस्या सुलझाने का दावा बता रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप का दबाव काम कर गया है। पाकिस्तान का उसमें आना कोई खास बात नहीं। उसके पास क्या है? 75 साल में उसने क्या हासिल किया? आज चीन उसके साथ था और वह भी उसके नहीं भारत से दुश्मनी की वजह से और अमेरिका उसे टूटने नहीं देना चाहता था इसलिए उसने युद्ध विराम करवाकर उसे बचा लिया, नहीं तो पाकिस्तान कितने दिन और भारत से लड़ पाता?

वहां के शासक इसे समझते हैं। लेकिन अपने देश की जनता को उलझाए रखने के लिए युद्ध विराम के बाद भी गोलाबारी, ड्रोन अटैक करते रहे। केवल यह बताने के लिए कि हम लड़ सकते हैं। और ठीक यही बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने देश को संबोधित करते हुए कही। झूठी शान बताते हुए कि-हमारे सेना ने यह कर दिया वह कर दिया वे केवल जंग का महिमामंडन करते रहे।

जैसे युद्ध जिन्दगी के लिए सबसे जरूरी चीज है। इसी तरह की जज्बाती बातों ने पाकिस्तान की अवाम को 75 साल से उलझाए रखा है। और वे ऐसे ही रहें इसमें पाकिस्तान के नेताओं का दोष तो है ही चीन और अमेरिका भी यही चाहता है।

पाकिस्तान की जनता को देखना होगा कि चीन और अमेरिका जो उसके दोस्त हैं कितनी तरक्की कर चुके हैं और उनका मुल्क वहीं का वहीं है। भारत के साथ आजाद हुआ था। भारत हर क्षेत्र में कहीं से कहीं निकल गया लेकिन पाकिस्तान अभी भी कर्जा लेकर अपने खर्चे चलाने पर मजबूर है। अभी आईएमएफ से 12 हजार करोड़ रुपए अमेरिका ने दिलवाए।

इसलिए कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान ने कब्जा कर रखा है वह भी। याद रहे यह प्रस्ताव उस समय की कांग्रेस सरकार ने उस समय पास करवाया था जब जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा चलाए जा रहे आतंकवाद का सबसे भीषण समय था। पाकिस्तान एक तरफ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां चला रहा था दूसरी तरफ दुनिया में यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत दिल्ली में बैठकर कश्मीरियों पर शासन कर रहा है।

शकील अख्तर

कश्मीर पर पाकिस्तान का मान जाना कोई खास बात नहीं है। लेकिन भारत अगर मध्यस्थता स्वीकार कर लेता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी। अभी तक कि स्वतंत्र विदेश नीति के बिल्कुल उलट। भारतीय हितों के विपरीत। भारत की संसद के दोनो सदनों ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पास किया था कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

जबकि हकीकत यह थी कि पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण वहां चुनाव नहीं हो पा रहे थे। मगर भारत वहां राजनीतिक प्रक्रिया चला कर चुनाव का माहौल तैयार कर रहा था। ऐसे समय में अन्तरराष्ट्रीय जगत को सही स्थिति बताने के लिए केन्द्र सरकार ने अपना एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र भेजा। और जानते हैं उसका नेता किस को बनाया। विपक्ष के नेता को।

क्यों? ताकि यह संदेश जाए कि पूरा भारत कश्मीर के मामले में एक है। अटल बिहारी वाजपेयी को दल का अध्यक्ष बनाया और जम्मू कश्मीर के नेता फारुक अब्दुल्ला को उस दल में शामिल किया। आज कांग्रेस बिना शर्त सरकार को पूरा समर्थन दे रही थी। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही। मगर जब बिल्कुल युद्ध जैसा माहौल हो गया तो सत्तारुढ़ पार्टी बीजेपी वीडियो जारी करके यह बताने लगी कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री कितने कमजोर थे।

अब कमजोर थे ताकतवर थे पता नहीं मगर कश्मीर पर किसी की मध्यस्थता स्वीकार करना तो बड़ी बात किसी को इस पर बात भी करने की इजाजत नहीं देते थे। देश एक बहुत अनिश्चित मोड़ पर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी बिल्कुल खामोश हैं। पहलगाम के बाद दो आल पार्टी मीटिंग हुईं मगर एक में भी प्रधानमंत्री नहीं आए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दोनों में मौजूद थे। जबकि उनसे कहा गया कि जब नेता सत्ता पक्ष नहीं आ रहा हो तो नेता प्रतिपक्ष को जाने की क्या जरूरत? मगर राहुल ने अपनी जिम्मेदारी को समझा और वहां जाकर दोनों बार सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा देकर आए।

लेकिन अब एक अचानक अमेरिका द्वारा युद्ध विराम और फिर दूसरा कश्मीर पर अमेरिका की मध्यस्थता राहुल को बोलने पर मजबूर करेगी। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उनका दायित्व है। कश्मीर का मामला बहुत नाजुक है। भारत की भावनाओं से जुड़ा है। इसमें अचानक कोई तीसरा देश दखल देने की कोशिश करे यह भारत के लोगो को कभी स्वीकार नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी को इस पर अपना रुख साफ करना चाहिए। अभी अचानक युद्धविराम से देश हतप्रभ है। शांति सब चाहते हैं। मगर उसकी घोषणा हम करते तो बात दूसरी थी। अभी जिस भाषा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं वह नहीं होती। उनकी भाषा लिखने योग्य भी नहीं है। ट्रोलों जैसी। घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। भारत चीखने लगा! यह एक प्रधानमंत्री की भाषा होती है? अपनी जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश। उसके समर्थक चीन और अमेरिका भी जानते हैं कि पाकिस्तान युद्ध में ज्यादा दिन भारत के सामने टिक नहीं पाएगा। इसलिए उन्होंने युद्धविराम करवाया। पाकिस्तान को बचाने के लिए।

मगर अब कश्मीर पर बात लाकर ट्रंप ने किसी बड़े गेम के संकेत दे दिए हैं। यह अमेरिका के, चीन के, पाकिस्तान के फायदे में हो सकता है। मगर भारत के नहीं। किसी दबाव में कश्मीर पर बात करना उसके स्वाभिमान के खिलाफ है।

मोदीजी को स्टेंड लेना पड़ेगा। नहीं तो देश लेगा। अगर ट्रंप और मोदी यह समझते हैं कि वे कश्मीर पर कोई फैसला ले सकते हैं तो भारी भूल कर रहे हैं।

ऊपर बताया ही इसीलिए कि यह 22 फरवरी 1994 का संसद के दोनों सदनों का सर्वसम्मत प्रस्ताव है। इसमें कोई फेरबदल नहीं हो सकता। और अगर कश्मीर पर कोई बात करना है तो पहले संसद से इसकी अनुमति लेना होगी।

विपक्ष पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से ही संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। ट्रंप के ताजा बयान कश्मीर के बाद फिर यह मांग दोहराई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है।

मोदी के लिए यह समय बहुत मुश्किल है। अचानक युद्धविराम को उनके समर्थक भी धोखा मान रहे हैं। इससे पहले जातिवार गणना की घोषणा से भी उन्हें बहुत धक्का लगा था। जिसे वे राष्ट्रविरोधी, अरबन नक्सल का अजेंडा, भारत को तोड़ने की साजिश बताते घूम रहे थे वही उनके नेता ने कर दिया।

उस सदमे से वे उबरे नहीं थे कि ट्रंप ने पहले युद्धविराम और फिर कश्मीर पर मध्यस्थता की घोषणा कर दी। मोदी की छवि पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा है। वे खामोश हैं। उनके पास कोई जवाब नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

■ **विवेकानंद माथने**

युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब 'नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन' (नाटो) से जुड़ना चाहता है। 'नाटो' ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रेन के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है।

'हमास' के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इज़राइल ने गाज़ा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हज़ारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाज़ा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी ज़रूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

सूडान में 2023 से सेना और 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया। यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में 'टिग्रे संघर्ष' ने हजारों की जान ली और लाखों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया। इराक, लेबनान और अफगानिस्तान के ज़ख्म आज भी हरे हैं।

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है। भूख, बेरोजगारी और असमानता बढ़ती है। युद्ध का अंजाम केवल विनाश होता है, फिर भी युद्ध क्यों जारी रहते हैं? इसे क्यों नहीं रोका जाता? आखिर कौन हैं वे, जो युद्ध से लाभ उठा रहे हैं? दरअसल, युद्ध केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं होता, यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा होता है, जिसमें कुछ ताकतें पर्दे के पीछे से भारी लाभ कमाती हैं।

युद्ध के पीछे असली कारण संसाधनों पर कब्जा, हथियारों की बिक्री, मंदी से जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और सत्ता को मजबूत करना होता है। तेल, खनिज, जल, जमीन और श्रम पर नियंत्रण पाने के लिए बार-बार लड़ाइयां लड़ी गई हैं। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा यूक्रेन को हथियार देना एकतरफा नहीं है, बल्कि इसके पीछे यूक्रेन के संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभाव पर पकड़ बनाने का रणनीतिक लक्ष्य भी है। इन युद्धों ने पुराने हथियारों के भंडार खाली कर दिए हैं। 'एआई ड्रोन,' 'हाईपरसोनिक मिसाइलें' और साइबर हथियार जैसी नई तकनीकों वाले हथियार भी आज़माए गए हैं। युद्ध एक ऐसी 'लाइव टेस्टिंग लैब' बन चुका है, जहां नए हथियारों को परखा जाता है और उनके लिए बाज़ार तैयार किया जाता है।

अब सभी देश हथियारों की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इससे रक्षा उद्योग के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हुआ है। अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी जैसे देश बड़े हथियार निर्यातक हैं। युद्ध उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहा है। पारंपरिक हथियारों से लेकर परमाणु, जैविक और अब 'आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस' (एआई) आधारित स्मार्ट हथियारों तक, यह उद्योग युद्ध पर ही टिका है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीपरी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.70 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं जब भी आर्थिक संकट और मंदी से गुजरती हैं तब युद्ध उनके लिए एक अवसर बन जाता है। हथियारों की खपत बढ़ती है, पुराना स्टॉक खाली होता है और नए उत्पादनों का बाजार तैयार होता है। अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे देश पुराने हथियारों को युद्ध में झोंककर अपनी सैन्य उत्पादन प्रणाली को पुनर्जीवित करते हैं। युद्ध उनके आर्थिक पुनरुद्धार की रणनीति बन जाता है।

हाल की पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं निस्संदेह बहुत पीड़ादायक हैं, लेकिन यह भी सोचने की ज़रूरत है कि क्या इन हमलों के पीछे खडी बड़ी ताकतें दोनों देशों को युद्ध के रास्ते पर धकेलना चाहती हैं? जनता का आक्रोश जायज़ होते हुए भी, यह प्रश्न जरूरी है कि क्या ये हमले केवल आतंकियों के हैं या कोई और ताकत इन्हें अंजाम देकर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की ज़मीन तैयार कर रही है?

वे जानते हैं कि कोई भी बड़ा देश आम जनता के समर्थन के बिना युद्ध नहीं लड़ सकता। पहलगाम जैसे आतंकी हमलों से उत्पन्न संवेदना का दोहन करना आसान होता है। युद्ध कई बार राष्ट्र की अस्मिता से जोड़ दिया जाता है। युद्ध के पहले ऐसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं कि शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास रखने वाले लोग भी युद्ध के समर्थन में खड़े हो जाते हैं। संकुचित राष्ट्रवाद को उकसाने में कॉर्पोरेट मीडिया और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है। फेक न्यूज़, उग्र भाषण और भावनात्मक उन्माद फैलाकर जनता को युद्ध के समर्थन में खड़ा कर दिया जाता है। लोग भ्रमित होकर प्रतिशोध की आग में युद्ध को न्याय समझने लगते हैं।

यदि यह उन्माद तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ा, तो निश्चित ही जैविक, परमाणु और 'एआई' आधारित विध्वंसक प्रणालियों का प्रयोग होगा। यह ऐसी तबाही ला सकता है जिसकी कल्पना भी भयावह है और जिसके परिणाम पूरी मानवता को सदियों भुगतने पड़ेंगे। इसलिए जरूरी है कि हम युद्धोन्मादी नेताओं, उकसाने वाले मीडिया संस्थानों और हथियार बेचने वाले देशों के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध को ही चुनौती दें। यह लोगों की ज़िम्मेदारी है कि वे युद्ध को नकारें और शांति का रास्ता चुनें। विनाश नहीं, जीवन चुनें!

(लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं।)

आपके पत्र

विदेशी धरती पर पोषित आतंकवाद अब भारत नही सहेगा

भारत-पाकिस्तान के संघर्ष विराम में भारत ने वो सब कुछ पा लिया है,जिसकी कल्पना नहीं की गई। पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एक देश के रूप में पाया है वह बहुत बड़ा है। भारत ने इसके पूर्व आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में एयर स्ट्राइक भी इसी सरकार ने की है।मोदी के पहले पूर्ववर्ती सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। सेना को पहले गोली चलाने का भी आदेश नहीं था इसलिए आतंकी फौजी पर सीधा हमला करते थे। भारत ने यह संकल्प दोहराया है कि आतंकवाद नहीं रुका तो फिर घर में घुसकर मारेंगे। पहलगाम की घटना के बाद मोदीजी से देश की अपेक्षा थी और देश यह देखना चाहता था कि मोदी आतंकी घटना के बाद क्या कारवाई करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की इस ऐतिहासिक घटना में सौ से ज्यादा आतंकवादी मारे गए जिसमे अधिकांश आतंकवादी भारत के मोस्टवांटेड थे। पाकिस्तान को अब मालूम हो चुका है कि भारत अब आतंकवाद नहीं सहेगा। जिस तरह दुनिया में एक तुर्किये ने पाकिस्तान को समर्थन देने के लिए तैयार हुआ, उसके बाद पाकिस्तान का मनोबल टूट गया। आतंकवाद के खिलाफ पूरी दुनिया पाकिस्तान के खिलाफ है।सरकार ने यह संदेश दिया है कि आतंकवाद की घटना को युद्ध समान माना जाएगा और उसी के अनुरूप माना जायेगा। संघर्षविराम से पहले भारत ने अपनी शर्त जाहिर कर दी। सिंधु जल पर अभी सहमति नहीं बनी है। अभी बारिश की सीजन है। इस वर्ष पाकिस्तान को पानी की इतनी परेशानी नहीं होगी। लेकिन दिवाली के समय में गले तर करने के लिए पानी नहीं मिलेगा। तब पाकिस्तान को समझ आएगा। उस समय भारत की एक ही शर्त होगी कि आतंकवादियों को भारत के हवाले किया जाए। भारत अब अपने हितों को साधने का ही कार्य करेगा। भारत ने खोया कुछ भी नहीं है, इस ऑपरेशन सिंदूर से पाया ही पाया है। कश्मीर का राग अलापना भी बन्द हो जाएगा। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान के खिलाफ दिखाया था,वह अद्भुत था। पाकिस्तान की घबराहट दुनिया साफ देख पा रही थी। इस बीच चीन छुपे रुस्तम की भूमिका में था। वो देखना चाहता है कि भारत के पास आधुनिक मिसाइलें की मारक क्षमता कितनी है। इस पर चीन की सिट्टी पिट्टी गुम हो गई है। सैनिकों की दृढ़ संकल्प,सटीक रणनीति और कुशल नेतृत्व के साथ पाकिस्तान पर कार्रवाई की थी, वह अकल्पनीय थी। भविष्य में आतंकी मुंह उठाने के लिए सौ बार विचार करेंगे। भारत ने आतंकियों पर कार्रवाई की थी,लेकिन पाकिस्तान को उकसावे के कारण युद्ध जैसे हालात बन गए। देश के अंदर अब राजनैतिक जंग शुरू होने वाला है। विपक्षी दल अपने-अपने विचारों और रंगमंच के सरताज बनने के लिए मीडिया के समक्ष हमला जरूर बोलेंगे। लेकिन सैनिकों की इस कार्रवाई पर कुछ नहीं बोलेंगे। मोदी सेना की हर कार्रवाई पर चट्टान की तरह खड़े दिखे। नागरिकों पर हो रहे हमले पर भारत सटीक रवैया अपनाएगा। भारत किसी भी तरह आतंकवाद को सहेगा नहीं। वैश्विक स्तर पर भारत ने यह संदेश दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ हर कार्रवाई करने में सक्षम है। भारत कभी भी पीछे नहीं हटेगा। आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबद्धता जताई गई है। भारत आतंकवाद को अब कभी नहीं सहन करेगा। पाकिस्तान को अब पोषित आतंकवाद पर विराम करने की जरूरत है, नहीं तो पाकिस्तान को बहुत कुछ सहन करना पड़ सकता है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अमेरिका बार-बार संघर्षविराम के लिए अपील नहीं कहेगा। इसलिए आतंकवाद को पालना बन्द कर देना चाहिए।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

उसने कहा था : युद्ध के बीच प्रेम की कथा

'यह एक आश्चर्यजनक सत्य है कि भारतीय भाषाओं में युद्ध से संबंधित साहित्य नहीं के बराबर लिखा गया है। मैं अपने दिमाग पर जोर डालता हूं तो पहले एक उपन्यास याद आता है देवेश दास द्वारा लिखित 'रक्तराग'। यह उपन्यास दूसरे विश्वयुद्ध के बाद लिखा गया था। देवेश दास एक आईसीएस अफसर थे। इस उपन्यास के अलावा उन्होंने अन्य कोई साहित्यिक रचना की हो तो वह मेरी जानकारी में नहीं है। इसके कई साल बाद 1965 के युद्ध पर मनहर चौहान का उपन्यास 'सीमाएं' प्रकाशित हुआ जिसकी बहुत अधिक चर्चा नहीं हो पाई। आगे चलकर जगदीशचंद्र ने सैन्य अधिकारियों के जीवन पर केन्द्रित दो उपन्यास लिखे 'आधा पुल' और 'टुंडा लाट'। आधा पुल में सैनिक छावनी का विवरण है और 1971 के युद्ध की कुछ छवियां भी हैं। इस दुखांत उपन्यास के नायक का एक मार्मिक कथन बार-बार ध्यान आता है- जिस गोली पर मेरा नाम लिखा होगा, वह जब तक नहीं लगेगी, तब तक मैं नहीं मरूंगा। जगदीशचंद्र भारतीय सेना में जनसंपर्क अधिकारी थे, इस नाते उनके ब्यौरों में प्रामाणिकता का पुट मिलता है।'

(देशबन्धु में 30 अप्रैल 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/04/blog-post_29.html

प्रकाश पर्व

तीसरे नानक गुरु अमरदास जी

आपका जन्म अमृतसर के पास बासर पिता तेजभान के गृहग्राम में माता लक्ष्मी बाई की कोख से हुआ था। आप अपने पिता की तरह हर साल तीर्थयात्रा पर जाते। एक बार आपके साथ एक ब्रह्मचारी भी साथ में थे। आपने उनकी रास्ते में हर प्रकार की सेवा भी करते रहे। भोजन इत्यादि पका कर खिलाते रहे परन्तु एक बार जब वे ब्रह्मचारी ने आप से पूछा कि आप के गुरु कौन हैं? तब आप निरुत्तर हो गए। तब ब्रह्मचारी क्रोधित हो गए कहा-निगुरे के हाथ का खाना खाकर मेरा धर्म नष्ट हो गया। इस बात से आप के मन को बहुत ठेस लगी और 22 साल से लगातार हरिद्वार की यात्रा बंद कर गुरु धारण करने की सोचने लगे। देवनेत से एक बार आपकी भतीजा बहू बीबी अमरोजी गुरु नानकदेव जी की वाणी का पाठ कर रही थीं-

करनी कागज मन मसवानी बुरा भला दोय लेख भये।
जिओ जिओ कीरत चलाए लिओं
तिओं तिओं चलिए तो गुण नांही अंत हरे।
चित चेतसि की नहीं बावरिआ हरि बिसरत तेरे गुण गलिआ।।

गुरवाणी की पंक्तियां सुनकर आप अपनी भतीजा बहू बीबी अमरो से पूछते हैं कि- बेटी यह पंक्तियां किसकी हैं जो आप पढ़ रही थी। तब उन्होंने बताया कि यह वाणी गुरु नानक देव जी की हैं। उनके गुरु परलोकगमन करने के बाद उनकी जगह मेरे पिता गुरु अंगद देव जी बिराजमान हैं। तब आप गुरु अंगद देव जी के दर्शन हेतु चल पड़े फिर वहां जाकर उन्हीं के होकर रह गए। उस वक्त आपकी आयु 62 वर्ष की थी। वहां आपने 12 वर्ष लगातार 2मील दूर ब्यास नदी से जल भर कर गुरुदेव को स्नान कराते। फिर सारा दिन लंगर की सेवा करते रहते। एक दिन अंधेरी रात में जल भर कर ला रहे थे तब एक जुलाहे के खड्डी में पैर अटकने के कारण आप गिर पड़े तब खटाक की आवाज सुनकर जुलाहे ने आवाज लगाई कौन? तब जुलाहे की पत्नी बोली अमरु निधावा ही होगा जो बेटे वाला होकर भी समधियों के घर में पड़ा रहता है। अमरदास जी यह बात सुनकर कहा कि कमलिये (पगली) मैं निधावां नहीं हूं। बस इतना कहना था कि जुलाहे की पत्नी पागल हो गई। तब रात की सारी घटना गुरुदेव को पता लगी तो आपने अमरदास को 12 वर दिये- आप निमानियों के मान, नितानियों के तान-निओटियों की ओट निआसरिओ के आसरे, निगतिओं की गति, निपतियों इत्यादि बारह वर दिये। जिस खड्डी की लकड़ी से पैर टकराए थे वहां आज हरा-भरा वृक्ष लहलहा रहा है।

इस तरह जब सब प्रकार से आपकी परिपक्वता की परीक्षा ले ली गई तब एक दिन आप को गुरु अंगद देव जी ने 19 मार्च सन् 1552 को गुरु गद्दी सौंपकर तीसरा नानक बना दिया और यह आदेश दिया कि- आप गोइंदवाल में बिराजमान हो जाएं। गुरुदेव ने गुरु गद्दी संभालते ही पंगत संगत की प्रथा चालू की। पहले पंगत में भोजन फिर संगत में गुरुदेव के दर्शन। इस प्रकार से बादशाह अकबर को भी गुजरना पड़ा जब वे गुरु दर्शन को गोइंदवाल आये थे। अर्थात पहले उन्होंने पंगत में बैठ कर लंगर ग्रहण किया और उसके बाद संगत में जाकर गुरुदेव के दर्शन किये और उनसे वार्तालाप भी किया। आपकी शादी बीबी मनसा देवी से हुई थी आपकी चार संतानें हुईं जो भाई मोहनजी मोहरीजी बीबी दानी जी, बीबी भाणीजी जिन्हें गुरु घर की बेटी. गुरु पत्नी और गुरु मां बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपने सती प्रथा का भी विरोध किया। धर्मप्रचार में आपने काफी रुचि दिखाई। गोइंदवाल में आपने चौरासी सीढ़ी वाली बावली का निर्माण करवााया। हर बार स्नान का प्रत्येक सीढ़ी में पाठ करने पर 84 लाख योनियों के चक्कर से निजात मिल जाती है। आप द्वारा रचित वाणी के 907 शब्द गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज है। आपके उपदेश थे- हर मानव को काम, क्रोध, लोभ मोहअहंकार पर काबू कर प्रभु सिमरन में मन रमाना चाहिए। 1 सितंबर 1874 को आपने अपने छोटे दामाद भाई जेठाजी को हर प्रकार से योग्य समझ कर चौथे नानक गुरु रामदास बनाकर इस असार संसार से विदा हुए।

आज प्रकाश पर्व पर उनके बताए आदर्शों पर चलकर जीवन व्यतीत करें।

इंदर सिंह आहुजा

उल्टा पुल्टा

सास- मुझे पूरा भरोसा है, तुम किचन संभाल लोगी।

बहू किचन में गई और कुछ टूटने की जोरदार आवाज आई।

सास- क्या तोड़ दिया?

बहू- आपका भरोसा

प्रिंसिपल ने शिक्षिका का करवाया धर्मांतरण, पति का भी धर्मांतरण कराने दिया 50 हजार का लालच, पुलिस ने किया अपराध दर्ज

शिक्षिका के पति ने चकरभाठा थाने में करवाया रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। बिलासपुर जिले में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का एक संवेदनशील और गंभीर मामला सामने आया है। इंजीनियरिंग पढ़े एक बेरोजगार युवक मंयक पाण्डेय ने अपनी पत्नी रंजना पाण्डेय और डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कुम्हारी (मरवाही) की प्रिंसिपल केरोलाईन मैरी के खिलाफ चकरभाठा थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 299 और 3(5) के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाया है। आरोप है कि उसे ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और समझौते के बदले पैसों का लालच भी दिया गया।

जिले में धर्मांतरण का एक बड़ा मामला सामने आया है। बेरोजगार इंजीनियर की पत्नी जीपीएम के मुख्यमंत्री डीएव्ही पब्लिक स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्य करती है। उसने अपने इंजीनियर पति और ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना का अपराध दर्ज करवा दिया है। महिला का पति जब समझौता कर वापस घर गृहस्थी बसाने की बात करने पहुंचा तो उसकी पत्नी ने कहा कि स्कूल की प्रिंसिपल के कहने पर उसने ईसाई धर्म अपना लिया है। आप भी मेरी प्रिंसिपल से मिलकर ईसाई धर्म अपनाओ तब मैं समझौता करूंगी। पति ने इसकी शिकायत चकरभाठा थाने में की है। पति की शिकायत पर सुनने में अपराध दर्ज कर घटनास्थल मध्यप्रदेश होने के चलते जांच के लिए वहां भेजा है।

मयंक पांडे (36) पिता मोहन पांडे हाईकोर्ट के पीछे गोल्डन पार्क कॉलोनी चकरभाठा में रहते हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद वह वर्तमान में बेरोजगार है। उनका विवाह 10 फरवरी 2019 को रंजना पांडे पिता अग्नि पांडे निवासी आमाडांड़ कोतमा थाना रामनगर जिला अनुपपुर मध्य प्रदेश से सामाजिक हिन्दु रीति रिवाज के अनुसार पारीवारिक सहमति से बिलासपुर पल्लव भवन रिंग रोड़ में हुआ था। इंजीनियर की पत्नी रंजना पांडे मुख्यमंत्री डीएव्ही पब्लिक स्कूल कुम्हारी जिला जीपीएम में शिक्षिका हैं।

मयंक पांडे ने अपनी शिकायत में बताया है कि मेरे व मेरी पत्नि रंजना पाण्डेय के मध्य पारीवारिक विवाद होने से मेरी पत्नि के द्वारा मेरे व मेरे माता पिता के खिलाफ 26 सितंबर 2024 को महिला थाना अनुपपुर में दहेज प्रताड़ना 498 एवं अन्य धाराओ में पुलिस को गुमराह करते हुए एफ.आई.आर. दर्ज कराई हैं। उक्त प्रकरण माननीय न्यायालय कोतमा जिला अनुपपुर मध्य प्रदेश में विचाराधीन हैं। इंजीनियर ने बताया है कि इसी वर्ष 10 मार्च को कोतमा न्यायालय में मैं प्रकरण की पेशी में उपस्थिति के लिए गया था। पेशी के दौरान मेरी पत्नि मुझसे मिली थी, इतना सब होने के बाद भी मैं अपनी पत्नि को आपसी समझौता कर पुनः नए सिरे वैवाहिक जीवन की शुरूवात करने के लिए बोला।

इंजीनियर की शिकायत के अनुसार समझौते की बात सुनकर उनकी पत्नी ने उन्हें कहा कि डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कुम्हारी मरवाही जिला जी.पी.एम. की प्रिंसपल मैडम केरोलाईन मैरी ने मेरी बेपटिस्मा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) कराई हैं। और मुझे भी बेपटिस्मा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) कराने के लिए बोली हैं। कहते हुए मुझे मेरी पत्नि बोली कि पहले तो आप मेरी प्रिंसपल मैडम केरोलाईन मैरी से मिलो वह आपका कहीं न कहीं जाब लगवा देगी एवं वह आपको बेपटिस्मा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) का पचास हजार रूपये भी देंगी बस आपको मेरी तरह बेपटिरमा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) करना है, उसके बाद आप किसी भी आदमी को बेपटिस्मा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) के लिए लाओगें तो प्रिंसपल मैडम हर आदमी का बीस हजार रूपये आपको देंगी, इस शर्त पर वह मुझसे समझौता कर सारे प्रकरण वापस ले बोली हैं।। इंजीनियर मयंक पांडे अपना धरो परिव नहीं करना चाहते इसलिए उन्होंने थाना पहुंचकर अपनी पत्नि और स्कूल की प्रिंसिपल के खिलाफ अपराध दर्ज करवाया है।

नौकरी छुड़वाने के डर से धर्म परिवर्तन का आरोप

इंजीनियर मयंक पांडे ने अपनी शिकायत में बताया है कि स्कूल की प्रिंसिपल उसके धर्मांतरण करवाने के लिए अच्छी जगह नौकरी देने के अलावा 50 हजार रुपए देने का लालच भी दे रही थीं। इसके अलावा अन्य लोगों के धर्मांतरण करवाने पर प्रति व्यक्ति बीस हजार रुपए देने का लालच दिया है। इंजीनियर के अनुसार उसकी पत्नी रंजना पाडेण्य उसके स्कूल की प्रिंसपल मैडम केरोलाईन मैरी के अधिनस्थ नौकरी करती हैं नौकरी न छुड़ा दे कहकर डर से स्वयं बेपटिस्मा (ईसाइ धर्म परिवर्तन) की हैं तथा मुझे भी दबाव बना रही हैं। इंजीनियर ने अपनी धार्मिक भावनाओं को ठेस पंहुचाकर अपमान करने की बात कह अपनी रंजना पाडेण्य व प्रिंसपल केरोलाईन मैरी प्रिंसिपल डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल कुम्हारी मरवाही जिला जी.पी.एम. के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की है।

शून्य में अपराध कायम

शिकायत मिलने पर चकरभाठा थाने में रंजना पांडे और प्राचार्य केरोलाईन मैरी के विरुद्ध धारा 299,3(5) बीएनएस के तहत शून्य में अपराध दर्ज किया गया है। चकरभाठा थाना प्रभारी उत्तम साहू ने बताया कि घटनास्थल मध्यप्रदेश जिला अनूपपुर होने की वजह से शुन्य में अपराध कायम कर जांच के लिए अनूपपुर के संबंधित थाने में केस डायरी भेजी जाएगी। आगे की कार्यवाही वहीं से होगी।

संपादकीय

क्यों न हों पुलिस वालों के चालान?

अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों पर कानून-व्यवस्था लागू करने की जिम्मेदारी है, वे ही कानूनों का उल्लंघन करते हुए दिखाई देते हैं। ऐसा सबसे ज्यादा दिखलाई देता है वह है सड़कों पर वाहन चलाते हुए पुलिस अधिकारी व कर्मचारी। यदि वे मोटर साइकल चलाते हैं तो हेलमेट लगाने की चिंता नहीं करते और यदि कार चलाते होते हैं तो अक्सर सीट बेल्ट नहीं लगाते। कई बार वे रॉंग साइड से वाहन चलाते हैं या फिर लाल बत्ती होने पर भी चौक-चौराहे पार करते हैं। अक्सर इनकी निजी गाड़ियों पर 'पुलिस' लिखा होता है जो कि नियम विरुद्ध है। विभाग का रसूख और चालान करने वाले भी ऐसे कर्मचारियों व अधिकारियों के सहयोगी होते हैं तो आखिर चालान कौन काटेगा? इससे उन लोगों को कोफ्त होती है जो यातायात नियमों का पालन करते हैं और चाहते हैं कि सड़कों पर अनुशासन बना रहे।

रायगढ़ पुलिस ने इस दिशा में अनुकरणीय पहल की है। उसने शुक्रवार को ऐसे 1 पुलिस कर्मचारियों के 5-5 रुपये के चालान काटे जो बिना हेलमेट वाहन चला रहे थे। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने इस आशय का यातायात विभाग को निर्देश दिया कि ड्यूटी पर जा रहे हों अथवा निजी कामों से- हेलमेट के बिना वाहन चलाते हुए पुलिस वालों के चालान काटे जायें। इसके तहत की गयी कार्रवाई से ऐसे लोगों से जुर्माना वसूला गया। राज्य भर में यातायात पुलिस इसी तरह बिना भेदभाव के कार्रवाई करे। इससे लोगों में यह डर बैठेगा कि जब पुलिस वालों के ही खिलाफ कार्रवाई हो सकती है तो उन्हें भी इसका पालन करना चाहिये।

सभी जिलों में इस तरह के कदम तो उठाये ही जायें, परन्तु कानून का उल्लंघन केवल हेलमेट न लगाने तक सीमित नहीं होता वरन कार चलाते वक्त सीट बेल्ट न लगाकर भी किया जाता है। ऐसे अधिकारियों को भी चालान के नोटिस थमाये जायें। ज्यादातर ये अधिकारी होते हैं। जब पुलिस कर्मचारी का ही इतना रसूख होता है तो अधिकारियों के प्रभाव का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। वैसे यहां यह बताना भी लाजिमी है कि केवल पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी ही यातायात कानून नहीं तोड़ते बल्कि विभिन्न शासकीय विभागों में काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी भी ऐसा करते हैं क्योंकि सरकारी विभागों में होने से उनकी पुलिस में जान-पहचान होनी स्वाभाविक है। वे भी हेलमेट या सीट बेल्ट लगाये बिना वाहन चालन करते दिख जाते हैं। इन कानूनों का उल्लंघन करते हुए तो दिख जाते हैं लेकिन वाहनों का पीयूसी, इंश्योरेंस अथवा चालकों के लाइसेंस देखने की तो नौबत ही नहीं आती।

पुलिस तथा सभी शासकीय विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतःस्फूर्त यातायात नियमों का पालन करना चाहिये ताकि सामान्य जनता भी ऐसा करने के लिये प्रेरित हो। यातायात विभाग ऐसे उल्लंघनकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई करे।

मां का त्याग, प्रेम और समर्पण परिवार को एकता और प्रेम के सूत्र में बांधता है-मंजू दीदी

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। माँ हमारे लिये सुरक्षा कवच की तरह होती है क्योंकि वो हमें सभी परेशानियों से बचाती है। वो कभी अपनी परेशानियों पर ध्यान नहीं देती और हर समय बस हमें ही सुनती है। मां का त्याग, प्रेम और समर्पणता ही वर्तमान समय में परिवार में बढ़ रही विकृतियों को खत्म कर परिवार को एकता व प्रेम के सूत्र में बांधकर रखता है। मां के महत्व को समझने, सम्मान देने के लिये ही हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को मातृ-दिवस के रुप में मनाया जाता है। यह दिन तो स्मृति मात्र के लिए है क्योंकि मां का सम्मान तो हर क्षण हर कर्म में होना चाहिए।

यह बातें रविवार को ब्रह्माकुमारीज़, प्रभु दर्शन भवन टिकरापारा में मातृ दिवस पर एकत्रित सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने कही। उन्होंने कहा की देना ही लेना है, परिवार में हम जितना सभी सदस्यों की तारीफ करते हैं, आभार व्यक्त करते हैं, उतना ही अच्छा घर का

वायुमंडल बनता है, घर में आपसी प्रेम बढ़ता है। माँ वह ठंडी छाँव है जिसकी गोद में हम सुख का अनुभव करते हैं, मां के जैसा रोल इस दुनिया में किसी का नहीं हो सकता, उसकी पूर्ति कोई नहीं कर सकता। एकल परिवार में मां-बाप की छत्रछाया नहीं होती, संपूर्ण परिवार में रहकर ही हम अपना दुख दर्द एक दूसरे से बाँट सकते हैं। जहां आपसी प्रेम हो उसे ही परिवार कहा जाता है, परिवार को सुचारू रूप से चलाने के लिए सहनशक्ति को बढ़ाना होगा। ब्रह्मा कुमारी बहनों ने तिलक व पुष्प लगाकर सभी बहनों व माताओं का सम्मान किया। मंजू दीदी ने सभी को प्रसाद व आशीर्वाद दिया।

हेवेन्स पार्क होटल के बाउंसर पर मिर्ची पाउडर फेंककर हमला, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। टेलीफोन एक्सचेंज रोड पर स्थित हेवेन्स पार्क होटल एक बार फिर विवादों में आ गया है। शनिवार रात होटल में तैनात एक बाउंसर पर कुछ युवकों ने मिर्ची पाउडर डालकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बाउंसर ने सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि हेवेन्स पार्क होटल का विवादों से पुराना नाता रहा है, जहां अक्सर ऐसे घटनाक्रम सामने आते रहते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, तोरवा के पुराना पावर हाउस क्षेत्र निवासी राजा सिंह ठाकुर होटल हेवेन्स पार्क में बाउंसर की नौकरी करते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम करीब 6 बजे से वे ड्यूटी पर थे। रात करीब 10 बजे तीन युवक होटल पहुंचे और बार में प्रवेश की जिद करने लगे। जब राजा सिंह ने देखा कि उनके मुंह से शराब की दुर्गंध आ रही है, तो उन्होंने उन्हें भीतर जाने से रोक दिया। मना करने पर युवक कुछ देर बाहर खड़े रहे, फिर दोबारा बार में घुसने की कोशिश करने लगे। राजा सिंह ने एक बार फिर उन्हें रोका और समझाकर घर लौटने के

लिए कहा। इस पर युवकों ने उनसे बहस शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि, रात 11 बजे जब राजा सिंह अपनी ड्यूटी खत्म कर घर जाने निकला था। तभी होटल के बाहर उन्हें ओम सलूजा और शिवम सलूजा नाम के युवक मिल गए। दोनों ने राजा को देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर ओम और उसके साथियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान किसी ने अचानक राजा की आंखों में मिर्ची पावडर फेंक दिया, जिससे वे कुछ नहीं देख सके और आंखें मलने लगे। तभी हमलावरों ने धारदार नुकीले हथियार से उनकी जांघ और कंधे पर हमला कर दिया।

घटना के दौरान राजा सिंह के अन्य साथी शफी कुरैशी, टीपू खान और विजय दास मौके पर पहुंचे और हालात को संभालने की कोशिश की। साथियों को आता देख हमलावर धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल राजा सिंह को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उन्होंने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने ओम सलूजा, शिवम सलूजा और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल हमलावरों की तलाश जारी है और पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है।

चलती कार में स्टंट कर रहीं युवतियों का वीडियो वायरल

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। शहर की सड़कों पर देर रात चलती कार में स्टंट करने की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। पहले तक ऐसे स्टंट्स में सिर्फ युवकों की भागीदारी देखी जाती थी, लेकिन अब

लड़कियां भी पीछे नहीं हैं। ताजा मामला बिलासपुर का है, जहां दो युवतियों का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों युवतियां चलती कार के सनरूफ से बाहर निकलकर खतरनाक अंदाज में मस्ती करती नजर आ रही हैं।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि कार तेज रफ्तार में है और युवतियां बिना किसी सुरक्षा के सनरूफ से बाहर निकली हुई हैं। यह हरकत न सिर्फ गैरकानूनी है बल्कि बेहद जानलेवा भी। ऐसे स्टंट से न केवल खुद की जान खतरे में पड़ती है, बल्कि अन्य राहगीरों की सुरक्षा भी दांव पर लग जाती है। जानकारी के मुताबिक, यह वीडियो शहर के व्यस्त मार्ग पर आधी रात के बाद का है। पुलिस प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है और वीडियो के आधार पर युवतियों की पहचान की जा रही है।

तेज धूप और भीषण गर्मी बीच आज इन जिलों में बारिश के आसार

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से बारिश और गरज-चमक की गतिविधियों में कमी आई है। इससे प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। इन दिनों तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसके वजह से लोगों को चिलचिलाती धुप में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

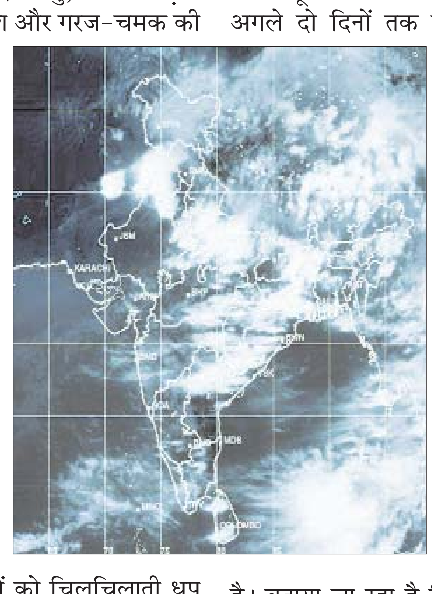

छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से बारिश और गरज-चमक की गतिविधियों में कमी आई है। इससे प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिला है। इन दिनों तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिसके वजह से लोगों को चिलचिलाती धुप में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। हालांकि अब इस गर्मी से राहत मिल सकती है। आज रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन की संभावना है। वहीं प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज रविवार को मौसम में बदलाव हो सकता है। दोपहर के बाद दक्षिण बस्तर समेत प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हो सकती है। यह अगले दो दिनों तक गतिविधि जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं 12 से 14 मई तक मध्यम से तीव्र मेघ गर्जन होने की संभावना है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। हालांकि आगामी दिनों में तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है।

अगले चार दिनों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं दक्षिण भागों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। बताया जा रहा है कि वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और द्रोणिका के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी-तूफान होने की संभावना है। साथ ही बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।

यहां बारिश के आसार

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि राज्य के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, बस्तर, बीजापुर और दंतेवाड़ा समेत प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

पर्यावरण और पक्षियों के संरक्षण को लेकर बोहरा समाज ने किया कार्यक्रम आयोजित

बोहरा समाज के धर्मगुरु ने 2011 से शुरू की यह पहल, समाज बढ़ा रहा आगे

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। दाऊदी बोहरा समाज द्वारा अपने धर्म गुरु सैय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहेब के मार्ग दर्शन मे मोहम्मदी हाल बोहरा समाज खपरगंज मे वृक्षारोपण और विशेष कर पक्षियों को दाना पानी देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गाया। यहां बताया गया की पक्षियों के संरक्षण की पहल धर्मगुरु द्वारा 2011 से प्रारंभ की गयी थी जिसे समाज द्वारा और आगे बढाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ठाकुर ने धर्म गुरु की प्रशंसा करते हुए कहाकि इंसानियत के बारे मे तो सब बात करते है परन्तु सैय्यदना साहेब ने इंसानियत के साथ साथ पक्षियों के बारे मे जो सोच रखते हैं वो सभी जीवो के बारे मे उनके मार्गदर्शन को बताता है। उन्होंने बोहरा समाज की इस पहल को सर्व व्यापी बनाने की अपील की द्व कार्यक्रम को धर्मगुरु के प्रतिनिधि के रूप बिलासपुर बोहरा समाज के जनाब आमिल साहेब ने बोहरा समाज के विभिन सामाजिक कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बॉम्बे मे सैफी हॉस्पिटल जिसका उदघाटन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा किया गया था। सर्व समाज का कार्य ईस हॉस्पिटल द्वारा किया जा रहा है। अब आगे धर्म गुरु द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण और जल संरक्षण के साथ साथ पक्षियों के बारे मे भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धर्म गुरु सैय्यदना साहेब के आत्मसंबंधो का उल्लेख करते ढुए बताया कि प्रधानमंत्री उनके समाज द्वारा किये गए सामाजिक कार्यों की हमेशा प्रशंसा करते हैं। समाज सेवा के लिए प्रेरित भी करते है। पक्षियों के संरक्षण एवं खाना

पानी देने का कार्यक्रम भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति मे किया गया। मंच पर उपस्थित बेलतरा के युवा विधायक सुशांत शुक्ला ने भी बोहरा समाज के इस पहल को सराहनीय बताते हुए इसकी प्रशंसा की। इस अवसर पर शहर की मेयर पूजा विधानी ने कहा कि बचपन मे घर के आस खूब चिड़िया रहती थी,परंतु अब पर्यावरण मे परिवर्तन के कारण वे दिखाई नहीं देती। अतः पक्षियों के लिए की गई यह पहल इश्वरीय कार्य जैसा है। कार्यक्रम के वरिष्ट समाज सेवी एवं कांगेस नेता अशोक अग्रवाल ने बोहरा समाज से अपने लगाव को बताते हुए कहा की मेरा बचपन ही इस समाज के आंगन मे बीता है,और उनका यह कार्य प्रशंसनीय है। राणवीर सिंह मरहास अतिरिक्त महा अधिवक्ता हाईकोर्ट ने भी संबोधित किया और इस पुनीत कार्य की सराहना की। इस अवसर पर नगर निगम बिलासपुर के सभापति बिनोद सोनी, पार्षद एबं समाज सेविका शहजादी कुरैशी द्वारा भी बोहरा समाज के इस पहल की जमकर प्रशंसा करते हुए इससे सर्व समाज को प्रेरित करने की बात कही। बोहरा समाज द्वारा मेयर पूजा विधानी के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी गई साथ ही यहां केक काटा गया। इस कार्यक्रम मे विभिन्न संस्थाओ के प्रमुख नागरिक डॉ हेमंत चटर्जी, डॉ किरण देवरस, डॉ देवेंद्र सिंह ,राजीव अग्रवाल,राकेश झा,अरविन्द दीक्षित, मनीष सखुजा, सुरेन्द्र गुंबर, नरेश शाह, मंसूर खान,हाशिम भाई सचिव बोहरा समाज,शेख अब्बास भाई, शेख मुकरम भाई , शेख मुश्ताक भाई, शेख हातिम भाई हामिद, शेख सैफुदीन भाई,मुल्ला शब्बीर भाई बन्दूक बाला,मुन्ला अलिअसगर एज्ज़ी.मुल्ला अहेमद भाई, हिरानी, मुल्ल्ला युसूफ भाई, श्याम,कुतुब कपासी एव समाज के गणमान नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम

आभार प्रदर्शन मुल्ला हाशिम भाई द्वारा किया गया और पक्षियों के लिए बर्ड फीडर सभी को वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुर्तजा वनक द्वारा किया गया।

आंध्रप्रदेश गये परिवार केआवास से कीमती सामान चुराने वाले 4 युवक दबोचे गए

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई थी घटना

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। सिविल लाइन पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत पिछले महीने हुई एक चोरी की घटना के मामले में जांच-पड़ताल के बाद चार कथित संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप हैं की उन्होंने छत्तीसगढ़ इलेक्ट्रिसिटी कंपनी के एक कर्मचारी के विभागीय आवास को निशाना बनाया था। पुलिस ने कहा की इस मामले में पकड़े गए कथित आरोपियों से चोरी की और भी घटनाओं के बारे में अहम जानकारी मिल सकती हैं।

सीएसईबी कॉलोनी कोरबा-ईस्ट के जूनियर क्लब के पास स्थित विभागीय कॉलोनी अंतर्गत अप्रैल महीने में चोरी की घटना घटित हुई हुई थी। वे बिजली कंपनी में कर्मचारी हैं। घटना दिवस को वे अपने निजी काम से अन्य प्रदेश गए हुए थे और उनकी पत्नी भी दूसरे शहर में थी। आवास के बाहर ताला लगा हुआ था। बताया जा रहा हैं की घर के पिछले हिस्से से भीतर प्रवेश करने के साथ चांदी के लोटे सहित उसमें रखें पुराने जमाने की कीमती सिक्के और कई अन्य सामान पार कर दिए गए। 21 अप्रैल को गृहस्वामी दूसरे प्रदेश से कोरबा वापस आये, तब उन्होंने पाया कि उनके यहां चोरी की घटना हुई है। शुरुआती दौर में सुब्रमण्यम ने लगभग 2 लाख का सामान चोरी होने की बात कही थी, जबकि पत्नी के आने पर जब गायब हुए सामानों का आंकलन किया गया तो चोरी का आंकड़ा और बढ़ गया। पीडित कर्मचारी के द्वारा शिकायत करने पर सीएसईबी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में अपराध पंजीबद किया और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस का भी सहारा इस काम में लिया। लगातार चल रही जांच-पड़ताल में सिविल लाइन पुलिस को कुछ इनपुट मिले और उसे आधार पर जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इस दरमियान कई चीजों की जानकारी मिली और चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में ले उनसे पूछताछ करने पर जूनियर क्लब के पास के एक आवास से चोरी करने की बात स्वीकार की। थाना प्रभारी प्रमोद डनसेना ने बताया कि युवकों को पुख्ता जानकारी पर पकड़ा गया है। पूछताछ के साथ उन सामानों की रिकवरी की जा रही है जो यहां से पार की गई थी। संभव है कि विभिन्न क्षेत्रों में हुए चोरियों की और भी घटनाओं में इनकी भूमिका का पता चल सकता है।

बेकाबू होकर बस पलटी, कई यात्री हुए जख्मी

कोरकोमा क्षेत्र में सुबह हुई घटना

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। कोरबा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नए बस स्टैण्ड से यात्रियों को लेकर प्रदेश की पूर्वी सीमा के अंतिम जिला जशपुर के लिए सुबह रवाना हुई एक यात्री बस बेकाबू होकर पलट गई। इस घटना में कई यात्री जख्मी हो गए। 4 को अंदरूनी चोट आने पर हायर सेंटर रेफर किया गया है। रजगामार पुलिस ने इस घटनाक्रम को लेकर बस के चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

दुर्घटनाग्रस्त बस क्रमांक-सीजी 04 ई 3350 सुबह 7 बजे दुर्घटना का शिकार हुई। खबर के अनुसार बस जशपुर के लिए यहां से रवाना हुई थी। लगभग 20 किलोमीटर का सफर पूरा करने के बाद बताती कोरकोमा के बीच बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया इसके बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया और यात्री चीख पुकार मचाने लगे। जहां कुछ यात्री तो अपने से बाहर निकाल गए। वहीं कुछ लोग बस में ही फंस गए। जिन्हें यात्रियों और राहगीरों की मदद से किसी तरह बाहर निकाला गया। रजगामार चौकी प्रभारी लक्ष्मण खूंटे ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी मिली है। हादसे की खबर होने पर डायल 112 की टीम मौके के लिए रवाना की गई। उसके माध्यम से पीड़ितों को रिकवर करते हुए अस्पताल भिजवाया गया।

सार-संक्षेप

दो स्थान से विषधरों को किया रेस्क्यू, जंगल में छोड़ा

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। गर्मी के बीच बारिश होने का क्रम शुरु क्या हुआ, जहरीले जीव-जंतुओं की हरकतें बढ़ने लगी हैं। चारपारा में छह फीट लंबे सर्प की उपस्थिति से लोग भयभीत हो गये। एक और स्थान पर सर्प को लोगों ने देखा।

स्नैक कैचर शंकर राव ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने सर्प को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। शंकर राव ने बताया कि यह अत्यंत जहरीला सर्प था। इसके काटने से जान का खतरा हो सकता था। दूसरे घर में भी एक जहरीला सर्प कुंडली मारकर बैठा मिला। अंधेरे में घरवालों को इसका पता नहीं चला। जब वे कमरे में घुसे तो सांप की आवाज सुनकर भाग खड़े हुए। जहां सांप था, वहां काफी संख्या में उसके अंडे भी मिले। उसका भी सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। सर्प मित्र ने दोनों सर्पो को अंडों सहित सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। शंकर राव के अनुसार मौसम बदलने के साथ सांप निकलने की घटनाएं बढ़ रही हैं। वे सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू करते हैं।

सोशल वर्कर अवार्ड मिला भगवती को

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती भगवती अग्रवाल को ग्लोबल आईकॉन अवार्ड प्राप्त हुआ है। ज्ञानोदय फाउंडेशन कोटा राजस्थान द्वारा यह अवार्ड उन्हें दिया गया। उन्हें सोशल वर्कर-2025 से भी अलंकृत किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। आयोजक संस्था ने श्रीमती भगवती अग्रवाल द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की साथ ही कहा कि आपके द्वारा पूरे राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे कार्यों के माध्यम से जहां एक विशिष्ट पहचान आपने बनाई है, तो वहीं आपको सम्मानित करते हुए हम प्रफुल्लित हैं। ज्ञात हो कि श्रीमती भगवती अग्रवाल विगत 5 दशकों से निरंतर कोरबा शहर सहित पूरे प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा, सामाजिक कार्य, रचनात्मक कार्य कर रही है। कोविड काल में भी उनके द्वारा लोगों की सेवाएं की गई तथा विभिन्न संस्थाओं में वे अपना आर्थिक सहयोग देकर जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को भी क्रियान्वित करने में अहम योगदान देती हैं। श्रीमती भगवती अग्रवाल को मिले इस सम्मान पर महिलाओं ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते होने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बाईक पर 5 युवकों ने बनाई रील, पुलिस करेगी जांच

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। कोरबा के मुख्य मार्ग पर बाइक पर पांच युवकों द्वारा रील बनाने और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने के बाद पुलिस गंभीर हुई है। एसपी ने मामले की जांच करने को कहा है। खबर के अनुसार बाइक पर तमाशा करने वाले युवकों ने इस हरकत से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। वे यूपी के मिर्जापुर जिला पासिंग यूपी-64 एफ 9759 बाइक पर सवार थे।

युवक कुआंभट्टा क्षेत्र से शहर की ओर आ रहे थे। शाम के समय टीपी नगर चौक से गुजरते हुए वे पाम मॉल की तरफ निकल गए। वीडियो बना रहे लोगों को हाथ हिलाकर दिखाते हुए भी नजर आए। वीडियो सोशल मीडिया साइट पर वायरल हुआ है जिस पर लोगों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली हैं। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जाएगी। तद्पश्चात नियमानुसार आगे कार्यवाही की जाएगी।

टापरा के जंगल में भालू का हमला, महिला गंभीर

तेंदूपत्ता तोड़ने के दौरान हुई घटना

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। बालको थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेला अंतर्गत ग्राम टापरा में रविवार को तेंदूपत्ता तोड़ने गई 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर भालू ने हमला कर दिया।

बताया जा रहा हैं की बुजुर्ग महिला चंद्रमती राठिया को भालू ने जंगल में उस समय निशाना बनाया जब वह अकेली तेंदूपत्ता तोड़ रही थी।

हमले में बुजुर्ग महिला का बायां हाथ बुरी तरह घायल हो गया और वह खून से लथपथ हालत में जंगल में पड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की कोबरा-01 टीम तत्काल मौके पर पहुंची। आरक्षक हिमांचल सिंह कंवर और चालक सत्येंद्र सिंह गेंदले ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को उनके परिजनों के साथ जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। इन दिनों तेंदूपत्ता तोड़ने का सीजन चल रहा है, जिसके चलते बड़ी संख्या में ग्रामीण जंगलों की ओर जा रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप हैं की इसके बावजूद क्षेत्र में न तो सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं और न ही किसी प्रकार का जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग करी है कि तेंदूपत्ता सीजन में जंगलों में गश्त बढ़ाई जाए और ग्रामीणों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

पंडोपारा में गजराजों का तांडव, फसल और मकान को रौंदा

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। कटघोरा के पसान रेंज के बीजाढांढ सर्किल में विचरण कर रहे दो लोनर हाथियों में से एक ने केंदई पण्डोंपारा में जेठूराम नामक एक ग्रामीण के मकान को ढहाकर बरदापखना के रास्ते मोहनपुर चला गया। वहीं कोरबा वनमण्डल के गीतकुमारी व चचिया में सक्रिय लोनर हाथियों ने चार ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे धान की रबी फसल को उत्पात मचाते हुए तहस-नहस कर दिया।

इस घटनाक्रम से इलाके में लोगों में दहशत है। कई गांव के लोगों ने रतजगा करने की बात कही। जानकारी के अनुसार कटघोरा वनमण्डल के केंदई, एतमानगर व पसान रेंज में इन दिनों 48 की संख्या में हाथी सक्रिय है, जिनमें 2 लोनर हाथी पसान के बीजाढांढ व मोहनपुर में हैं। जबकि 11 हाथी केंदईरेंज अंतर्गत कोरबी सर्किल तथा 35 हाथी एतमनगर के जंगल में विचरण कर रहे है। बीजाढांढ में मौजूद लोनर हाथियों में से 1 ने उत्पात मचाते हुए सर्किल के केंदई पण्डोपारा में 1 ग्रामीण के मकान को ढहा दिया। जिससे पीड़ित ग्रामीण व उसका परिवार बेघर हो गया है। जबकि दूसरा लोनर अभी भी क्षेत्र में है। इधर कोरबा वन वनमण्डल के कुदमुरा रेंज में लोनर हाथी चचिया व गीतकुंवारी में घुम रहे है। इन हाथियों ने बीती रात खेतों में पहुंचकर उत्पात मचाया और दोनों ही स्थानों पर 4 ग्रामीणों के धान की फसल को रौंदकर पूरी तरह तहस-नहस कर दिया, जिससे ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों के उत्पात से ग्रामीण काफी परेशान थे और सुरक्षा के लिए वन विभाग के साथ जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे है।

भट्ठी में तोड़फोड़ व मारपीट, बालको क्षेत्र के तीन युवक पकड़ाए

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। जल्दी शराब देने के लिए दबाव बनाने और भट्ठी में तोड़फोड़ कर कर्मियों से मारपीट के सिलसिले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीनों आरोपी कोरबा जिला के बालकोनगर क्षेत्र के निवासी हैं।

जानकारी के मुताबिक ग्राम लखराम शराब भट्ठी में कुछ लोग जल्दी शराब नहीं देने की बात पर शराब भट्ठी के अंदर घुसकर तोड़फोड़ व शराब भट्ठी के कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी रतनपुर के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये थाना रतनपुर से पुलिस टीम रवाना कर ग्राम लखराम शराब भट्ठी के पास से कर्मचारियों के साथ मारपीट कर शराब भट्ठी में तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों को पकड़कर थाना लाया गया। मारपीट के आहत की रिपोर्ट पर कार्यवाही कर, आरोपियों विकास चौहान पिता उदय चौहान उम्र 26 वर्ष निवासी शांतिनगर बाल्को, रोहित चौधरी पिता बारेलाल चौधरी उम्र 26 वर्ष निवासी शांतिनगर बाल्को, दीपक यादव पिता रामसेवक यादव उम्र 26 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बाल्को थाना बाल्को को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार चौहान, एएसआई पवन सिंह, प्रधान आरक्षक बलदेव सिंह, आरक्षक संजय यादव, पवन ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने भाजपा ने बनाई योजना

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा की कोर कमेटी की एक बैठक टीपी नगर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में हुई। यह बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कार्ययोजना बनाई गई।

इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और सशक्त करने के लिए रणनीति तैयार की गई। जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया गया। सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और युवा संवाद जैसे कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित किया गया। कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा संगठनात्मक संवाद बैठकों की योजना बनाई गई। डिजिटल माध्यमों के उपयोग से सूचना प्रसार और जनसंपर्क को और प्रभावशाली बनाने जोर डाला। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने एकमत से यह संकल्प लिया कि पार्टी के मूल संगठनात्मक आदर्शों, अनुशासन और समर्पण को कायम रखते हुए आगामी कार्यक्रमों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्रियांवित किया जाएगा। बैठक में मंत्री लखन लाल देवांगन, प्रेमचंद पटेल विधायक कटघोरा, ननकी राम कंवर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, गोपाल साहू जिला संगठन प्रभारी, गोपाल मोदी जिला अध्यक्ष, मनोज शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष, संजू देवी राजपूत महापौर, डा.राजीव कुमार सिंह, ज्योति नंदन दुबे प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

पिपरिया के शिविर में हल हुए 2 हजार से ज्यादा आवेदन

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पिपरिया क्लस्टर के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसमें नौ ग्राम पंचायतें पिपरिया, सिरी, पोड़ीकला, कुम्हारीदर्री, कोड़गार, अमझर, दुल्लापुर, जल्के एवं पंनगवा शामिल रहीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पवन सिंह,अध्यक्ष, जिला पंचायत कोरबा उपस्थित रहे। उनके साथ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा की अध्यक्ष श्रीमती माधुरी देवी तंवर, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद जाखड़, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तुलाराम भारद्वाज, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति मरावी, जनपद सदस्यगण, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रताप मरावी, सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा, तहसीलदार पोड़ी उपरोड़ा और पसान,तथा संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच व सचिव उपस्थित थे। शिविर में कुल 4343 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2329 आवेदनों का मौके पर ही समाधान किया गया। विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने अपनी योजनाओं की जानकारी दी और आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत कोड़गार से जल्के तक सड़क निर्माण हेतु तत्काल प्रस्ताव तैयार करने की बात कही। उन्होंने समस्त विभागों से कहा कि सभी प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण किया जाए, ताकि ग्रामीणजन को शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा छात्र को जाति प्रमाण पत्र, तथा जनपद पंचायत द्वारा पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं जॉब कार्ड वितरित किए गए।

लावारिस शव की पहचान नहीं, हुआ अंतिम संस्कार

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रेलवे कोयला साइडिंग की पोखरी से लावारिस हालत में मिले के एक पुरुष के शव को अंतिम संस्कार कर दिया गया। तीन दिन में भी उसकी पहचान का काम नहीं हो सका।

इस लावारिस शव को जिला प्रशासन की रेस्क्यू टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद पोखरी से बाहर निकाला। मृतक की उम्र 30-32 वर्ष के बीच आंकी गई है। वह पेंट और शर्ट पहने हुए था। मानिकपुर चौकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि शव से दुर्गंध आने लगी थी। सड़ने का खतरा होने के कारण पोस्टमार्टम के बाद रेलवे साइडिंग की पोखरी में लावारिस मिले अनचिन्हित शव का अंततः पुलिस ने अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस मृतक की पहचान के लिए सोशल मीडिया पर फोटो वायरल कर रही है। साथ ही आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट भी खंगाली जा रही है। मृत्यु के कारण और परिस्थितियों की जांच जारी है।

प्रकृति परीक्षण में डॉ. नागेन्द्र प्रथम, हुए सम्मानित

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। आयुष मंत्रालय भारत के प्रकृति परिक्षण अभियान में कोरबा जिले से नाड़ी वैद्य डॉ. नागेंद्र नारायण शर्मा ने सर्वाधिक 600 लोगों का प्रकृति परीक्षण किया और प्रथम रहे। एक कार्यक्रम में उन्हें छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के संरक्षक डॉ. परस शर्मा, प्रांताध्यक्ष डॉ. गदाधर पंडा एवं कोरबा जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. उदय शर्मा ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कोरबा जिला आयुर्वेद अधिकारी संघ की जिलाअध्यक्षा डॉ. सपना मिश्रा, उपाध्यक्ष डॉ. कैलाश पांडे, सचिव डॉ. ऋषिकेश नायक, सदस्य डॉ. दिवाकर त्रिपाठी डॉ. अश्विनी आर्य, डॉ. बंशीधर नायक, डॉ. संगीता शर्मा, डॉ. उपमा नायक, डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. राजकुमार यादव, डॉ. नेहा धृतलहरे, डॉ. रश्मि पंडा, डॉ. शिरीन सिंह, डॉ. राहुल जायसवाल, डॉ. राजेश गभेल, डॉ. गौरीशंकर साहू सहित देश का प्रकृति परीक्षण अभियान कोरबा जिले के जिला समन्वयक डॉ. पवन कुमार मिश्रा, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेश प्रभुआ ने किया।

सार-संक्षेप

एनआर इस्पात में काम के दौरान कर्मचारी की मौत

ऊंचाई से गिरा.. कहां था सुरक्षा विभाग

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। रायगढ़ के फैक्ट्री और प्लांटो में काम करना जंग में जाने के बराबर है। आए दिन काम के दौरान हादसे में मौत की खबर सुनने को मिलती है। ऐसा ही बड़ा हादसा एन आर इस्पात में हुआ है। यहां ऊंचाई पर काम के दौरान हादसे में शहर के युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बीते शुक्रवार की है। रायगढ़ के कोष्टा पारा में रहने वाला अक्षय कुमार निषाद (40 साल) पूंजीपथरा थानांतर्गत ग्राम देलारी स्थित एनआर इस्पात में बतौर इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। शुक्रवार दोपहर ढाई बजे एनआर इस्पात के फर्नेस प्लांट में अक्षय लगभग 30 फीट की ऊंचाई में चढ़कर काम कर रहा था। काम के दौरान बैलेंस बिगड़ने पर वह नीचे गिर गया। जिससे उसके सिर के पिछले हिस्से हाथ और पैर में चोट आई। घटना के बाद साथी कर्मचारियों में अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में उसे जिंदल अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक चिकित्सा के दौरान ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।फिलहाल कोतरा रोड पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

रायगढ़ में छोटे-बड़े मिलाकर 100 से भी अधिक फैक्ट्रियां और प्लांट है। भरपूर मात्रा में कोयला होने के कारण यहां पर स्टील और इससे जुड़ी फैक्ट्रियां काफी फल फूल रही है। पिछले कुछ महीनो में हादसों में कर्मचारियों की मौत की खबर सुनने को मिली है। यहां पर कर्मचारियों की सुरक्षा मानक का पालन शायद ही कुछ उद्योग करते दिखाई देते हैं। आपको बता दे कि प्लांटों में एक सुरक्षा विभाग भी होता है। जिसका काम कार्य स्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा पर ध्यान देना होता है। इस घटना में ऊंचाई से गिरकर मौत होना बताया जा रहा है। ऐसी जगह में काम करने के लिए हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट पहनना अनिवार्य होता है। मगर हादसे को देखकर लगता है कि यहां पर सुरक्षा मनको को ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया गया अगर लिया गया होता तो इतनी ऊंचाई से गिरकर मौत होना संभावित नहीं है..?

फिलहाल एक डेढ़ महीने बाद इस मामले की पूरी रिपोर्ट आएगी।तब तक मामला ठंडा पड़ चुका होगा। मृतक कर्मचारियों के परिजन मुआवजे के लिए दफ्तर के चक्कर काट रहे होंगे और फिर आने वाले कुछ दिनों में ऐसे ही एक और हादसे की खबर दिखाई देगी।

शादी में डीजे को लेकर मारपीट, 4 आरोपी पकड़ाए

हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट में भेजा जेल

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। कोतवाली थाना क्षेत्र के ढिमरापुर पुरानी बस्ती में 08-09 मई की दरम्यानी रात शादी समारोह में हुए विवाद के बाद चार युवकों ने बस्ती में मारपीट की। घटना की सूचना मिलते ही रात्रि गश्त में तैनात कोतवाली पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

घटना की रिपोर्ट कल सुबह भुवनेश्वर रात्रे (19 वर्ष) निवासी ढिमरापुर पुरानी बस्ती ने दर्ज कराया। उसने बताया कि 08 मई को वह अपने भाई सुशील रात्रे, चाचा लक्ष्मी रात्रे, अजीत बर्मन और अमर मरकामे के साथ मोहल्ले में राजेन्द्र यादव के शादी समारोह में शामिल हुआ था। डीजे पर नाचते समय उसका मोहल्ले के ही शाहिल और धनागर कबीर चैक निवासी कुनाल महिस उर्फ पिंटू से विवाद हो गया था। इसी रंजिश के चलते रात को शाहिल, कुनाल महिस, आशीष बघेल और जिमी बस्ती में फिर लौटे और भुवनेश्वर व उसके साथियों से मारपीट की।

इस हमले में अजीत बर्मन घायल हुआ, जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रायगढ़ में भर्ती कराया गया।भुवनेश्वर की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 296, 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत अपराध दर्ज कर मामले की त्वरित विवेचना की गई। जांच के दौरान पुलिस ने चारों आरोपियों जिमी बजाज उर्फ राहुल (22) निवासी रामभाठा जय स्तंभ चैक, कुनाल महिस उर्फ पिंटू (20), साहिल बघेल (19) एवं आशीष बघेल (24), तीनों निवासी ढिमरापुर पुरानी बस्ती को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मारपीट में प्रयुक्त तलवार, बैसबॉल स्टिक व अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों पर 25, 27 आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गईं। चारों को आज न्यायिक अभिरक्षा में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक संजय नाग, ऐनु देवांगन, प्रधान आरक्षक विक्रम चैरसिया, आरक्षक प्रेम उरांव सहित अन्य स्टाफ की अहम भूमिका रही।

वित्त मंत्री ने रायगढ़ में प्रस्तावित साइबर थाना के संचालन हेतु 10 नए पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की

रायगढ़ में जल्द खुलेगा साइबर थाना

साइबर अपराधों पर लगेगा लगाम, लोगों को मिलेगी त्वरित राहत

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए रायगढ़ जिले में जल्द ही एक साइबर थाना की स्थापना की जाएगी। राज्य शासन द्वारा साइबर फ्रॉड और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है।

वित्त मंत्री श्री चैधरी ने रायगढ़ में प्रस्तावित साइबर थाना के संचालन के लिए 10 नए पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह साइबर थाना आधुनिक तकनीक से लैस होगा और इसमें प्रशिक्षित कर्मी नियुक्त किए जाएंगे, जो ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, फर्जीवाड़ा व अन्य साइबर अपराधों की त्वरित जांच कर सकेंगे।

वर्तमान युग में तकनीकों के साथ साथ साइबर अपराध के मामलों में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राज्य सरकार नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने, आम जनता को राहत पहुंचाने और समय पर न्याय दिलाने के लिए रायगढ़ में यह थाना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस साइबर थाने के शुरू होने से रायगढ़ जिले के नागरिकों को न सिर्फ समय पर न्याय मिलेगा, बल्कि साइबर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित हो सकेगी।

यह साइबर थाना अत्याधुनिक संसाधनों और प्रशिक्षित स्टाफ से लैस होगा, जो ऑनलाइन अपराधों की त्वरित जांच करेगा। इस थाने की स्थापना से न केवल पीड़ितों को राहत मिलेगी बल्कि साइबर अपराधियों के खिलाफ एक सख्त संदेश भी जाएगा। रायगढ़ के स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इस फैसले का स्वागत किया है और इसे समय की जरूरत बताया है।

सुंदर, व्यवस्थित,संजय कॉम्प्लेस के लिए शहर सरकार प्रतिबद्ध

संजय मार्केट में सुविधाओं हेतु महापौर ने अपने मद का मुंह खोला,होगा नाली का निर्माण

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। शनिवार की सुबह नगर निगम महापौर, जीवर्धन चैहान सभापति डिग्री साहू और आयुक्त बृजेश सिंह ने संजय काम्प्लेक्स सब्जी मंडी को सुंदर व्यवस्थित समृद्ध बनाने मैराथन निरीक्षण किया। महापौर जीवर्धन ने कहा संजय कॉम्प्लेक्स के शहरवासियों की नियमित आवाजाही लगी होती है। इसलिए इसे व्यवस्थित बनाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा संजय कॉम्प्लेक्स के प्रति हम अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य, पार्षदगण के आलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि की मौजूदगी भी रही। संजय मार्केट सब्जी मंडी को समृध्द व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम की टीम पूरी मुस्तैद नजर आई। पिछले 10 दिनों से निगम के द्वारा संजय मार्केट को व्यवस्थित बनाने के लिए पूरी कार्ययोजना बनाई जा रही है। कुछ दिनों पूर्व ही निगम निगम के आग्रह पर स्थानीय व्यापारियों ने सहयोग करते हुए नालियों के उपर किये गये अतिक्रमण को स्वयं हटाया था ताकि वर्षा पूर्व समुचित साफ सफाई की जा सके एवं जानलेवा डेंगू को पनपने से रोका जा सके।

संजय कॉम्प्लेक्स में मौजूद सभी व्यवसाईयों से निर्धारित दायरे के अंदर सामान रखनें का आग्रह किया गया ताकि संजय कॉम्प्लेक्स को व्यवस्थित बनाया जा सके। निगम की सकारात्मक पहल का यह सुखद नतीजा नजर आया जहां पैदल चलना कठिन था वहां दुपहिया वाहनों की सुगमता पूर्वक आवाजाही हो रही है। संजय मार्केट कॉम्प्लेक्स के चारों ओर बीटी सड़क के निर्माण का निर्णय लिया गया है इसके लिए प्राक्कलन तैयार किया जा रहा। बीटी सड़क के निर्माण के साथ स्थानीय व्यापारियों एवं आने वाले ग्राहकों को सुविधाएं मिलेगी। उनका व्यापार बढ़ेगा।सड़क निर्माण के साथ चैड़ाई बढ़ने से वाहनों की आवाजाही से सुगमता होगी।

सुग्घर संजय कॉम्प्लेक्स बनाने महापौर एवं पार्षद निधि का मुँह खोला

निचले हिस्से में निर्मित होने की वजह से एवं वॉटर ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने की वजह से हर साल संजय कॉम्प्लेक्स में पानी भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।हर साल बारिश में यहां जलभराव की स्थिति बन जाती थी। जिससे छोटे व्यवसाईयों को अंतहीन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। चारों तरफ का पानी संजय कॉम्प्लेक्स में भर जाता है। सुभाष चैक, महात्मा गांधी चैक क्षेत्र का पानी भी यहां नाले से जाता है। स्थानीय व्यापारियों ने महापौर को इस समस्या से अवगत कराया।जिसके बाद शहर सरकार ने स्थल निरीक्षण कर वस्तु स्थिति का जायजा लिया। लंबे समय से व्यापारियों को इस समस्या से मुक्ति दिलाने महापौर नें अपनें निधि से 25 लाख रूपये एवं वार्ड पार्षद सुरेश गोयल नें भी पार्षद निधि से नाला निर्माण कार्य स्वीकृति प्रदान की है । शहर सरकार की इस प्रतिबद्धता की व्यापारियों नें मुक्त कंठ से सराहना की।

छोटे व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा- जीवर्धन चैहान

महापौर जीवर्धन ने कहा संजय कॉम्प्लेस व्यवस्थित बन जाने से लघु व्यवसाईयों को लाभ मिलेगा। चैड़ी सड़क ड्रेनेज सिस्टम बन जाने से पानी भराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी।व्यापार बढ़ने से छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान मौजूदगी

निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चैहान, सभापति डिग्रीलाल साहू, आयुक्त ब्रजेश सिंह क्षत्रीय, एमआईसी सदस्य सुरेश गोयल, पूनम सोलंकी, अशोक यादव , मुक्तिनाथ बबुआ, त्रिवेणी डहरे, अमित शर्मा, आनंद भगत, पार्षद ज्योति यादव, नेहा देवांगन, नब्बू खान, मुक्कु यादव,श्री भारद्वाज, निगम से उपायुक्त सूतीक्षण यादव,ईई अमरेश लोहिया ,एई सूरज देवांगन, शिव यादव, रमेश तांती, अरविंद उपाध्याय की मौजूदगी रही।

पास्को एक्ट के आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 10 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा दी

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। घरघोड़ा विशेष न्यायालय के न्यायाधीश शहाबुद्दीन कुरैशी ने पोक्सो एक्ट के मामले में अभियुक्त शिव शंकर उर्फ बेड़ा को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

मामला पीड़ित का ग्राम अंतर्गत थाना लैलूंगा की है थाना लैलूंगा के के अनुसार घटना दिनांक को पीड़ित के माता-पिता घर में नहीं थे पीड़ित लगभग 8 बजे अपने घर में अकेली थी तभी आरोपी शिव शंकर उर्फ बेड़ा उसके घर आया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध स्थापित किया था। जिससे पीड़ित का स्वास्थ्य बिगड़ गया था जिसे इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पीड़ित ने घटना की बात अपने माता-पिता को बतलाई थी जिस के पश्चात थाना लैलूंगा में पीड़ित के पिता की सूचना पर अभियुक्त के विरुद्ध प्रथम सूचना पत्र दर्ज की गई। थाना प्रभारी लैलूंगा ने प्रकरण जांच में लेकर सूक्ष्मता से जांच उपरांत सभी तरह के साक्ष्य का संकलन किया , अभियुक्त के द्वारा घटना को अंजाम देना पाए जाने पर उसके विरुद्ध धारा 376 भा द सं एवं पोक्सो एक्ट की धारा 4 एवं 6 के तहत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया था। विशेष न्यायाधीश ने प्रकरण पर सुनवाई उपरांत अभियुक्त शिव शंकर उर्फ बेड़ा को धारा 376 भारतीय दंड संहिता एवं धारा 4पॉक्सो एक्ट के तहत सिद्ध दोष ठहराते हुए उक्त दोनो धारा में 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई तथा उपरोक्त दोनों धाराओं में 500-500 का अर्थ दंड से भी अधिरोपित किया।

नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

3036 प्रकरणों का त्वरित निराकरण

अम्बिकापुर, 11 मई (देशबन्धु)। जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर के अंतर्गत सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। हाईब्रिड नेशनल लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय एवं सीतापुर न्यायालय में कुल 3307 प्रकरण रखे गये थे जिसमें से कुल 3036 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 4,62,98684 रुपए का अवार्ड पारित किया गया। राजस्व न्यायालयों में कुल 1179 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें 1212000 रुपए का अवार्ड पारित किया गया। किशोर न्याय बोर्ड के 51 प्रकरणों का आपसी राजीनामा के आधार पर निराकृत किए गए। साथ ही लाखों की संख्या में प्री-लिटिगेशन मामलों का भी निराकरण किया गया।

इस दौरान एक प्रकरण में मोटर दुर्घटना में घनश्याम खलखो की मृत्यु हो जाने से मृतक की पत्नी अनुपा खलखो, मृतक के पुत्र, बहन एवं माता-पिता द्वारा मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-166 के तहत 78.80 लाख रूपये क्षतिपूर्ति दिलाये जाने का दावा अनावेदक अलमीन, ज्योति प्रकाश एवं कोटक जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के विरूद्ध प्रकरण प्रस्तुत किया गया था, आयोजित लोक अदालत में आवेदकगण ने अना.क्र.-2 बीमा कंपनी से खण्डपीठ क्र.-1 के पीठासीन अधिकारी श्री के. एल. चरयाणी, सदस्य श्री राकेश कुमार शर्मा एवं श्री आबिद खान के समक्ष स्वेच्छ्या 18 लाख रूपये में राजीनामा किया है। राजीनामा के कारण प्रकरण का निराकरण मात्र 03 माह 16 दिवस के भीतर संभव हो सका है। राजीनामा के अनुसार क्षतिपूर्ति की राशि 18 लाख रूपये में से आवेदिका क्र.-1 अनुपा खलखो रूपये 7 लाख आवेदक क्र.-2 एहीयान खलखो रूपये 7.50,000 लाख रुपये, आवेदिका क्र.-3 जूली खलखो रुपये 2 लाख प्राप्त करेगी तथा आवेदक क्र. 5 अजय रुपये 1.50 लाख प्राप्त करेगा। आवेदिका क्र.-1 अनूपा खलखो को मिलने वाली राशि 7 लाख में से रुपये 2.50 लाख को परिवार के दैनिक खर्च व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसे एकाउंट पेयी चेक के माध्यम से नगद अदा की जायेगी एवं उसके हिस्से की शेष राशि में से रूपये 2 लाख को तीन वर्ष की अवधि हेतु एवं रुपये 2.50 लाख को पाँच वर्ष की अवधि हेतु उसके नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा खाते में जमा रहेगी, जिस पर अधिकरण की अनुमति के बिना कोई ऋण या भार स्वीकृत नहीं होगा तथा सावधि जमा राशि की समय पूर्व निकासी अधिकरण की अनुमति के बिना नहीं होगी। आवेदक क्र.-2 एहीयान को मिलने वाली सम्पूर्ण राशि 7.50 लाख रुपये को उसके नाम से उसके व्यस्क होने तक की अवधि हेतु किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा खाते में जमा रहेगी, जिस पर अधिकरण की अनुमति के बिना कोई ऋण या भार स्वीकृत नहीं होगा तथा सावधि जमा राशि की समय पूर्व निकासी अधिकरण की अनुमति के बिना नहीं होगी। आवेदिका क्र.-3 जूली खलखो को मिलने वाली राशि 2 लाख रुपये में से रुपये 50 हजार को एवं आवेदक क्र.-5 अजय को मिलने वाली राशि में से 1.50 लाख रूपये में से 75 हजार रुपये को उनके परिवार के दैनिक खर्च व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उन्हें एकाउंट पेयी चेक के माध्यम से नगद अदा की जायेगी।

आवेदिका क्र.-3 के हिस्से की शेष राशि को तीन वर्ष की अवधि हेतु एवं आवेदक क्र.-5 के हिस्से की शेष राशि को दो वर्ष की अवधि हेतु उनके पृथक-पृथक नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में सावधि जमा खाते में जमा रहेगी, जिस पर अधिकरण की अनुमति के बिना कोई ऋण या भार स्वीकृत नहीं होगा तथा सावधि जमा राशि की समय पूर्व निकासी अधिकरण की अनुमति के बिना नहीं होगी।

हितग्राहियों ने साझा किए अनुभव, सुशासन तिहार को बताया आमजन से जुडने की सराहनीय पहल

लोकनर्तक दल की प्रस्तुति ने बांधा समां, प्रतिभागियों को दिए गए आकर्षक पुरस्कार

रायगढ़, 11 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार अंतर्गत कमला नेहरू पार्क में शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान करने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। रायपुर से विशेष रूप से पहुंचे आरजे नमीत की होस्टिंग में कमला नेहरू पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में विविध मनोरंजक और खेल गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसमें शासकीय योजनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी खेल प्रतियोगिता, मनोरंजक खेल, पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साह से भागीदारी की और प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेने के साथ सुशासन तिहार के अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम में रायगढ़ नगरीय क्षेत्र के प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सुशासन तिहार के तहत आवेदन करने पर उनकी समस्या का त्वरित निराकरण किया गया। जिसके समाधान शिविर के माध्यम पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड, पीएम आवास, आयुष्मान कार्ड जैसे विभिन्न प्रकार विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा समाधान शिविर के माध्यम से शासन गांव तक पहुंच लोगों की मांग और समस्याओं को दूर करने का कार्य कर रही हैं।

बाल पासिंग गेम में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागी खूब थिरके और शासन की योजनाओं की जानकारी साझा की। इसमें प्रतिभागी रही निरुपमा चौधरी ने कहा कि शासन की महतारी वंदन योजन के लाभ मिलने से महिलाएं सशक्त होने के साथ ही आत्मनिर्भर हुई है। योजना के माध्यम से महिलाएं अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही है। पूनम गौतम ने सुशासन तिहार की सराहना करते हुए कहा कि समाधान शिविर से ग्रामीणों को अच्छा लाभ मिला है। इससे अब उन्हें जिले तक आने की दिक्कत नहीं है, वे अब ग्राम में लगने वाले समाधान शिविर में अपना कार्य आसानी करवा पा रहे है। रेखा चेतवानी ने कहा कि शासन की समाधान शिविर बहुत अच्छी पहल है। इससे लोगों के मूलभूत काम हो रहे है। विकास बरेठ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या होती थी, लेकिन जल जीवन मिशन से वह दूर हो चुकी है। शासन ने लोगों के घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने का कार्य की है। श्री चेतवानी ने पीएम अप्रेंटिस योजना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करते है साथ ही स्किल्स डेवलपमेंट होने से युवाओं को रोजगार में आसानी होगी।

बसंत चौधरी ने पीएम आवास के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि आवास सर्वे से आवास योजना का लाभ ले सकते है। सुनीता चौहान ने पीएम आवास के संबंध में जानकारी दी।

समर कैंप से बच्चों में निखरा आत्मविश्वास और प्रतिभा

सेजेस चक्रधर नगर में आयोजित हुआ समर कैंप

रायगढ़, 11 मई (देशबन्धु)। स्वयं का, स्वयं के लिए, स्वयं को दिया जाने वाला वह अनमोल समय जो व्यक्तित्व को निखारने में महती भूमिका निभाता है वह समय है समर कैंप का यह कहना है दो बार राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका श्रीमती रश्मि वर्मा व्याख्याता (जीव विज्ञान) स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय चक्रधर नगर का। प्राचार्य राजेश डेनियल के प्रोत्साहन से श्रीमती रश्मि वर्मा द्वारा परीक्षाओं के बाद विद्यालय में समर कैंप का आयोजन किया गया। बच्चों ने इस कैंप में कैलीग्राफी (हिंदी और अंग्रेजी) कबाड़ से जुगाड़ के द्वारा शो पीस, डांसिंग डॉल के सेट, गुड्डे गुडिया, मुखौटे, फ्लावर पॉट, नारियल के खोल से शोपीस बनाना, पत्थरों से पेपर वेट, टीएल एम का निर्माण किया। प्रकृति में बढ़ते कचरे के ठोस कचरा प्रबंधन हेतु बच्चों में पर्यावरण प्रेमी बनने का नजरिया इस विधा के द्वारा विकसित करने का प्रयास किया गया, यही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। इसके अतिरिक्त केमिकल वाले कोल्ड ड्रिंक के हानिकारक प्रभाव से अवगत कराकर उन्हें पौष्टिक कोल्ड ड्रिंक बनाना सिखाया गया। फन विद ए आई, भाषण देना, कविता, कहानी और स्वयं स्लोगन लिखने की विधा को सीखने का प्रयास बच्चों ने किया।

इस समर कैंप में सेमिनार का आयोजन भी किया गया जिसमें विषय यातायात के नियम और युवा तथा %नशे का युवाओं के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव% जैसे विषय रखे गए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में अभिव्यक्ति की भावना, आत्मविश्वास और स्टेज फोबिया को पर कैसे विजय पाएं यह सीखना था। बच्चों ने उत्तम अभिव्यक्ति के साथ-साथ विषय पर अपने वक्तव्य में संवेदनशीलता का भी परिचय दिया। इस समर कैंप की मुख्य विशेषता यह थी कि यह पूर्णतया निःशुल्क था। बच्चों को केवल उपस्थित होकर अपना समय देना था।

शिवपुर समाधान शिविर में 575 आवेदनों का त्वरित निराकरण

चिरमिरी खड़गवां, 11 मई (देशबन्धु)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम पंचायत शिवपुर की बाजार के पास 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक चले सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जन सुविधाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए, जिससे ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सका। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री, जनपद अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम के साथ अन्य जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस बीच महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गोद भराई रस्म के तहत किरण सिंह, सम्पति, रमजनिया, राम बाई, प्रियंका, कौशल्या, प्रिया, मानमति, श्याम बाई और नीलू को गोद भराई किया गया तथा अन्नप्राशन में वासु सिंह, आराधना और सुभाष का अन्नप्राशन किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अपने संबोधन में बताया कि यह सुशासन तिहार के अंतर्गत खड़गवां ब्लॉक का पहला शिविर है, जिसमें शिवपुर, गिद्धमुड़ी, बरदर, लकरापारा, सेंधा, पीपर बहरा, मझौली ग्राम पंचायतों से कुल 613 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 575 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जितना संभव हो सकेगा, सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे शिविरों के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और आमजन को इनका लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह शिविर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रहे सुशासन तिहार का हिस्सा है। इसका उद्देश्य है कि शासन खुद जनता के द्वार पर जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करे। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीणों को समस्या समाधान हेतु कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि शासन खुद गांवों तक पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की सहायता सीधे बैंक खाते में दी जा रही है। शिक्षा क्षेत्र में खड़गवां में एक कृषि महाविद्यालय की शुरुआत की जा रही है। वन विभाग की बरदर नर्सरी पुनः प्रारंभ की गई है, जिससे रोजगार और पर्यावरण दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा एवं राशन कार्ड वितरण किया गया ।

इस समाधान शिविर में पुलिस, राजस्व, विद्युत, कृषि, क्रेडा, महिला एवं बाल विकास, श्रम, जनसम्पर्क, मछली पालन, ग्रामीण यांत्रिक सेवा, स्वास्थ्य, आयुष, खाद्य, सीएससी, उद्यान, आबकारी, वन, समाज कल्याण, जल जीवन मिशन, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पशुपालन, पीडब्ल्यूडी और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (क्कल्लस्ङ्घ) विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए।

सार-संक्षेप

15 से 26 तक राज्य के पीएमश्री सेजेस स्कूलों में होगा समर कैम्प

सारंगढ़, 11 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार के दौर में समर कैम्प को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पीएमश्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, सेजेस के नोडल अधिकारी और बरमकेला के प्राचार्य नरेश कुमार चौहान की अध्यक्षता में बैठक किया गया, जिसमें राज्य शासन के दिशानिर्देश के परिपालन में 15 से 26 मई तक राज्य के समस्त पीएमश्री स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया जाना है। इसमें बच्चों के समग्र विकास के लिए नृत्य संगीत नाटक, कला एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियो, पार्टी मेकिंग, कला एवं शिल्प क्ले मॉडलिंग, कम्यूनिकेशन स्किल, मॉडल प्रदर्शन, पार्टी मेकिंग, ब्यूटी पार्लर कोर्स तथा फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी विभिन्न गतिविधियों को योजना वह तरीके से विद्यालय में किए जाने हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। साथ ही साथ विभिन्न विधाओं मे विशेषज्ञों को आमंत्रित करने वालों को उस विधा में मार्गदर्शक देने के संबंध में भी चर्चा किया गया। समर कैम्य के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओ, पालकों, शिक्षक, शिक्षिकाओं के लिए पेयजल स्वल्पाहार की व्यवस्था किया जाएगा। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बरमकेला के समर कैंप में प्रेरणा देवांगन, कथक नृत्य में स्नातकोत्तर इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ एवं सुरेंद्र कुमार मेहर द्वारा चित्रण, कार्टून, कैरिकेचर, तेल रंग, चारकोल, जल रंग, ऐक्रेलिक रंग इत्यादि ड्राइंग एवं पेंटिंग कर बताया गया। इस प्रकार से अलग-अलग दिन में अलग-अलग विधाओं को आमंत्रित कर बच्चों को समर कैंप के माध्यम से शिक्षा दिया जा रहा है जिससे बच्चों में छिपे प्रतिभा को निखारने का काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थियों के लिए समर कैम्प आयोजन करने निर्देशित किया गया है। समर कैम्प का समय सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक रखा गया है, जिससे गर्मी में विद्यार्थियों को असुविधा न हो।

सारंगढ़ में प्रत्येक बुधवार को होगा जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन

दिव्यांग भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए करा सकते हैं चेकअप

सारंगढ़, 11 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा राज्य में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला तथा सिविल सर्जन सह- मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में जिला मेडिकल बोर्ड दिव्यांग मेडिकल बोर्ड हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों का गठन किया गया है, जिसमें मेडिसीन विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ तथा महिला चिकित्सा अधिकारी शामिल है। जिसका संचालन प्रत्येक बुधवार को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। जिला में लगातार मेडिकल बोर्ड के मांग की दृष्टि से इस सुविधा का शुभारंभ किया जा रहा है। पूर्व में केवल शनिवार को दिव्यांग मेडिकल बोर्ड का आयोजन होता था तथा जनरल फिटनेस हेतु रायगढ़ जिला चिकित्सालय में आमजन को जाना पड़ता था जिससे उसको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस सुविधा का प्रारंभ होने से आमजनों को राहत मिलेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में सिविल सर्जन डॉ. दीपक कुमार जायसवाल की नियुक्ति हुई है, जिन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। अब जिले में स्वास्थ्य सुविधा में बढ़ोत्तरी होगी। साथ ही सरकारी कर्मचारियों और अन्य पेंशनधारियों के मेडिकल क्षतिपूर्ति बिल का निराकरण सिविल सर्जन कार्यालय में संचालित होगा।

धनसीर और लिंजिर में कल होगा समाधान शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 11 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार के तृतीय चरण में 13 मई को बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत धनसीर और बरमकेला ब्लॉक के ग्राम पंचायत लिंजिर के स्कूल परिसर में समाधान शिविर होगा।समाधान शिविर प्रातः 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

लिंज़िर शिविर में शामिल ग्राम पंचायत

इस शिविर में तौसीर, बेंगची , बुदेली, खिचरी, कुम्हारी, लिंजिर, बिलाईगढ़ ब, बैंगिनडीह, कटंगपाली ब, चांटीपाली, डभरा, मारोदरहा, बड़े आमाकोनी, कंचनपुर ब, लोधिया ग्राम पंचायत के लोग शामिल होंगे।

शिविर में सुविधा

समाधान शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। हितग्राही मूलक योजनाओं के आवेदन पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। समाधान शिविर में विकासखंड, अनुभाग एवं जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कालिंदी पटेल को टापटेन में 5वां स्थान मिला

डभरा, 11 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड परीक्षा 2025 कक्षा दसवीं मैं क्षेत्र के बेटी कुमारी कालिंदी पटेल कामधेनु पब्लिक स्कूल तुलसीडीह किरारी ने टॉप टेन में पांचवा स्थान प्राप्त किया है जिसको सम्मानित करने के लिए हमारे क्षेत्र के जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू संजू पटेल ने उनके निवास बिजनी जाकर सम्मानित कर बधाई दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रदान किया इस अवसर पर कालिंदी पटेल के पिता जगनारायण पटेल एवं मम्मी श्रीमती विनीता पटेल भी उपस्थित थे ।

भीषण गर्मी का कहर, 42 डिग्री पहुंचा तापमान दोपहर में वीरान हुई सड़कें

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। जिले में रविवार को गर्मी ने इस सीजन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तेज धूप और लू जैसे हालातों ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे लोग बेहाल हो उठे।

चिलचिलाती धूप और झुलसाने वाली गर्म हवा के कारण दिनभर लोग घरों में कैद नजर आए। दोपहर 12 बजे के आसपास शहर की मुख्य सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। पंखे और कूलर भी गर्म हवा के सामने बेअसर साबित हो रहे हैं। गर्मी के चलते दोपहिया और अन्य खुले वाहनों से सफर करना लोगों के लिए चुनौती बन गया है। शरीर में गर्म हवा की चुभन महसूस की जा रही है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। बीते तीन दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लोग शीतल पेय और ठंडी चीजों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए जगह-जगह पर नींबू पानी, शिकंजी, और ठंडे पेय पदार्थों की बिक्री बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह- इस मौसम में धूप से बचें, अधिक पानी पीएं, हल्का भोजन करें और जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें।

जिला अस्पताल के रिकॉर्ड रूम में लगी आग

रिकॉर्ड रूम के कई जरूरी दस्तावेजों के जलने की जताई जा रही आशंका,जांच के घेरे में अस्पताल प्रशासन

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। जिला अस्पताल के रिकॉर्ड रूम में शनिवार देर रात अचानक आग लग गई, जिससे अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आग की लपटें देख मरीजों के परिजनों ने तुरंत अस्पताल स्टाफ को सूचना दी। रात करीब 3 बजे पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों को आग बुझाने के लिए सिविल सर्जन कार्यालय के कक्ष क्रमांक 3 और 4 के पीछे का शटर तोड़ना पड़ा। इस घटना में रिकॉर्ड रूम के कई जरूरी दस्तावेजों के जलने की आशंका जताई जा रही है।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब सिविल सर्जन दीपक जायसवाल के कार्यकाल को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा है। विधायक ब्यास कश्यप ने अस्पताल में करोड़ों की अनियमित खरीद और कर्मचारियों की गलत नियुक्तियों का आरोप लगाया था। इसी जरह अंकित ताम्रकार अस्पताल सलाहकार द्वारा जिला अस्पताल में आयुष्मान योजना अंतर्गत भर्ती मरीजो का गलत पैकेज में भर्ती एवं उससे प्राप्त राशि को अपने चहेते लोगों के खाते में कमीशन लेकर भुगतान किये जाने की शिकायत का जांच लंबित है। ऐसे में आग की इस घटना ने प्रशासन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मामले में अस्पताल प्रशासन की भूमिका और लापरवाही की संभावना को देखते हुए जिला

प्रशासन इस घटना की जांच के आदेश दे सकता है।

सीसीटीवी फुटेज से खुल सकते हैं राज

रूम बंद रहने और सीसीटीवी निगरानी में होने के कारण उम्मीद है कि फुटेज से घटना की असली वजह सामने आ सकेगी। हालांकि, अभी तक कोई जिम्मेदार अधिकारी सामने आकर बयान नहीं दे पाया है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग दोनों ही सवालों के घेरे में हैं।

विधायक ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

विधायक ब्यास कश्यप ने कहा कि जिस तरह से जिला अस्पताल में जीवनदीप समिति में भर्ती और डीएमएफ मद के दुरूपयोग कर गड़बड़ी की गई है। इसकी जांच की मांग उन्होंने मुख्यमंत्री से लेकर शासन प्रशासन से की है। शनिवार को ही उन्होंने सीएमएचओ और अस्पताल अधीक्षक को अपने कार्यालय में बुलाकर गड़बड़ी के संबंध में चर्चा की थी उसके बाद उसी रात को आगजनी की घटना हो जाना कई तरह के संदेह को जन्म देती है। विधायक ने कहा कि यह आग सारे सबूतों को नष्ट करने के लिए लगाई गई है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

अस्पताल अधीक्षक की भूमिका संदिग्ध

जिला अस्पताल के जीवन दीप समिति में भर्ती और डीएमएफ मद से की गई खरीदी व अस्पताल के रंग रोगन में किए गए मनमाने खर्च को लेकर सिविल सर्जन डा दीपक जायसवाल और अस्पताल अधीक्षक अंकित ताम्रकार की भूमिका संदेह के दायरे में है। शनिवार को विधायक ने उनको बुलाकर फटकार लगाई थी। इसके बाद वे अचानक अवकाश में चले गए और उसी रात अस्पताल के रिकार्ड रूम में आग लग गई जो कई तरह के संदेह को जन्म देती है।

अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जिला अस्पताल परिसर के सिविल सर्जन कार्यालय में शनिवार की रात हुई आगजनी की घटना को लेकर जांजगीर थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

डा स्वाती वंदना सिसोदिया
सीएमएचओ, जांजगीर चांपा

एफएसएल की टीम ने भी घटना स्थल से लिया सैंपल

सिविल सर्जन कार्यालय में हुई आगजनी की घटना में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। आगजनी में जरूरी दस्तावेज जले हैं। एफएसएल की टीम ने भी घटना स्थल से सैंपल लिया है। घटना की जांच की जा रही है।

प्रवीण कुमार द्विवेदी
थाना प्रभारी जांजगीर

खेलो इंडिया लघु केंद्र द्वारा संडेज ऑन साइक्लिंग का आयोजन

वकीलों के साथ साइक्लिंग थीम पर निकली रैली

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। रविवार सुबह 7 बजे फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संडेज ऑन साइक्लिंग का आयोजन खेलो इंडिया लघु केंद्र हॉकी सेंटर, टीसीएल महाविद्यालय जांजगीर में किया गया। इस बार की थीम साइक्लिंग विथ लॉयर्स (वकीलों के साथ साइक्लिंग) रही, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने कानूनी क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के साथ मिलकर साइकिलिंग की और इसे यादगार एवं प्रभावशाली बनाया।

यह साइक्लिंग रैली भारतीय खेल विकास प्राधिकरण एवं संचालनालय के निर्देशों के अनुरूप फिटनेस, पर्यावरण सुरक्षा तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। रैली का मुख्य उद्देश्य साइक्लिंग को देश की फिटनेस संस्कृति का हिस्सा बनाना था।

इस अवसर पर रैली का नेतृत्व खेल एवं युवा कल्याण विभाग जांजगीर के प्रभारी जिला खेल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुब्रत प्रधान, प्रेमलाल पांडे, एवं एसएस बघेल के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन में जिला हॉकी संघ जांजगीर-चांपा के अध्यक्ष गोपेश्वर कहरा, राजीव सिंह ठाकुर कोच, एवं कोच संजना साहू, सीमा रोहिदास, रानी, श्रद्धा, करिश्मा, रितेश बर्मन, प्रकाश, दिव्यांश, युवराज कहरा, सौर्य गढ़वाल, हेमलता, रितु, नीलिमा, शारदा, सिमरन, प्रियंका, गुंजन, आभा, आदर्श, शुभम, अमन, के.बी. बरेठ सहित अन्य हॉकी खिलाड़ियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

खेलो इंडिया सेंटर के कोच राकेश गढ़वाल के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस विशेष अभियान ने न सिर्फ फिट इंडिया मिशन को मजबूती दी, बल्कि प्रतिभागियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी प्रबल किया।

आपरेशन सिंदूर के सम्मान में निकलेगी विजय तिरंगा यात्रा

भूतपूर्व सैनिकों के अगुवाई में आम नागरिक एवं सामाजिक, राजनैतिक सहित सभी संगठनों से यात्रा में शामिल होने की अपील

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में अंजाम दिए गए ऑपरेशन सिंदूर की वीरता और रणनीतिक सफलता को सलाम करते हुए जिले के देशभक्तों की टोली के द्वारा जांजगीर स्थित जगनी सेलिब्रेशन में एक भव्य विजय तिरंगा यात्रा के आयोजन को लेकर शाम 6 बजे बैठक आहूत की गई थी। जिसमें जांजगीर के प्रबुद्ध जनों सहित बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए, विचार विमर्श के पश्चात तय किया गया कि 13 मई मंगलवार शाम 5 बजे रैली नैला स्थित गांधी चौक से प्रारंभ होकर कचहरी चौक स्थित शहीद स्मारक में पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलित पश्चात महिलाओं के ऑपरेशन सिन्दूर की खुशी में सिंदूर खेलकर समाप्त होगी। इस दौरान रैली के प्रारंभ में भारत माता की फोटो के साथ भूतपूर्व सैनिकों के अगुवाई में रैली डीजे एवं आतिशबाजी के साथ प्रारंभ होगी उनके पीछे देश भक्तों की टोली रहेगी, तिरंगे के साथ लोगो का हुजूम चलता रहेगा। साथ ही साथ लोगो से संगठनों से विभिन्न संस्थाओं से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बॉर्डर में तैनात हमारे वीर सैनिकों के सम्मान में हौसला बढ़ाने के लिए रैली में सम्मिलित होवें।

संघ का घोष पथ संचलन संपन्न, नगरवासियों ने किया स्वागत

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत शारीरिक विभाग द्वारा रविवार को नगर में घोष पथ संचलन का आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों का उत्साह देखने लायक रहा। यह संचलन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जांजगीर में आयोजित प्रांतीय घोष वर्ग के अंतर्गत संपन्न हुआ, जो 5 मई से 12 मई तक चल रहा है।

संचालन शाम 5:45 बजे सी मार्ट परिसर, कचहरी चौक से प्रारंभ हुआ। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नेताजी चौक पर पहुंचा, जहां घोष वादन की मधुर धुनों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संचलन की अनुशासित पंक्तियों ने लोगों को आकर्षित किया, और नगर के हर वर्ग द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। नेताजी चौक से आगे नैला की ओर बढ़ते हुए मस्जिद गली तक पहुंचते ही मुस्लिम समाज ने भी पथ संचलन का गर्मजोशी से स्वागत कर सामाजिक समरसता का परिचय दिया। कार्यक्रम का समापन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में हुआ, जहां घोष के स्वर अंतिम बार गूंजे। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल संघ के शारीरिक प्रशिक्षण को प्रदर्शित करना था, बल्कि समाज में अनुशासन, एकता व संस्कारों की भावना को प्रोत्साहित करना भी था। संघ के इस प्रयास ने नगर में पारस्परिक सौहार्द और सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की। नगरवासियों ने भी संघ के इस प्रयास को सराहा और उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

संदिग्धों की तलाशी अभियान चलाया गया

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेशन नैला एवं चांपा में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसडीओपी जांजगीर श्रीमती कविता ठाकुर एवं चांपा एसडीओपी यदुमणि सिदार द्वारा किया गया।

सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतते हुए टीम द्वारा मेटल डिटेक्टर और अन्य आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं सामानों की सघन जांच की गई। इस दौरान यात्रियों को भी जागरूक किया गया कि वे किसी भी लावारिस वस्तु से दूर रहें और ऐसी कोई वस्तु दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

पुलिस ने की नागरिकों से अपील

यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु नजर आती है, जो सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है, तो उसकी तुरंत सूचना पुलिस को दें। ऐसे बाहरी व्यक्ति जो पहचान में न हों, उनके बारे में भी पुलिस को सूचित करें। पुलिस द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नागरिकों के सहयोग से किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सकता है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम, जांजगीर के मोबाइल नंबर 94791-93199 पर संपर्क करें।

धोखाधड़ी कर दोबारा बेची गई जमीन

पामगढ़ पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। पामगढ़ थाना क्षेत्र में ज़मीन की धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जिसमें पहले ही बिक चुकी जमीन को दोबारा बेचने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भिलौनी निवासी प्रार्थी गोविंद प्रसाद शर्मा ने थाना पामगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसी गांव का निवासी परमेश साहू (41 वर्ष) द्वारा अपने खेत की जमीन को दिनांक 14 फरवरी 2024 को किसी अन्य व्यक्ति को रजिस्ट्री के माध्यम से बेच दिया गया था। इसके बावजूद आरोपी ने उसी जमीन को 22 फरवरी 2024 को दोबारा गोविंद प्रसाद शर्मा को बेचने का सौदा किया और 5, लाख की रकम

प्राप्त कर ली। शिकायत पर थाना पामगढ़ में धारा 420 भा.दं.वि. के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी परमेश साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने जानबूझकर धोखाधड़ी की नीयत से पहले से बेची गई जमीन को दोबारा बेचा और ?5 लाख प्राप्त किए। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोहर सिन्हा के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक रामदुलार साहू, आरक्षक यशवंत पाटले, महिला आरक्षक सविता पटेल सहित पामगढ़ थाना स्टाफ की सक्रियता से आरोपी को गिरफ्तार कर 11 मई को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

कोरबी व माखनपुर में समाधान शिविर कल

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। सुशासन तिहार के तृतीय चरण अन्तर्गत जिले के विकासखंडों के क्लस्टर ग्रामों में समाधान शिविर आयोजन कर ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में 13 मई को विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम कोरबी कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत कोरबी, सरमा, तनेरा, पुटीपखना, हरदेवा, पाली, बुढ़ापारा, कुल्हड़िया, खम्हारमुड़ा, झिनपुरी और मिसिया हेतु शासकीय हाई स्कूल कोरबी में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 13 मई को ही विकासखंड पाली के ग्राम माखनपुर कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत माखनपुर, बनबांधा, सेंद्रीपाली, कपोट, रंगोले, बांधाखार, नुनेरा, धौराभांठा, करतली और डूमरकछार हेतु हाई स्कूल ग्राउंड माखनपुर में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा।

यादव समाज की हो रही उपेक्षा

मालखरौदा, 11 मई (देशबन्धु)। यादव समाज छत्तीसगढ़ का प्रमुख समाज होने के बावजूद भी गौ सेवा दुग्ध महासंघ आयोग में सरकार ने जगह नहीं दी उक्त बातें सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यादव ने मालखरौदा रेस्ट हाउस में एक दिवसीय प्रवास में पहुंचे पत्रकार वार्ता के दौरान बोल रहे थे उनका कहना था कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में 35 लाख से अधिक यादवों की जनसंख्या होने के बावजूद उन्हें राजनीति स्तर पर उपेक्षा का दंश झेलना पड़ रहा है क्योंकि 50 हजार वोट से जीतने वाला यादव समाज के विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलता है और 5 हजार से जीतने वाले को मंत्री बना दिया जाता है इसके अलावा चुनाव के दौरान जगह-जगह समाज प्रमुखों की बैठक लेकर हमारी सरकार बनने पर यादव समाज की उपेक्षा नहीं किया जावेगा।

बैठक के मुखिया यादव समाज के वह भी जाने माने भाजपा संगठन से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों में से एक होता है उनके दिशा निर्देशन में बैठक रखवा करके यादवों की वोट बैंक को साधकर अपनी ओर किया जाता है किंतु सरकार बन जाने पर दूध में मक्खी पड़ने की भांति निकाल दिया दिया जाता है जिसका जीता जागता सबूत अभी छग की भाजपा सरकार में देखा जा सकता है यदु ने ये भी कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में निवासरत 65 प्रतिशत यादव उन्हें हिंदूत्व से प्रेम है और भाजपा आज इन्हीं हिंदू वादी से पुरा भारत देश में

अव्वल कहला रहा है फिर भी यादव समाज की उपेक्षा किया जाना समझ से परे है श्री यदु ने एक अहम बात कही रायपुर उप चुनाव के दौरान मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव को बुला कर उनके द्वारा यादव समाज की बैठक लिया गया सभी यादव ने वोट भी दिया लेकिन आज वही यादवो की हक की बात पर किसी ने आगे आकर कुछ भी सहयोग नहीं किया और न हीं जिम्मेदारी निभाते देखे गए इस तरह यादव लोगो को गुमराह कर उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है जिन्हें यादव समाज ने महसूस किया है जिनका वक्त आने पर हिसाब चुकता किया जाएगा इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सहनीराम यादव प्रदेश संगठन मंत्री रामलाल यादव प्रदेश संदेश वाहक सुकलाल यादव जिला संरक्षक हरिप्रसाद यादव महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष श्रीमती सुशीला यादव उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा यादव जिला उपाध्यक्ष सरेश कुमार यादव जिला मीडिया प्रभारी घसियाराम यादव प्रवीण यादव भीम यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाज के प्रमुख पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल चोर धराया, चोरी की गई बाइक बरामद

जांजगीर, 11 मई (देशबन्धु)। थाना पामगढ़ पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी डेन्डू प्रसाद केंवट (उम्र 35 वर्ष), निवासी रहटाटोर थाना पचपेडी जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार, प्रार्थी राम प्रताप यादव, निवासी बगबुडा, थाना लवन (जिला बलौदाबाजार) ने दिनांक 30 अप्रैल 2025 को थाना पामगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी -22 जे 0420) को ग्राम ससहा स्थित शराब भट्टी के पास दुकान के सामने से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में धारा 303(2) बी.एन.एस. के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति पामगढ़ शराब भट्टी के पास चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को मोटरसाइकिल समेत पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसके बाद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। आरोपी को आज 11 मई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोहर सिन्हा, प्र.आर. रामलाल मार्कण्डे, आर. टिकेश्वर राठौर, भुनेश्वर साहू, दीपक कश्यप सहित थाना पामगढ़ स्टाफ का योगदान रहा।

देश विदेश

कनाडा की लिबरल पार्टी को हाउस ऑफ कॉमन्स में 170 वोट मिले, बहुमत से दो सीट पीछे

ओटावा, 11 मई (एजेंसियां)। कनाडा की लिबरल पार्टी ने न्यायिक पुनर्मतगणना के बाद एक और सीट हासिल प्राप्त की है जिससे वर्तमान में हाउस ऑफ कॉमन्स में उसकी सीटें 170 हो गई हैं, जो बहुमत से केवल दो सीट कम है। कनाडा ने शनिवार को पुनर्मतगणना के बाद टेरेबोन निर्वाचन क्षेत्र के मतदान परिणामों को अपनी वेबसाइट पर जारी किया। लिबरल उम्मीदवार केवल एक वोट से जीता। इससे पहले, ब्लॉक क्यूबेकॉइस की मौजूदा नथाली सिंक्लेयर-डेसगैन ने लिबरल की तातियाना ऑगस्टे को 44 वोटों से हराया था। पुनर्मतगणना के बाद, ऑगस्टे को 23,352 वोट मिले, जबकि सिंक्लेयर-डेसगैन को 23,351 वोट मिले। परिणामों को एक न्यायाधीश द्वारा प्रमाणित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने की संघर्ष विराम के लिए भारत-पाक की सराहना, कहा

अमेरिका ने संघर्षविराम में निभाई मध्यस्थता की भूमिका

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को दोनों देशों ने संघर्षविराम की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि यूएस ने इस संघर्षविराम में मध्यस्थता की भूमिका निभाई। ट्रंप ने संघर्ष विराम के लिए अपने ट्रुथ सोशल पर दोनों देशों के नेतृत्व की बुद्धिमता और दूरदर्शिता की सराहना की।

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मैं भारत और पाकिस्तान की मजबूत और समझदार नेतृत्व की बहुत सराहना करता हूं, जिन्होंने समय रहते अपनी बुद्धि और धैर्य से यह समझ लिया कि अब और लड़ाई को रोकना जरूरी है। क्योंकि, युद्ध से विनाशकारी परिणाम मिल सकते थे। लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। आपके इस साहसी फैसले से आपका नाम और सम्मान बढ़ा है।

ट्रंप ने आगे लिखा कि मुझे गर्व है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और बहादुरी भरे फैसले में मदद कर सका। भले ही इस पर बात नहीं हुई है, लेकिन

युद्ध से विनाशकारी परिणाम मिल सकते थे, लाखों अच्छे व निर्दोष लोग मारे जा सकते थे : डोनाल्ड ट्रंप

ड्रोन व मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को दोनों देशों ने की संघर्षविराम की घोषणा

मैं अब भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ व्यापार को काफी बढ़ाने का इरादा रखता हूं। साथ ही, मैं कश्मीर के मुद्दे पर भी दोनों देशों के साथ मिलकर कोई शांतिपूर्ण हल निकालने की कोशिश करूंगा, भले ही इसमें बहुत समय लगे। भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को इस अच्छे काम के लिए दिल से शुभकामनाएं।

बता दें कि 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर बड़ी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत-पाकिस्तान पिछले तीन दिनों से जारी संघर्ष पर तत्काल पूर्ण युद्ध विराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से पूरी हुई है।

भारत-नेपाल सुरक्षाकर्मियों ने सीमा पार घुसपैठ रोकने के लिए बढ़ाई निगरानी

काठमांडू। नेपाल और भारत के सुरक्षा बलों ने बर्दिया और भारत के बीच 83 किलोमीटर खुले सीमा क्षेत्र के 20 बिंदुओं पर निगरानी बढ़ा दी है ताकि घुसपैठ रोकी जा सके। इस क्षेत्र का अधिकतर हिस्सा भारत के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य और घने वन क्षेत्रों से सटा हुआ है, जिन्हें उच्च जोखिम वाले क्षेत्र माना जाता है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बर्दिया की मुख्य जिला अधिकारी रुद्रदेवी शर्मा ने कहा कि नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ), नेपाल पुलिस और भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से नो-मैन्स-लैंड में संयुक्त गश्त की जा रही है। गणेशपुर-लौकही कॉरिडोर को बर्दिया जिला प्रशासन कार्यालय ने उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। सुरक्षा कड़ी करने के लिए वहां प्रवेश पर सख्त नियम लागू किए गए हैं, जिनके तहत लोगों को चेकपॉइंट्स पर अपनी पहचान दर्ज करानी होगी। यह कदम आपराधिक गतिविधियों जैसे अवैध सीमा पार आवागमन, फरारी अपराधी, मादक पदार्थों और मानव तस्करी जैसी चिंताओं के चलते उठाया गया है, जो स्थानीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र को भारत व पाकिस्तान के बीच स्थायी शांति की उम्मीद

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से एक बयान जारी कर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते का स्वागत किया। बयान में कहा गया कि गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते का स्वागत किया और इसे मौजूदा शत्रुता को समाप्त करने तथा तनाव कम करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। गुटेरेस को उम्मीद है कि यह समझौता स्थायी शांति प्राप्त करने में मदद करेगा और दोनों देशों के बीच व्यापक, दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करेगा। संयुक्त राष्ट्र क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रयासों का समर्थन करता है। 11 मई की सुबह से भारत में चिनाब नदी पर सालाल हाइड्रोपावर स्टेशन बांध के अधिकांश गेट पानी छोड़ने के लिए खोल दिए गए हैं। स्थानीय समयानुसार 10 मई को पाक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध विराम समझौते का जश्न मनाते हुए एक राष्ट्रीय भाषण में कहा कि पाकिस्तान को शांतिपूर्ण बातचीत के माध्यम से भारत के जल संसाधन आवंटन और कश्मीर मुद्दे को हल करने की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 12 मई, 2025 बैशाख शुक्ल पक्ष 15

राशिफल

मेष - दांपत्यजीवन में मधुरता का अनुभव करेंगे। बाहर घूमने जाने और सुरुचिपूर्ण भोजन करने का अवसर मिल सकता है। आयात- निर्यात करने वाले व्यापारी अच्छा लाभ प्राप्त कर सकेंगे। किसी खोयी वस्तु के मिलने के योग हैं।

वृषभ - आपका आज का दिन शुभ फलदायक है। आप निर्धारित काम में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। आपके अधूरे काम पूरे होंगे। शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। ननिहाल से अच्छे समाचार प्राप्त कर सकेंगे।

मिथुन - नए काम शुरू करने के लिए समय अच्छा नहीं है। आपको जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी के साथ चर्चा में स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है, सावधान रहना जरूरी है।

कर्क - आप में आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में खिन्नता रहेगी। छाती में दर्द या किसी कारण से तकलीफ होगी। अनिद्रा सताएगी। सार्वजनिक रूप से स्वाभिमान भंग न हो, इसका ध्यान रखें। धन खर्च होगा।

सिंह - कार्य सफलता और विरोधियों पर विजय का नशा आपके दिलो-दिमाग पर छाया रहेगा, इससे प्रसन्नता अनुभव करेंगे। भाई-बहनों के साथ मिलकर घर पर कोई आयोजन करेंगे। मित्रों, स्नेहीजनों के साथ यात्रा करने का योग है।

कन्या - परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना है। स्वादिष्ट भोजन मिलेगा।

तुला - आज आपकी रचनात्मक क्षमताएं प्रदर्शित होंगी। आप कुछ सृजनशील प्रवृत्तियां भी करेंगे। वैचारिक दृढ़ता के कारण सभी काम में आप सफल हो सकेंगे।

वृश्चिक - आज आपके विदेश में बसनेवाले स्नेहीजन या मित्रों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। लाभ होगा। आमोद- प्रमोद की प्रवृत्तियों में पैसे खर्च होंगे। दांपत्यजीवन में जीवनसाथी के साथ निकटता के पल व्यतीत कर सकेंगे।

धनु - आज का दिन आपके लिए लाभदायक हो सकेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। प्रिय व्यक्ति की मुलाकात बहुत यादगार साबित होगी। मित्रों के साथ घूमने जा सकेंगे। स्वादिष्ट भोजन मिलने से मन खुश रहेगा।

मकर - व्यवसाय में आपकी आय तथा मान- सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार के लिए होने वाला प्रवास लाभदायक साबित होगा। आपके उच्च अधिकारी आपसे खुश रहेंगे। पदोन्नति होने की संभावना है।

कुंभ - आज आपको बेचैनी, थकान का अनुभव होगा। हालांकि मानसिक स्वस्थता बनाए रख सकेंगे। शरीर में ताजगी का अभाव रहेगा। इससे काम करने का उत्साह नहीं रहेगा।

मीन - आपको अचानक आर्थिक लाभ होने का योग बनेगा। व्यापारी अपना रुका हुआ पैसा वापस प्राप्त कर सकेंगे। शारीरिक तथा मानसिक रूप से अधिक काम करना पड़ सकता है। आपको स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना पड़ेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1459- राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना की।

1666- पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।

1784- पेरिस समझौता प्रभावी हुआ।

1820- नर्सिंग को सम्मानजनक पेशा बनाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल का इटली के फ्लोरेंस में जन्म हुआ।

1847- विलियम क्लेटन ने ओडोमीटर का आविष्कार किया।

1915- क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने जापानी नौका सानुकी मारू पर सवार होकर भारत छोड़ा।

1965- इजरायल और पश्चिम जर्मनी ने राजनयिक संबंध शुरु करने के लिए पत्रों का आदान प्रदान किया।

1993- हिन्दी के जाने माने कवि शमशेर बहादुर सिंह का निधन।

2002- अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर फिदेल कास्त्रो के साथ बातचीत करने के लिए पांच दिन की यात्रा पर क्यूबा पहुंचे। कास्त्रो की 1959 क्रांति के बाद से क्यूबा की यात्रा करने वाले कार्टर अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बने।

2008- चीन के सिचुआन में भूकंप से 87 हजार से अधिक लोगों की मौत। भूकंप से तीन लाख 74,643 लोग घायल हुए।

2008- जजों की बहाली के मामले पर कोई सहमति न बन पाने के कारण पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने साझा सरकार से हटने का फैसला किया।

2010- लीबिया में त्रिपोली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट अफ्रीकिया एयरवेज का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 104 लोगों में से 103 लोगों की मौत।

2015- नेपाल में भूकंप से 218 लोगों की मौत और 3500 से अधिक घायल।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक, बोले

हम अपने परमाणु अधिकार नहीं छोड़ेंगे

दोहा, 11 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ओमान में अपनी अप्रत्यक्ष वार्ता के चौथे दौर से एक दिन पहले स्पष्ट कर दिया कि उनका देश अमेरिका के साथ वार्ता में अपने परमाणु अधिकारों को लेकर अटल रहेगा।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि शनिवार को दोहा में चौथे अरब-ईरानी वार्ता सम्मेलन में अराघची ने दोहराया कि ईरान हमेशा से परमाणु अप्रसार का प्रतिबद्ध सदस्य रहा है और यूरेनियम संवर्धन सहित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अपने अधिकार को बनाए रखता है। उन्होंने पुष्टि की कि हम परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं और सामूहिक विनाश के हथियारों का ईरान के सुरक्षा सिद्धांत में कोई स्थान नहीं है। यही इस कारण से, हम पश्चिम एशियाई क्षेत्र को परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़े।

अराघची ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि यदि इन वार्ताओं का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे, तो यह पूरी तरह से प्राप्त करने योग्य है, और समझौता आसानी से हो सकता है। हालांकि, यदि लक्ष्य ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना या अन्य अवास्तविक मांगें थोपना है, तो ईरान इनमें से किसी भी अधिकार से पीछे नहीं हटेगा। ईरान ने बार-बार कहा है कि यूरेनियम संवर्धन का उसके अधिकार पर किसी तरह की बात नहीं हो सकती है और उसने कुछ अमेरिकी अधिकारियों के शून्य संवर्धन की मांग को खारिज कर दिया है।

■ **ईरान ने सभी देशों के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत पर दिया जोर**

सूडान में जेल पर ड्रोन हमला, 19 कैदियों की मौत

खार्तूम, 11 मई (एजेंसियां)। सूडान के पश्चिमी हिस्से नॉर्थ कोर्दोफान राज्य के एल ओबैद शहर में स्थित केंद्रीय जेल पर शनिवार को ड्रोन हमले हुए। इसमें कम से कम 19 कैदियों की मौत हो गई और 45 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी एक चिकित्सा सूत्र और चश्मदीदों ने दी। एल ओबैद अस्पताल के एक चिकित्सा सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अस्पताल में 19 शव और 45 घायल लाए गए हैं। उसने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

जेल भवन के पास मौजूद एक चश्मदीद ने बताया कि तीन ड्रोन ने पांच मिसाइलें दागीं, जिनमें से तीन सीधे जेल भवन और कैदियों के रहने वाले हिस्से पर गिरीं। एक अन्य चश्मदीद ने कहा कि जेल के अंदर राहत और बचाव कार्य अब भी जारी है और मृतकों और घायलों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से अधिक हो सकती है। अब तक इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि आरएसएफ ने हाल ही में सूडानी सशस्त्र बलों के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों और प्रमुख सुविधाओं पर ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं।

पुतिन ने यूक्रेन के साथ 'सीधी बातचीत' का किया आह्वान

मास्को, 11 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ 'सीधी बातचीत' का आह्वान किया।

श्री पुतिन ने रविवार को कहा कि हम गंभीर बातचीत चाहते हैं। संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने और एक स्थायी, मजबूत शांति की ओर बढ़ने के लिए। यह बयां यूरोपीय नेताओं में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन के यूक्रेन का दौरा करने और रूस से बिना शर्त 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद आया।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जवाब में कहा था कि मास्को को इस पर विचार करना होगा लेकिन चेतावनी दी कि हम पर दबाव डालने की कोशिश करना बिल्कुल बेकार है। श्री पुतिन ने कहा कि वह इस संभावना से इनकार नहीं करेंगे कि वार्ता के परिणामस्वरूप रूस और यूक्रेन नए युद्धविराम, एक नए युद्धविराम पर सहमत हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के नेता ने कहा कि वह रविवार को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से बात करेंगे और विवरण पर चर्चा करेंगे। यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन का दौरा किया और एक महीने के युद्धविराम का आह्वान किया। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता तथाकथित इच्छुक गठबंधन का हिस्सा थे।

बहरीन ने की सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

मनामा, 11 मई (एजेंसियां)। बहरीन ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सीरिया के साथ चर्चा की है। यह जानकारी विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़ायनी ने शनिवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के बहरीन के दौरे के दौरान दी। सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अल जायनी ने कहा कि बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा ने अल-शरा के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें दोनों देशों के बीच गहरे भाईचारे के संबंधों पर बातचीत हुई। चर्चा व्यापार, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सीरिया में नवीनतम घटनाक्रमों की भी समीक्षा की, जिसमें सुरक्षा, स्थिरता और सामाजिक एकता को बनाए रखने के राष्ट्रीय प्रयास शामिल हैं। वहीं, श्री अल-शैबानी ने इस यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों को महत्वपूर्ण बताया, जो आपसी विश्वास और सम्मान के आधार पर एक नया अध्याय खोलता है। उन्होंने कहा कि सीरिया बहरीन को अपने पुनर्निर्माण में एक सक्रिय भागीदार और सीरियाई अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में देखता है।

■ **व्यापार, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा, स्वास्थ्य व शिक्षा सहित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी चर्चा**

मामला *अपने जिस उत्पाद पर खुद चीन नहीं करता भरोसा, उसकी वजह से ही पाकिस्तान में मची तबाही*

चीन खुद अपनी सुरक्षा के लिए रूस से खरीद रखा है एस-400

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच जो जंग जैसे हालात पैदा हुए थे, उसमें अब सीजफायर की घोषणा के बाद धीरे-धीरे थोड़ी नरमी लौट रही है। इस बीच भारत के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह करने का चीन और पाकिस्तान का दावा भी झूठा साबित हुआ है। जबकि, चीन जो खुद अपने एयर डिफेंस सिस्टम पर भरोसा नहीं करता, जिसने अपनी सुरक्षा के लिए खुद रूस से एस-4 एयर डिफेंस सिस्टम खरीद रखा है, उसके यहां तैयार एयर डिफेंस सिस्टम पर पाकिस्तान इतरा रहा है। जबकि, भारतीय सेना के पराक्रम के सामने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की एक नहीं चली।

भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 पर चीन और पाकिस्तान ने दुनिया में जो झूठ फैलाया था, उस पर भारत की तरफ से प्रतिक्रिया भी आ गई और भारत के एक रक्षा अधिकारी ने साफ कर दिया कि एस-400 पूरी तरह सुरक्षित है।

भारत ने पाकिस्तान के हमलों के खिलाफ जो जवाबी कार्रवाई की, वह भारत के आधुनिक वायु रक्षा की विकसित होती प्रकृति का प्रदर्शन था, जो न केवल एक मजबूत बल्कि स्वयं के हवाई क्षेत्र की रक्षा करने में सक्षम होने के साथ विरोधी पाकिस्तान द्वारा तैनात चीनी निर्मित प्रणालियों को सफलतापूर्वक भेदने में कामयाब रहा। ऐसे में यह ध्यान देने योग्य है कि रक्षा के लिए इस बारे में बहस नहीं की जा सकती कि आप क्या खरीदते हैं, इस बारे में बहस हो सकती है कि आप क्या इकट्ठा करते हैं और यह कितना प्रभावशाली है।

■ **एस-400 को दुनिया के सबसे ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है**

रूस से जो एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 भारत ने 5.4 अरब डॉलर खर्च करके खरीदा है। इसे दुनिया के सबसे ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम में से एक माना जाता है। इसके रडार की रेंज 600 किलोमीटर है। मतलब 600 किलोमीटर के दायरे में आ रही मिसाइल की ये पहचान कर, भेद सकता है। भारत का यह एयर डिफेंस सिस्टम ड्रोन, लड़ाकू विमान, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ही एडवांस फाइटर जेट को भी आसानी से ध्वस्त कर सकता है। इसमें चार मिसाइलें लगी हैं, जिनकी रेंज अलग-अलग है। अलग-अलग ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों का पता लगाकर ये आसानी से उन्हें नष्ट कर सकता है। जबकि, भारत ने पाकिस्तान के लाहौर में तैनात चीन में निर्मित एचक्यू-9 एयर डिफेंस को तबाह कर दिया। इसे पाकिस्तान ने 4 साल पहले चीन से खरीदा था, जिस पर खुद चीन भरोसा नहीं करता है। पाकिस्तान ने यह एयर डिफेंस सिस्टम चीन से लाखों डॉलर खर्च कर खरीदा था।

सुडोकू 6910

		5			7		6	
2			9	5	6	4		
	4	6						
8		2	4			6		7
4				6				3
5		1			3	2		4
						3	1	
		4	8	1	9			6
	7		6			9		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6910

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-

१. कूटनीतिज्ञ
४. जंगल की पैदावार
६. घर
७. दौड़ने वाला, धोबी, दूत
८. वेश्या
१०. जोड़ने वाला, संधि, मेल
११. गुत्थी, फंसाव, सोच, चिंता, कठिनाई
१३. लड्डू
१४. घूस, रिश्वत
१५. नुकसान के बदले दी जाने वाली रकम, क्षतिपूर्ति (उर्दू)
१७. दृष्टि, निगाह (उर्दू)
१९. दूर तक फैली हुई ऊंची और चौरस जमीन
२१. कमल
२२. अनुभवी, कुशल, विद्वान
२४. सूर्यपुत्री

ऊपर से नीचे:-

१. शासन, केंद्र
२. मनुष्य की खोपड़ी
३. ब्रह्मा, पद्मासन
४. जंगलों में रहना
५. बांस की तिलियों और कागज से बना खिलौना जिसे धागों से बांध कर हवा में उड़ाया जाता है
९. नाटक करने या लिखने वाला
११. कर्ज, ऋण
१२. पहाड़ आदि से गिरने वाला जलधारा, निर्झर
१३. बंधन, कष्ट आदि से छुड़ाना
१४. विलंब न सह सकने वाली इच्छा, प्रिय से मिलने की इच्छा
१५. सहयात्री (उर्दू)
१६. पशु,प्राणी (उर्दू)
१८. असह्य(उर्दू)
१९. पढ़ा हुआ
२०. चलन. तौर-तरीका
२३. निपुण, कुशल

वर्ग पहेली-6909

१ व्य	था	२ क	था	■	■	३ सि	कं	४ द	रा
व	■	मा	■	५ मु	खि	या	■	र्श	■
६ सा	कि	न	■	ला	■	७ स	म	क	८ क्ष
य	■	दा	■	९ य	मि	त	■	■	मा
■	१० बे	र	११ ह	म	■	■	१२ कु	रू	प
■	हा	■	वा	■	१३ अ	स	ली	■	न
१४ बु	ल	१५ बु	ला	■	प	■	१६ न	१७ त	■
द्धि	■	न	■	१८ आ	द	१९ त	■	न	■
२० म	स्त	क	■	ल	■	२१ न	वा	ग	२२ त
त्ता	■	२३ र	ह	स्य	म	य	■	■	र्ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6910 का हल

9	1	5	3	4	7	8	6	2
2	8	3	9	5	6	4	7	1
7	4	6	1	2	8	5	3	9
8	3	2	4	9	1	6	5	7
4	9	7	2	6	5	1	8	3
5	6	1	7	8	3	2	9	4
6	2	9	5	7	4	3	1	8
3	5	4	8	1	9	7	2	6
1	7	8	6	3	2	9	4	5

दुनिया को जानें

बहरेपन की ओर ले जाता है ईयरफोन का गलत इस्तेमाल

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। आज के डिजिटल दौर में ईयरफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। चाहे मेट्रो में सफर हो, जिम में वर्कआउट या फिर देर रात अकेले संगीत का आनंद-ईयरफोन हर जगह साथ रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ईयरफोन का गलत इस्तेमाल आपकी सुनने की क्षमता को धीरे-धीरे खत्म कर सकता है? जी हां, लगातार तेज आवाज में और लंबे समय तक ईयरफोन इस्तेमाल करने से आप हमेशा के लिए बहरेपन का शिकार हो सकते हैं।

हमारे कान के अंदर बहुत ही नाजुक हेयर सेल्स होते हैं जो ध्वनि की तरंगों को मस्तिष्क तक पहुंचाने का काम करते हैं। जब हम ज्यादा तेज आवाज में लंबे समय तक संगीत सुनते हैं, तो ये हेयर सेल्स डैमेज हो जाते हैं। एक बार ये सेल्स नष्ट हो जाएं, तो ये दोबारा नहीं बनते, और यही स्थायी सुनने की समस्या का कारण बनता है। ज्यादातर लोग संगीत सुनते समय वॉल्यूम को इतना बढ़ा लेते हैं कि आसपास की आवाज़ें सुनाई ही नहीं देतीं। यह आदत बेहद खतरनाक है। कुछ लोग 3-4 घंटे या उससे ज्यादा समय तक ईयरफोन लगाए रहते हैं, जो कानों पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालता है।

खेल जगत

ऐसेंगफा गोगोई ने युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, 55 किग्रा भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता

राजगीर। असम की ऐसेंगफा गोगोई ने रविवार को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 55 किग्रा भारोत्तोलन में कुल 183 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। 17 वर्षीय गोगोई, जो कोच राहुल शर्मा के तहत 2023 से लखनऊ में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रही हैं, ने पिछले दिसंबर में कतर के दोहा में 2024 एशियाई चैंपियनशिप में पश्चिम बंगाल की कोयल बार द्वारा बनाए गए 182 किग्रा के समग्र लिफ्ट के युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पिछले साल चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पदक से चूकने वाली ऐसेंगफा ने स्नैच में 75 किग्रा भार उठाकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने 79 किग्रा और 81 किग्रा भार उठाया। इस दौरान, ऐसेंगफा ने ओडिशा की मीना सांता के 81 किग्रा के स्नैच रिकॉर्ड की बराबरी।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय शृंखला जीती

कोलंबो, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। स्मृति मंधाना (116) की शतकीय, हरलीन देओल (47), जेमिमाह रॉड्रिग्स (44) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (41) की शानदार पारियों के बाद स्नेह राणा (चार विकेट) और अमनजोत कौर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को फाइनल में मुकाबले में श्रीलंका को 97 रनों से हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम कर ली। 343 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की बेहद शुरुआत खराब रही और उसने अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (शून्य) के रूप में गवां दिया। परेरा को अमनजोत कौर ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चामरी अटापट्टू ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 68 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में अमनजोत कौर ने विष्मी गुणारत्ने (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद नीलाक्षी डिसिल्वा और अटापट्टू के बीच तीसरे विकेट लिये 73 रन जोड़े। 24वें ओवर में

■ स्मृति मंधाना को उनकी 116 रनों की शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया

■ हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई

स्नेह राणा ने चामरी अटापट्टू (51) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हर्षिता समाराविक्रमा (26) रन और देवमी विहंगा (चार) रन बनाकर आउट हुई। 33वें ओवर में स्नेह राणा ने नीलाक्षी डिसिल्वा (48) को आउटकर श्रीलंका को छठा झटका दिया। इसके बाद श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। अनुष्का संजीवनी (28) और मल्की मदारा (शून्य) पर आउट हुई। सुगंधिका कुमारी (27) और पिउमी वत्सला (नौ) रनआउट हुई। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका की पूरी टीम को 48.2 ओवर में 245रन पर समेट कर मुकाबला 97 रनों से जीत लिया। स्मृति मंधाना को उनकी 116 रनों की शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वही टूर्नामेंट में 15 विकेट लेने वाली स्नेह राणा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। भारत की ओर स्नेह राणा ने चार विकेट लिये अमनजोत कौर को तीन विकेट मिले। श्री चरणी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 15वें ओवर में प्रतिका रावल (30) के रूप में गिरा। उन्हें इनोका रनावीरा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 120 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में देवमी विहंगा ने स्मृति मंधाना को आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। स्मृति मंधाना ने 101 गेंदों में 15 चौके और दो छक्के लगाते हुए (116) रनों की शतकीय पारी खेली। इसके बाद 37वें ओवर में देवमी विहंगा ने अपना अर्द्धशतक बनाने जा रही हरलीन देओल (47) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (41) रन बनाए।

पंकज आडवाणी बॉल्कलाइन स्नूकर फाइनल में स्नूक से भिड़ेंगे

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने शनिवार को यहां एनएससीआई डोम में 32 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले एनएससीआई बॉल्कलाइन 4.0 अखिल भारतीय स्नूकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हिमांशु जैन को 8-2 से हराकर 5 लाख रुपये की विजेता राशि के लिए खुद को तैयार कर लिया। आडवाणी ने तीन शतक से अधिक ब्रेक के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाया, जिसमें पराजित जैन ने दो फ्रेम अपने नाम किए। आडवाणी सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक के लिए शहर में हैं, जिसमें उन्होंने ध्रुव सिटवाला के खिलाफ जीत हासिल की और वर्ली में स्नूकर इवेंट में अभी तक किसी दबाव में नहीं आए हैं। दूसरे सेमीफाइनल में, ईशप्रीत सिंह चड्ढा ने आदित्य मेहता को 8-6 से हराकर जीत दर्ज की और अब उनका मुकाबला आडवाणी से होगा, जो पिछले साल के फाइनल की तरह ही होगा(शुक्रवार को इससे पहले, आडवाणी ने केतन चावला के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल मैच 7-1 से जीता था। बेस्ट ऑफ 13 फ्रेम नॉक-आउट मैच में, आडवाणी ने अंतिम चार फ्रेम में 63, 82, 57 और 60 के हाई ब्रेक के साथ शानदार फॉर्म दिखाया और शुक्रवार को एनएससीआई डोम में शानदार जीत दर्ज की। अंतिम आठ के एक अन्य मैच में, हिमांशु जैन ने दिग्विजय कादियान को 7-2 से हराया, जबकि ईशप्रीत सिंह चड्ढा ने सौरव कोठारी को 7-2 से हराया।

बायर्न ने मुलर के विदाई मैच में 2-0 की जीत के साथ जीता खिताब

बर्लिन, 11 मई (एजेंसियां)। बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को लाल रंग में थॉमस मुलर के अंतिम मैच को चिह्नित करने वाली एक भावनात्मक रात में 33वें दौर के मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक पर 2-0 की घरेलू जीत के साथ बुंदेसलीगा खिताब के जश्न को सील कर दिया। सभी की निगाहें मुलर पर थीं क्योंकि उन्होंने एलियांज एरिना में अपनी 750वीं और अंतिम उपस्थिति के लिए टीम का नेतृत्व किया। अनुभवी, जिन्होंने क्लब के साथ 13 बुंदेसलीगा खिताब और दो चैंपियंस लीग जीते हैं, को जोरदार तालियाँ मिलीं और प्रशंसक कोरियोग्राफी के साथ सम्मानित किया गया। एक शांत शुरुआत के बाद, माइकल ओलिस ने 31वें मिनट में बायर्न को जीवंत कर दिया। दाईं ओर से अंदर की ओर बढ़ते हुए, उन्होंने हैरी केन के लिए मोनचेंग्लाडबैक गोलकीपर जोनास

■ मुलर कई मौकों पर खुद गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन अपनी खास रात में गोल नहीं कर पाए।

ओमलिन को चकमा देते हुए एक शॉट मारा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, केन का यह इस सत्र का 25वां गोल था, जिससे वह अपने पहले दो बुंदेसलीगा अभियानों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले बायर्न खिलाड़ी बन गए। मोनचेंग्लाडबैक के लिए भी कुछ पल ऐसे रहे, जब टिम क्लेइंडिएन्स्ट, रोक्को रीट्ज और टॉमस क्रेंकारा ने मैनुअल नेउर की कड़ी परीक्षा ली, जिन्होंने चोट से उबरकर शानदार प्रदर्शन किया। बायर्न के कप्तान ने अपनी क्लीन शीट बरकरार रखने के लिए नजदीकी रेंज से कई बेहतरीन बचाव किए।

मुलर कई मौकों पर खुद गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन अपनी खास रात में गोल नहीं कर पाए। 84वें मिनट में उन्हें स्टेडियम के सभी कोनों से तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बाहर ले जाया गया, जबकि उनके साथी खिलाड़ी गार्ड ऑफ ऑनर के लिए लाइन में खड़े थे। खेल के अंतिम क्षणों में, ओलिस ने लेरॉय साने के साथ एक शानदार मूव को पूरा करके स्कोर 2-0 कर दिया। बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने कहा, मुझे नहीं पता कि भावनाओं को किसने अधिक महसूस किया, थॉमस ने या बायर्न के प्रशंसकों ने। आने वाले वर्षों में, हम वास्तव में महसूस करेंगे कि वह इस क्लब के लिए कितना महत्वपूर्ण था। दूसरी ओर, निचले स्थान पर मौजूद क्लब होल्स्टीन कील को चौथे स्थान पर मौजूद फ्रीबर्ग से 2-1 से हार के बाद दूसरे टियर पर भेज दिया गया। बोचुम को भी रेलीगेट किया गया क्योंकि मेंज 4-1 की जीत के साथ शीर्ष छह में पहुंच गया। लीपजिग ने वेर्डर ब्रेमेन के साथ मुकाबला साझा किया लेकिन उनके पास चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने का कोई मौका नहीं था। हेडेनहाइम ने यूनियन बर्लिन को 3-0 से हराकर रेलीगेशन प्ले-ऑफ जोन में प्रवेश किया, जबकि होफेनहाइम को वोल्फ्सबर्ग ने 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया।

जल्द ही होनी वाली है आईपीएल के बचे मैचों की शुरूआत!

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी दस आईपीएल फ्रेंचाइजी को मंगलवार तक एकत्रित होने को कहा है, क्योंकि टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की संभावना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था, खासकर धर्मशाला में पंजाब किंग्स-दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत के बाद हवाई हमलों और जम्मू और पठानकोट जैसे आस-पास के इलाकों में ब्लैकआउट के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। निलंबन के समय, आईपीएल 2025 ने 58 गेम पूरे कर लिए थे - जिसमें 12 लीग चरण के मैच और प्लेऑफ शेष थे। निलंबन की घोषणा के तुरंत बाद, सभी फ्रेंचाइजी के क्रिकेटर, साथ ही अधिकांश सहयोगी स्टाफ सदस्य अपने-अपने घरों और देशों के लिए रवाना हो गए। रविवार को नाम न बताने की शर्त पर एक शीर्ष फ्रेंचाइजी अधिकारी ने आईएएनएस से कहा, हां, हमें मंगलवार को अपनी टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इकट्ठा करने के बारे में सूचित किया गया है। हमें कहां इकट्ठा होना है, यह अभी पता नहीं है। लेकिन अब तक, हमें बीसीसीआई से टीम को इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू करने और मंगलवार तक सभी को इकट्ठा करने के बारे में संदेश मिला है। हम अब जल्द से जल्द विदेशी खिलाड़ियों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे आईएएनएस को पता चला है कि पंजाब किंग्स के मुख्य कोच और सहायक कोच रिकी पोंटिंग और ब्रैड हैडिन अभी भी भारत में हैं और

हम अब जल्द से जल्द विदेशी खिलाड़ियों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया भी शुरू करेंगे

जस्टिन लैंगर (मुख्य कोच, लखनऊ सुपर जायंट्स) और माइक हसी (बल्लेबाजी कोच, चेन्नई सुपर किंग्स) जैसे उनके अन्य कोचिंग समकक्षों के विपरीत ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं गए हैं। इस एजेंसी ने पहले शनिवार को बताया था कि बीसीसीआई का लक्ष्य 25 मई से पहले आईपीएल के सभी शेष मैच पूरे करना है, क्योंकि भारत %ए% टीम को इंग्लैंड के तीन मैचों के दौरे के लिए रवाना होना है। मूल आईपीएल कार्यक्रम के अनुसार, 25 मई को फाइनल होगा, जो कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा(यह समझा जाता है कि संशोधित कार्यक्रम के लिए तिथियों और स्थानों पर अंतिम निर्णय आईपीएल गवर्निंग काउंसिल द्वारा लिया जाएगा, जो सरकार से मिलने वाली सलाह के बाद लिया जाएगा, खासकर शनिवार रात को संघर्ष विराम के उल्लंघन के बाद।

चोटिल हेजलवुड का फिर से आईपीएल में खेलना संदिग्ध

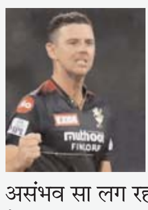

नई दिल्ली। चूंकि बीसीसीआई सीमा पार तनाव के कारण अस्थायी निलंबन के बाद आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है, इसलिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना ही सीजन पूरा करना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज, जो पहले से ही कंधे की चोट से जूझ रहे थे, 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मुकाबले से चूक गए थे और 9 मई को टूर्नामेंट रोक दिए जाने से पहले उनके अगले मैच के लिए भी खेलना अनिश्चित था। अब, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के साथ, आईपीएल के लिए उनका भारत लौटना असंभव सा लग रहा है। हेजलवुड, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में साइड स्ट्रेन और पैर की समस्या सहित कई चोटों से उबरने के लिए कठोर पुनर्वास किया था, लय हासिल करने के लिए आईपीएल का उपयोग कर रहे थे।

उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है। पाटीदार को 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आरसीबी के घरेलू मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी।

सार संक्षेप

सिनर ने इटैलियन ओपन में जीत हासिल की

रोम। शीर्ष वरीयता प्राप्त और वर्तमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर ने शनिवार को एटीपी इटैलियन ओपन के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर अपने वापसी मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की। इस साल फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ मामले के समाधान समझौते के बाद सजा स्वीकार करने के बाद इतालवी ने अपने दो डोपिंग अपराधों के लिए तीन महीने का प्रतिबंध लगाया था। मार्च 224 में उनका क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सिनर का डोपिंग प्रतिबंध आधिकारिक तौर पर 5 मई को समाप्त हो गया। रोम में शीर्ष वरीयता प्राप्त होने के कारण, उन्हें पहले दौर में बाई मिली और उन्होंने इस सीजन में क्ले पर अपनी शुरुआत की। शुरुआती सेट में, सिनर ने पहले छह गेम में 4-2 की बढ़त बनाई।

हरियाणा ने जीता खेलो इंडिया यूथ गेम्स कबड्डी का खिताब

गया। हरियाणा की टीम ने गुरुवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 225 के फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र को हराकर कबड्डी का खिताब अपने नाम किया।
आज यहां बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के इनडोर हॉल में खेले गये मुकाबले में कप्तान जय हिंद लाठेर की अगुवाई वाली हरियाणा की अंडर-18 लड़कों की टीम ने कबड्डी के फाइनल में महराष्ट्र की टीम को 39-28 के अंतर से हराया। वहीं महाराष्ट्र को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। हरियाणा के लिए रेडर प्रिंस दहिया, ईशांत और निखिल शानदार प्रदर्शन कर अपनी मजबूत रेड से टीम को कई अंक दिलाने में मदद की। इससे पहले हरियाणा ने अपने खिताब को डिफेंड करने कवायद कर्नाटक पर 58-31 की शानदार जीत के साथ शुरुआत की की। इसके बाद हरियाणा ने आंध्र प्रदेश को 37-28 और छत्तीसगढ़ को 55-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

गोल्फ: कोरिया चैम्पियनशिप में दीक्षा और प्रणवी संयुक्त 32वें स्थान पर

सोल (दक्षिण कोरिया), 11 मई (एजेंसियां)। दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन शनिवार को यहां न्यू कोरिया कंट्री क्लब में अरामको कोरिया चैम्पियनशिप के दो राउंड के बाद दोनों संयुक्त 32वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने 3 ओवर के निराशाजनक फ्रंट नाइन से वापसी की, जबकि प्रणवी ने अपने दूसरे नाइन पर तीन शॉट गंवा दिए, जो कोर्स का फ्रंट साइड था। दीक्षा ने 2 ओवर 74 का स्कोर किया, और प्रणवी ने 3 ओवर 75 का स्कोर किया, और अब दोनों का स्कोर दो राउंड के लिए 3 ओवर 147 है। इस बीच, अवनी प्रशांत (79-73) दूसरे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद कट पार करने में विफल रहीं और त्वेसा मलिक (79-76) भी बाहर हो गईं। व्यक्तिगत स्पर्धा में, गत विजेता और घरेलू पसंदीदा हियो जू किम चार अंडर-पार के स्कोर के साथ घरेलू मैदान पर ली-ऐनी पेस से एक शॉट आगे हैं। दक्षिण कोरिया ने गीले मौसम में एक ठोस दिन बिताया, लगातार दूसरे राउंड में 70 (-2) का स्कोर बनाया। ली एन पेस के तीन अंडर-पार पर अकेले दूसरे स्थान पर रहने के साथ, इक्वाडोर की डेनिएला डार्कीआ और फ्रांस की पेरिन डेलाकॉर - हाल ही में इन्वेस्टेक एसए महिला ओपन की विजेता - दो अंडर-पार पर तीसरे स्थान पर हैं। टीम प्रतियोगिता में, टीम कौसकोवा ने एक शॉट से जीत हासिल की और टीम में कौसकोवा, ली-ऐनी पेस, ब्रायना नवारोसा और पेट्रीसिया इसाबेल शिमट शामिल थीं।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का निधन

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बॉब काउपर का रविवार को 84 वर्ष की उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी डेल और बेटियां ओलिविया और सेरा हैं। काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपनी आकर्षक बल्लेबाजी, धैर्य और बड़ी पारियां खेलने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनके करियर का सबसे यादगार पल 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेली गई 307 रनों की पारी थी। यह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट का पहला तिहरा शतक था और इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने एशेज भी अपने पास बरकरार रखी थी।

सेविला एफसी प्रशंसकों के 'हिंसक हमले' के बाद प्रशिक्षण मैदान में रात बिताने वाली पहली टीम

सेविले, 11 मई (एजेंसियां)। सेविला एफसी ने पुष्टि की है कि समर्थकों द्वारा हिंसक हमलों के बाद उनकी पहली टीम को शनिवार की रात अपने प्रशिक्षण मैदान, जोस रेमन सिस्नेरोस पलासियोस स्पोर्ट्स सिटी में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सेविला एफसी ने बैलीडोस स्टेडियम में सेल्टा विगो के खिलाफ 2-3 से हार झेलने के बाद अपनी केंद्र की यात्रा की और संगठित कट्टरपंथियों के एक गिरोह का सामना किया, जिन्होंने अत्यधिक हिंसा की। सेविला एफसी इस शनिवार की रात जोस रेमन सिस्नेरोस पलासियोस स्पोर्ट्स सिटी में हुई संगठित बर्बरता की कड़ी निंदा करता है, सेल्टा डे विगो के खिलाफ मैच के बाद पहली टीम के केंद्र

पर पहुंचने के बाद। सेविला एफसी अनुरोध करता है कि सुरक्षा बल और कोर इन घृणित कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए अत्यधिक परिश्रम करें, जो संगठित कट्टरपंथियों के एक गिरोह द्वारा किए गए थे जिन्होंने अत्यधिक हिंसा के साथ काम किया। शिकायतों से परे, सेविला एफसी इन अपराधों के अपराधियों की तलाश में सहायता करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह इन कार्यों में शामिल लोगों की पहचान करने में मदद करने की कोशिश करेगा और इस घटना में कि वे सेविला एफसी के प्रशंसक और सदस्य हैं, अथक कार्रवाई करेगा।

अंत में, सेविला एफसी किसी भी विरोध प्रदर्शन की पूरी तरह निंदा करता है जिसमें हिंसा और आपराधिक कृत्य शामिल हैं जैसे कि इस शनिवार, 10 मई को देखा गया। बयान में कहा गया, क्लब निश्चित है कि ये कार्य सेविला प्रशंसकों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, जो रेमन सांचेज-पिज्जुआन में यूडी लास पालमास के खिलाफ मंगलवार के मैच के महत्व से भी अवगत हैं।

ऑटो रिक्शा चालक की बेटी अस्मिता की नजर जूनियर विश्व भारोत्तोलन पदक पर

राजगीर, 11 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की अस्मिता दत्तात्रेय ढोने ने राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 49 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के अपने सफर में दो युवा राष्ट्रीय भारोत्तोलन रिकॉर्ड तोड़ दिए। ढोने ने पांच महीने पहले कतर के दोहा में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर अपना ही युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। उन्होंने मध्य प्रदेश के इंदौर में 2022 खेलो इंडिया यूथ गेम्स में रजत पदक जीता था। अस्मिता ने पहले क्लीन एंड जर्क में 95 किग्रा उठाकर 94 किग्रा का आंकड़ा पार कर युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और फिर बारबेल पर दो और

■ अस्मिता ने पहले क्लीन एंड जर्क में 95 किग्रा उठाकर 94 किग्रा का आंकड़ा पार कर युवा राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

■ अस्मिता, जो इस महीने 18 साल की हो गई हैं, का जन्म सतारा जिले के कराड शहर में हुआ था।

किग्रा जोड़कर फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और अपना कुल मिलाकर 170 किग्रा कर लिया, जो राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के उनके प्रदर्शन से 8 किग्रा बेहतर है। उत्तर प्रदेश की मानसी चामुंडा (75+88) ने युवा राष्ट्रीय स्नैच रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जीता, जो असम की पंचमी सोनोवाल द्वारा 2022 में बनाए गए रिकॉर्ड से बेहतर है।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली अस्मिता, जो इस महीने 18 साल की हो गई हैं, का जन्म सतारा जिले के कराड शहर में हुआ था। उनके पिता दत्तात्रेय ढोने ऑटोरिक्शा चलाते हैं और मां निर्मला एक डेयरी किसान हैं। अस्मिता ने अपने गृहनगर में सम्राट पवार के अधीन प्रशिक्षण लेना शुरू किया, जिसे वह आज भी जारी रखती हैं। अस्मिता ने साई मीडिया को बताया कि मैंने कक्षा 7 में वजन उठाना शुरू किया, जब मैं लगभग 14 साल की थी। मेरी बड़ी बहन भी भारोत्तोलन में थी और इसलिए उसके कोच सम्राट सर ने मुझे भी उसके साथ भारोत्तोलन शुरू करने के लिए कहा। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अस्मिता ढोने के नाम कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पदक हैं और इससे उन्हें 2023 से खेलो इंडिया योजना और भारतीय खेल प्राधिकरण के पटियाला में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान दोनों में शामिल होने में मदद मिली। अस्मिता ने पिछले साल सुवा, फिजी में विश्व युवा चैंपियनशिप में 158 किग्रा (70+88 किग्रा) की कुल लिफ्ट के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

इटैलियन ओपन: गॉफ ने लिनेट पर जीत के साथ मियामी की हार का बदला लिया

रोम, 11 मई (एजेंसियां)। पिछली बार मियामी में मैग्डा लिनेट के खिलाफ, कोको गॉफ अपने करियर की तीन मुकाबलों में पहली बार पोल खिलाड़ी से हार गई थीं, लेकिन रविवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया के तीसरे दौर में लिनेट पर 7-5, 6-3 से जीत के साथ अमेरिकी ने बदला चुका लिया।पहली बार हार्ड कोर्ट के अलावा किसी अन्य सतह पर लिनेट का सामना करते हुए, गॉफ ने पहले सेट में कड़ी टक्कर दी और अपने करियर में तीसरी बार रोम में चौथे दौर में

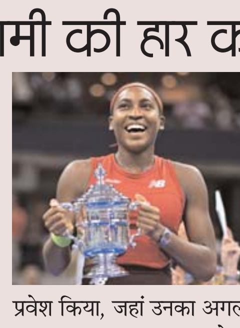

प्रवेश किया, जहां उनका अगला मुकाबला यूएस ओपन विजेताओं के मैच में एम्मा राडुकानू से होगा, क्योंकि 2021 की न्यूयॉर्क चैंपियन ने अपने तीसरे दौर के मैच में वेरोनिका कुडरमेतोवा को हराने के लिए एक सेट से पीछे रहने के बाद वापसी की। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच बहुत कम अंतर था, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी शुरुआती बढ़त लेने के बावजूद अपने खेल को लगातार जारी नहीं रख पाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में 40 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसमें गॉफ ने 24 और सिर्फ नौ विनर लगाए। 3-1 से ब्रेक लेने के बाद, गॉफ ने बढ़त को सीधे लिनेट को वापस दे दिया - और दोनों खिलाड़ी तब तक सर्विस पर रहीं जब तक गॉफ की हिम्मत ने उन्हें लाइन के पार नहीं धकेल दिया।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टाइटन	4.38 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	3.90 प्रतिशत
एलटी	3.77 प्रतिशत
एसबीआई	1.39 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.02 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईसीआईसीआई बैंक	3.16 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.70 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	2.15 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	2.02 प्रतिशत
रिलायंस	1.93 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,000
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	96,900
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.49	89.57
पौंड स्टर्लिंग	103.06	119.50
यूरो	87.85	101.89
चीन युआन	8.26	13.4

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5850-5950
दाल चना	6850-6950
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	8500-8600

आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा देश : डॉ. जितेंद्र

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय साइंस और टेक्नोलॉजी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि बीते तीन-चार दिनों में भारतीय टेक्नोलॉजी की ताकत सभी ने देखी और देश तेजी से इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

नेशनल टेक्नोलॉजी डे के मौके पर डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह दिन पोखरण परमाणु बम टेस्ट की सफलता के तौर पर याद किया जाता है। 11 मई को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नेशनल टेक्नोलॉजी डे के रूप में घोषित किया था। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकल में बीते एक दशक में देश में साइंस टेक्नोलॉजी इनोवेशन काफी आगे बढ़ गया है। बीते तीन-चार दिनों में जो भी टेक्नोलॉजी आपने देखी है, उनमें से ज्यादातर का अधिग्रहण 2014 के बाद किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस कारण मेरा मानना है कि 27 साल पहले नेशनल टेक्नोलॉजी डे की शुरुआत के समय जो संकल्पना की गई थी, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले एक दशक में सही साबित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने टेक्नोलॉजी और साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन के सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने का फैसला लिया है। इसके जरिए हमारा उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञों और इन संस्थानों में काम करने वाले अन्य लोगों को आश्वस्त करना है कि हम उनके संपर्क में हैं और उनकी अच्छी देखभाल भी कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने सीमा सटे जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान और गुजरात के उत्तर-पश्चिम इलाकों में मौजूद टेक्निकल और साइंटिफिक इंस्टॉलेशन की सुरक्षा को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है। इसके लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों और साइंटिफिक एवं टेक्निकल विभागों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक बुलाई थी।

इस बैठक का फोकस विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर, पंजाब, लद्दाख और भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में रिसर्च और साइंटिफिक सुविधाओं की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा पर था।

सरकार ने टेक्नोलॉजी व साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन के सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करने का फैसला लिया है : डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम सख्त करने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ड्राफ्ट पॉलिसी भी तैयार कर ली गई है। अपस्ट्रीम ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन क्षेत्र के लिए तैयार की गई केंद्र की नई ड्राफ्ट पॉलिसी का उद्देश्य गैस फ्लेयरिंग गतिविधियों सहित खनिज तेल संचालन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और फ्लेयर्ड गैस की करीब से निगरानी करना है।

तेल क्षेत्रों से उत्पादन के दौरान गैस का नियमित रूप से प्रज्वलन होता रहता है, क्योंकि उत्पादन क्षेत्रों में गैस के उपयोग के लिए फैलिसिटीज जैसे रिइंजेक्शन, ऑन-साइट उपयोग, बाजार तक परिवहन आदि की कमी होती है। ड्राफ्ट पॉलिसी में यह प्रावधान है कि सभी पट्टेधारक और ठेकेदारों को प्रत्येक कैलेंडर तिमाही के अंत से पंद्रह दिनों के भीतर निश्चित फॉर्मेट के अनुसार तिमाही आधार पर प्रज्वलित गैस की मात्रा और उससे संबंधित उत्सर्जन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि हर पट्टेदार और ठेकेदार खनिज तेल उत्पादक परिचालन के दौरान होने वाली ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने के उपाय अपनाएगा और लागू पर्यावरण कानूनों और मानदंडों का अनुपालन करेगा। ड्राफ्ट नियमों में कहा गया है कि प्रत्येक पट्टेदार और ठेकेदार को पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन शुरू होने के 180 दिनों के भीतर खनिज तेल परिचालन से ग्रीनहाउस उत्सर्जन के स्रोतों की पहचान और मापने से विधि के लिए एक निगरानी प्लान प्रस्तुत करना होगा।

चीन से बेहतर प्रदर्शन करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : जिम रोजर्स

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिग्गज वैश्विक निवेशक जिम रोजर्स ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अच्छा निवेश स्थान बनने की ओर आगे बढ़ रहा है और इसकी तुलना चीन से जरूर की जाएगी। साथ ही कहा कि आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन चीन से भी अच्छा हो सकता है। जिम रोजर्स ने कहा कि मैं दशकों से निवेश की दुनिया से जुड़ा रहा हूं और अपने जीवन में पहली बार मैंने दिल्ली को इस तरह से अर्थशास्त्र को समझते देखा है। अमेरिकी निवेशक ने आगे कहा कि भारत फिर से उभर रहा है। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोग समझते हैं कि क्या किया जाना चाहिए और वे सही चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं। यह भारत और दुनिया के लिए बहुत अच्छा होगा। अगर भारत वास्तव में खुल सकता है और पूरी दुनिया के साथ व्यापार कर सकता है तो आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि भविष्य में भारत कितना आकर्षक स्थान हो सकता है। रोजर्स ने कहा कि फिलहाल भारत में मेरा कोई निवेश नहीं है, लेकिन मैं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में और अधिक निवेश करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर बाजार नीचे चला जाता है और कुछ समय तक नीचे ही रहता है, तो मैं भारत में पैसा लगाना चाहूंगा।

आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2025 में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इस दौरान देश की जीडीपी का आकार बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रह जाएगा। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर रोजर्स ने कहा कि यह दुनिया के साथ विशेष रूप से भारत के लिए अच्छा है। भारत ने अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ 13 एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

- **भारत ने अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ 13 एफटीए पर किए हस्ताक्षर**

एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था।

घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है।

1.75 करोड़ घरों को रोशन करेगा अडानी का खावड़ा सोलर प्लांट

कच्छ, 11 मई (एजेंसियां)। भारत के शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने में महत्ती भूमिका निभा रही कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीआईएल) की गुजरात के कच्छ के खावड़ा में बन रही दुनिया की सबसे बड़ी सौर परियोजना पूरी तरह से तैयार होने पर 1.75 करोड़ घरों को बिजली की आपूर्ति की जा सकेगी। यह परियोजना 538 वर्ग किलोमीटर अर्थात 132943 एकड़ में फैली है जो लगभग मुंबई के आकार के बराबर है और

परेसि से पांच गुना बड़ा है। इस संयंत्र ये पौलेंड , कनाडा या स्पेन की पूरी आबादी को बिजली आपूर्ति की सकता है। कंपनी के अनुसार इस सोलर पार्क को आसमान से देखा जा सकता है। यह परियोजना 30 हजार मेगावाट क्षमता की है जिसमें 26 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा और चार हजार मेगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। अभी इस परियोजना में 4106.9 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।

कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का है और खावड़ा प्लांट की क्षमता 30 गीगावॉट है। एजीईएल ने 2029 तक करीब 1.60 लाख करोड़ रुपए के निवेश से इस परियोजना को पूरा करने वाली है। इसके पूर्ण होने में इसमें 6 करोड़ सोलर पैनल लगगें और करीब 800 पवन चक्की लगेगी। कंपनी ने नयी प्रौद्योगिकी से ऐसी पवन चक्की बनायी है जो एक पवन चक्की 5.2 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने में सक्षम है। कंपनी ने जर्मनी के डब्ल्यू 2ई विंड टू एनर्जी के साथ मिलकर 5.2 मेगावाट की सबसे शक्तिशाली ऑनशोर विंड टर्बाइन विकसित की है, जिसमें 160 मीटर का रोटर व्यास, 20,106 मीटर का स्वीप्ट एरिया और 200 मीटर की टिप ऊंचाई है।

- **दुनिया की सबसे बड़ी सौर परियोजना का निर्माण जारी**

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1047.52 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 79454.47 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 338.7 अंक यानी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24008.00 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की ही तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 596.37 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 42111.50 अंक और स्मॉलकैप 623.59 अंक यानी 1.3 प्रतिशत कमजोर रहकर 46741.95 अंक रह गया।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है।

भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया।

इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ।

बाजार की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

विश्व बाजार में तेजी रहने के बावजूद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से सतर्क निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 411.97 अंक का गोता लगाकर 80,334.81 अंक और निफ्टी 140.60 अंक लुढ़ककर 24273.80 अंक पर आ गया। भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव से डरे निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार में कोहराम मच गया।

सेंसेक्स 880.34 अंक टूटकर 79,454.47 अंक पर आ गया। साथ ही निफ्टी 265.80 अंक लुढ़ककर 24008.00 अंक पर बंद हुआ।

- **सेंसेक्स 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 79454.47 अंक पर रहा**
- **निफ्टी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 24008.00 अंक पर बंद**

सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिल्ली व मुंबई एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने रविवार को कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य है, लेकिन हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हैं और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण सिक्योरिटी चेक प्रक्रिया में अधिक समय लग सकता है। साथ ही डीआईएएल ने यात्रियों को सलाह दी कि वे उड़ान के निर्धारित प्रस्थान समय से काफी पहले पहुंच जाएं जिससे सिक्योरिटी चेकप्वाइंट पर संभावित देरी से बचा जा सके।

यात्रियों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे सटीक जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और सोशल मीडिया पर अनवेरिफाइड कंटेंट साझा करने से बचें। इसके अतिरिक्त बढ़े हुए सुरक्षा उपायों के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने भी एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से कहा है कि वे निर्धारित प्रस्थान समय से पहले पहुंचे। साथ ही यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे सरकार द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र, पासपोर्ट, वीजा, टिकट/बोर्डिंग पास अपने पास रखें, जिससे आसानी से निरीक्षण किया जा सके। सरकार ने शुक्रवार को जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट समेत देश भर के 24 एयरपोर्ट को बंद रखने की अवधि के 15 मई, सुबह 5:29 बजे तक बढ़ा दिया।

खाद्य तेलों में टिकाव, दाल-दलहन में रहा मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में भारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर चुनिंदा जिंसों में मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों और दाल दलहन में मिश्रित रूख देखा गया जबकि अनाज और मीठे के बाजार में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा सप्ताहांत पर 355 रिंगिट लुढ़ककर 3790 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.21 सेंट की गिरावट के साथ 48.82 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15751 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14725 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13919 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चना 100 रुपये और दाल चना 100 रुपए महंगी हो गई जबकि अरहर दाल में 100 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8300-8400 रुपए प्रति क्विंटल रही। **अनाज :** अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। इस दौरान (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

कैट के सम्मेलन में देश के खुदरा व्यापार की सुरक्षा पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा भारत के सालाना 140 लाख करोड़ रुपए से अधिक के खुदरा व्यापार पर कब्जा करने के बढ़ते प्रयासों के बीच कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को कहा कि वह अगले सप्ताह एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। 16 मई को होने वाले इस कार्यक्रम में देश भर के 100 से अधिक प्रमुख बिजनेस लीडर्स भाग लेंगे। इस सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के मुख्य वक्ता हो सकती है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि सम्मेलन में न केवल व्यापार जगत के लीडर्स शामिल होंगे, बल्कि स्वदेशी उत्पादों के समर्थक, परिवहन, लघु उद्योग, एमएसएमई, उपभोक्ता संगठन, महिला उद्यमी, किसान, स्टार्टअप, कर्मचारी और व्यापार के अन्य पक्षकार भी शामिल होंगे। कैट की ओर से बताया गया कि इस सम्मेलन में विदेशी फंडिंग प्राप्त कंपनियों के दुर्भावनापूर्ण एजेंडे को उजागर करने के लिए एक एकीकृत रणनीति तैयार की जाएगी और उनके खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि इन कंपनियों को सीधी चुनौती देने के लिए विभिन्न सेक्टर के व्यापार और उद्योग एक मंच पर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये कंपनियां पहले ही मोबाइल और एसेसरीज, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने, परिधान, जूते, खाद्य पदार्थ, रेस्तरां और होटल जैसे कई प्रमुख सेक्टरों को भारी नुकसान पहुंचा चुकी हैं और अब भारतीय बाजार के और अधिक क्षेत्रों पर कब्जा करने का प्रयास कर रही हैं।

भरतिया ने आगे कहा कि भारत के खुदरा व्यापार की अखंडता और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए इन कंपनियों की अनैतिक व्यापारिक प्रथाओं का डटकर विरोध करने का समय आ गया है। कैट के अनुसार, इस सम्मेलन के विचार-विमर्श के दौरान बताई गई रणनीतियां देशव्यापी जागरूकता और विरोध अभियान शुरू करने की दिशा में एक निर्णायक कदम होंगी।

- **कार्यक्रम में देश भर के 100 से अधिक प्रमुख बिजनेस लीडर्स लेंगे भाग**

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 686.6 अरब डॉलर पर

मुंबई। स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 2 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डॉलर घटकर 686.6 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 688.13 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 2 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 51.4 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 2.5 अरब डॉलर की भारी कमी आई और यह घटकर उछलकर 81.8 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर तीन करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 18.6 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 3 लाख डॉलर की कमी आई।

मई में इक्विटी में एफपीआई निवेश जारी

नई दिल्ली। देश के शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भरोसा बरकरार है। मई महीने में अब तक उन्होंने भारतीय इक्विटी में 14,167 करोड़ का निवेश किया है। यह निवेश ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी है। डिपॉजिटरी डेटा के अनुसार, यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई की ओर से शुद्ध निवेश देखने को मिला है। अप्रैल में उन्होंने 4,223 करोड़ का निवेश किया था, जो तीन महीने बाद पहली बार हुआ था। इससे पहले एफपीआई ने जनवरी में 78,27 करोड़, फरवरी में 34,574 करोड़ और मार्च में 3,973 करोड़ की निकासी की थी। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, अमेरिकी और चीनी अर्थव्यवस्था की सुस्ती, भारत की तेज त्रष्ठक्क ग्रोथ, घटती महंगाई और ब्याज दरों के चलते निवेशकों को भारतीय बाजार ज्यादा आकर्षक लग रहा है।

228 तक एक अरब से ज्यादा ऐप बना लेगी जेनएआई

नई दिल्ली। आईबीएम के मुख्य कार्य अधिकारी अरविंद कृष्ण ने कहा है कि जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) साल 228 तक एक अरब से ज्यादा नई ऐप्लिकेशन बना लेगी। यह बात मुख्य कार्य अधिकारियों (सीईओ) को इस तकनीक में अपना निवेश दोगुना करने के लिए प्रेरित कर रही है। कृष्ण ने कहा, 'जैसे-जैसे जेनएआई इसमें (उद्यमों के तंत्र में) राह बना रही है, आईबीएम के सीईओ अध्ययन से पता चल रहा है कि हमारे ग्राहक एआई और उससे भी आगे निवेश को दोगुना या और भी ज्यादा करने की उम्मीद बांध रहे हैं। जेनएआई एक तरह का ऐसा एआई है जो इनपुट या प्रॉम्प्ट के आधार पर टेक्स्ट, इमेज, म्यूजिक जैसी बहुत-सी नई सामग्री बना सकता है।

होटल महुआ के पास अवैध निर्माण पर निगम ने चलाया बुलडोजर

भाजपा के कुछ पार्षदों ने कार्रवाई को रोकने कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुए

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। नगर निगम के कुछ अर्थलिप्सा अमले और भाजपा नेताओं की शह पर पुराना बस स्टैंड ,महुआ होटल के पास अवैध निर्माण तन गया था जिसकी शिकायत पर निगम आयुक्त के निर्देश पर उक्त अवैध निर्माण को तोड़ने एक माह पहले निर्माणकर्ता व्यापारी को नोटिस जारी किया गया था इसके बाद भी निर्माण कार्य जारी था जिसके चलते रविवार को निगम के जोन कमिश्नर 5 और अतिक्रमण विभाग का अमला कई जे सी बी लेकर पहुंचे और तीन मंजिल ऊपर से तोड़फोड़ कार्रवाई शुरू कर दी।

निगम की इस कार्रवाई से हड़बड़ाए व्यापारी ने भाजपा के पार्षदों ,नेताओं को मोबाइल से सूचित कर तोड़फोड़ की कार्रवाई को रुकवाने का आग्रह किया जिस पर दूसरे वार्ड के भाजपा पार्षद,एमआईसी मेंबर भी वहां पहुंच गए लेकिन उनका दबाव काम नहीं आया । जो न कमिश्नर ने कार्रवाई रोकने से इनकार कर दिया । तोड़फोड़ के बीच में कुछ देर तक बिजली बंद रही । बिजली आते ही तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। जो न कमिश्नर को बताया गया कि पूरे निर्माण कार्य में चार करोड़ से भी अधिक की राशि अनुमानित है और प्रभावित व्यापारी ने साढ़े तीन करोड़ रुपए का कर्ज लिया है । निगम की कार्रवाई के बाद सब कुछ ठीक करने में उसे 10 लाख रुपए से अधिक और खर्च करने पड़ेंगे। जोन कमिश्नर से तोड़फोड़ की कार्रवाई आधे घंटे के लिए रोक देने का अनुरोध किया गया ताकि अंदर रखे सीमेंट और टाइल्स को निकाल कर सुरक्षित स्थान में भेजा जा सके लेकिन कमिश्नर ने यह कहते हुए कार्रवाई को रोकने से इनकार कर दिया कि बिजली बंद थी इस दौरान टाइल्स और सीमेंट को निकाला जा सकता था । निगम की तोड़फोड़ की इस कार्रवाई का वार्ड के कुछ पुराने पार्षदों ने समर्थन करते हुए कहा कि जिस प्रभावशाली पार्षद ने कांग्रेस शासनकाल में मेयर से मिलीभगत कर अवैध निर्माण को संरक्षण दिया था आज वही पार्षद निगम की कार्रवाई को रुकवाने दबाव डालने पहुंचा था मगर वह सफल नहीं हो पाया।

आज निगम की कार्रवाई के दौरान व्यापारी ने स्वीकार किया कि और लोग भी अवैध निर्माण कर रहे इसलिए उसने भी किया । पुराने बस स्टेंड की अवैध दुकानों पर नगर निगम ने रविवार को बुलडोजर तो चला दिया मगर कुछ दुकाने बची है जिस पर कार्रवाई नहीं हुई है । यहां अवैध प्लाटिंग का भी मामला है बताते है एक व्यापारी परिवार में प्लाट का बंटवारा किया फिर ऊंचे दाम में बेच दिया , नगर निगम ने नोटिस दिया था लेकिन कहीं न कहीं निगम के कुछ चर्चित अमले की मिली भगत से अवैध दुकानों का निर्माण हो गया, एक दुकान का मामला कोर्ट में चल रहा था , इन दुकानों में किसी भी दुकान दार ने पार्किंग के लिए जगह नहीं। छोड़ी है जिसके कारण जाम की स्थिति रहती है , किसी दुकानदार ने पार्किंग और फायर की जगह नहीं छोड़ी है और अवैध निर्माण करवा लिए है। कुछ दिन पहले इस बात की चर्चा जोरो पर थी कि इस प्रॉपर्टी की जो खरीदी बिक्री हुई है उसमें राजस्व विभाग को चूना लगाया गया है साथ ही रजिस्ट्री में भी अनियमितता है ।नाले के ऊपर दुकान हैं जो पहले ढकी हुई थी फिर अब नाल अलग क्यों नहीं किया जा रहा अवैध निर्माण भी इस प्रॉपर्टी में है। कायदे से राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी इस निर्माण पर संज्ञा न लेकर कार्रवाई करनी चाहिए।

बाल अधिकारों के मामले में भावना और नवाचार का भी होगा ध्यान : वर्णिका

बच्चों के संरक्षण के साथ संवर्धन का भी विचार

कोरबा, 11 मई (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा का कहना है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ उन सभी मामलों को गंभीरता के साथ देखने की हमारी नीति है जिनमें बच्चों को किसी वजह से अधिकारों की प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। कोशिश यह भी होगी कि हम अपने प्रयासों को मर्मस्पर्शी बनाए जिससे कि बच्चों की समस्याएं और मजबूरियों को दूर किया जा सके।

प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. वर्णिका ने रविवार को यह बात कही। पदस्थापना के बाद प्रथम कोरबा प्रवास पर पहुंची राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने बताया कि जहां कहीं भी बच्चों के अधिकारों के हनन के मामले प्रकाश में आएंगे निश्चित तौर पर उनमें एक्शन होगा लेकिन इनोवेशन के साथ। इनोवेशन होगा तो इसमें इमोशन भी होंगे। इस प्रकार से हम पूरी व्यवस्था को बदलने और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने की चाह को लेकर काम करने की मानसिकता में है। डॉ. वर्णिका ने कहा कि अलग-अलग कैटेगरी के बच्चों के मसले बाल अधिकार संरक्षण के दायरे में आते हैं। बीते वर्षों में इस पर क्या कुछ काम हुआ इसकी समीक्षा के साथ आगे क्या करना है यह हम तय कर रहे हैं। हमें यह भी देखना है कि तीन श्रेणियों के बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के साथ संरक्षण और संवर्धन को लेकर भी उचित काम हो। समन्वय बनाकर इसे पूरा करना है। उन्होंने कहा कि अगर बच्चे पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं अथवा उन्हें पढ़ाई की आवश्यकता है तो हम इस बात को देखेंगे कि वे मजबूरी में कहीं बाल श्रम तो नहीं कर रहे हैं। डॉ. वर्णिका ने कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव साय की सरकार सामाजिक सरोकार के मामले में गंभीर है और इस सीढ़ी को मजबूती देने का काम हम अपने मंच से करेंगे।

परसदा में तालाब किनारे चाकूबाजी से मची अफरा-तफरी

गांववालों ने किया थाने का घेराव, घायल युवक बिलासपुर रिफर

आरोपी पूर्व में भी जा चुका है जेल

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परसदा में रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति लक्ष्मण खरे पर तालाब के पास रवि गढेवाल नामक युवक ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से गांव में अफरा-तफरी मच गई। हमलावर को चाकू चलाते देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकला ।घायल लक्ष्मण का घर पास ही होने के कारण उसकी पत्नी और परिजन मौके पर पहुंचे और तुरंत एंबुलेंस बुलाकर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे बिलासपुर रिफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और थाने लाकर पूछताछ के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में रतनपुर थाने पहुंचकर आरोपी पर सख्त कार्रवाई की मांग की। महिलाएं और पुरुष ट्रैक्टर में सवार होकर थाने पहुंचे। इस पर थाना प्रभारी नरेश कुमार चौहान ने उन्हें समझाया और आश्वस्त किया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है और उस पर सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए ।मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी रवि गढेवाल पूर्व में हत्या के एक मामले में जेल जा चुका है और करीब दो महीने पहले ही जेल से बाहर आया था।

बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मॉक ड्रिल के द्वारा प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं से निपटने की तैयारियों का परीक्षण

एसएसपी और कलेक्टर के निर्देशन में सुरक्षा एजेंसियों ने संभाली ज़िम्मेदारी

मैग्नेटो मॉल और हाईटेक बस स्टैंड बने मॉक ड्रिल के केंद्र

अग्निकांड, विस्फोट और संदिग्ध गतिविधियों के परिदृश्य पर अभ्यास

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। शहर में आपदा प्रबंधन और आतंकी घटनाओं से निपटने हेतु दूसरे चरण की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह अभ्यास मैग्नेटो मॉल और हाईटेक बस स्टैंड में किया गया, जिसमें ज़िले की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर हिस्सा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह और कलेक्टर संजय अग्रवाल पूरे ऑपरेशन का पर्यवेक्षण करते रहे।

मॉल में एक आभासी अग्निकांड की स्थिति तैयार की गई, जिसमें फायर अलार्म बजते ही दमकल दल ने तत्परता से मोर्चा संभाला। आग बुझाने की प्रक्रिया के साथ-साथ मॉल में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया गया।

इसी तरह एक लावारिस बैग मिलने की स्थिति उत्पन्न की गई, जिसे डॉग स्क्वाड की सहायता से चिन्हित किया गया। तत्पश्चात बम निरोधक दस्ते द्वारा सुरक्षा मानकों के अनुसार निष्क्रियता की प्रक्रिया पूरी की गई।

भीड़ प्रबंधन और सूचनात्मक प्रसार

मॉल परिसर में मौजूद नागरिकों को सुरक्षित ढंग से निकाला गया और अफवाहों से बचाने हेतु माइक और डिज़िटल संकेतों का प्रयोग किया गया। आमजन को उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

हाईटेक बस स्टैंड पर संदिग्ध व्यक्ति पर कार्रवाई

बस स्टैंड में एक व्यक्ति के संदिग्ध व्यवहार की रिपोर्ट के बाद होम गार्ड्स और स्थानीय पुलिस ने उसे रोककर जांच-पड़ताल की। तलाशी और पहचान सुनिश्चित करने की पूरी प्रक्रिया को दर्शाया गया।

डॉग स्क्वाड द्वारा बसों, प्रतीक्षालय और बैगेज एरिया में व्यापक खोज अभियान चलाया गया। एक संदिग्ध पैकेट मिलने पर बम निरोधक टीम ने आवश्यक सावधानियों के साथ उसे हैंडल किया।

आपदा के समय निकासी और समन्वय

भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड में यह प्रदर्शित किया गया कि किसी आपात स्थिति में कैसे तेज़ और सुरक्षित निकासी कराई जा सकती है। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि संचार और दिशा-निर्देश प्रणाली सुचारू रूप से काम करे।

वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी

एसएसपी रजनेश सिंह एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मॉक ड्रिल की हर गतिविधि का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और टीम के बीच बेहतर समन्वय की सराहना की।

इस मॉक ड्रिल की श्रृंखला का उद्देश्य समग्र सुरक्षा व्यवस्था को व्यवहारिक रूप से जांचना है, ताकि वास्तविक आपातकाल की स्थिति में प्रशासनिक एजेंसियाँ एवं आमजन एक साथ प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दे सकें।

ब्रह्माकुमारीज मुख्य शाखा राजयोग भवन में बाल संस्कार शिविर का रंगारंग समापन एवं मातृदिवस मनाया गया

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। 8 वर्ष की आयु से 14 वर्ष की आयु बच्चों का टर्निंग पॉइंट होता है। जिसमें मुख्य रूप से संस्कार का निर्माण होता है। इस अवस्था में पड़ी आदतें ही आगे चलकर संस्कार का रूप ले लेती है। कहते हैं बच्चो के संस्कार उसकी स्वयं का जीवन ही नहीं बल्कि पूरे समाज की दिशा दशा तय करता है। बच्चों में ज्यादातर संस्कार उनके माता-पिता से आते हैं संस्कार विकसित करने में माता पिता की बहुत बड़ी भूमिका होती है। बचपन में दिए गए संस्कार आजीवन साथ देते हैं। इसलिए बच्चों बको अच्छे संस्कार देना आवश्यक है। उक्त वक्तव्य प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य शाखा टेलीफ़ोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग भवन सेवाकेंद्र में छः दिवसीय बच्चों के बाल संस्कार शिविर के समापन में सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने कहा। दीदी ने शिविर के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज की जो परिस्थिति हैं उसमें सबसे बड़ी चुनौती आती है बच्चों को संभालना एवम संस्कारवान बनाने की। क्योंकि आज सभी अभिभावको की यही शिकायत होती है कि आजकल कि बच्चे कहना नहीं मानते हैं, आखिर इसका कारण क्या है। यह छोटे बच्चे, छोटे पौधे की तरह है अभी हम इन्हें जो संस्कार दे रहे है, परवरिश कर रहे हैं, यही इनका भविष्य हैं हमारा भविष्य है।

बच्चे जब छोटे होते हैं तो हम समझते हैं अभी इनकी यह छोटी उम्र के हैं, अभी इनको आध्यात्मिकता की जरूरत नहीं, भगवान का नाम लेने की जरूरत नहीं, मंदिर जाने की जरुरत नहीं। जब उनको सीखने की जरुरत है तब उनको जरुरी नहीं समझा जाता करके सीखने से टाल दिया जाता है। और जब समय बीत जाता है तब तक बहुत देरी हो चुकी होती है। माता-पिता बच्चों के लिए ब्रह्मा होते हैं। बच्चों के पालन के लिए स्थापना के लिए भगवान ने आपको दिया है। तो इनकी सही परवरिश करना, सही संस्कार देने का सही समय यही है। चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक हो उनमें इस उम्र में ही परिवर्तन होना शुरु हो जाता है। तो जो हम सिखाते हैं उनका जीवन बन जाता है। बाहर की एक्टिविटी तो हर कोई करते हैं। लेकिन अंदर के वैल्यूज जिससे हमारा जीवन मूल्यवान हो जाता है। वो हम यहां ही सीख सकते हैं। तो यह अंत नहीं लेकिन शुभारंभ है। कई बच्चों के लिए बहुत कंप्लेन करते हैं कहना नहीं मानते हैं, हाइपर एक्टिवेट है। उसके लिए पहले हमें सीखना होगा।

विचारों का शुद्ध होना बहुत जरुरी है पर हाइपर एक्टिव होना सही नहीं है। इसका कारण विचारों की गति तेज होना है। जिस वजह से बच्चे सही निर्णय नहीं ले पाते हैं। किसी चीज को परख नहीं सकते हैं। बच्चे कितने सेंसेटीव हो गए हैं। बड़ों को इसे समझना होगा। इन बच्चों को संभालना होगा। यह केवल हमारे नही बल्कि पूरे देश का भविष्य है। बच्चों एवं अभिभावको की शिविर के प्रति रुचि को देखते हुए कल सोमवार से शनिवार सुबह 8 से 9 बजे तक बच्चों एवं अभिभावकों के लिए सात दिवसीय नि:शुल्क पर्सनालिटी डेवलपमेंट कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। जिसे कोई भी बच्चे जॉइन कर सकते है। शिविर में मोटू-पतलू और शेर बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे छः दिवसीय शिविर में बच्चों को माता पिता का सम्मान करना, देश भक्ति, मोरल वैल्यूज की कहानियां, एकाग्रता को कैसे बढ़ाएं, मोबाइल के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता पेड़ लगाओ, पानी को चार्ज करके पीएं, वंदे मातरम, हनुमान चालीसा एवं हमारी भारतीय दैवी संस्कृति से परिचय कराया।

बच्चों ने अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर मातृ दिवस के दिन अपनी मां को समर्पित किया। गीत व डांस, तबला, कविता के साथ-साथ जुम्बा, ड्राइंग, आदि प्रस्तुतिया रही। शिविर के समापन में सभी बच्चों ने इन छः दिनों में जो सीखा अपना अपना अनुभव सुनाया। अभिभावकों ने भी बच्चों में शिविर से जो परिवर्तन हुआ अपने अनुभव सुनाए। सभी बच्चो का उमंग उत्साह बढ़ाने के लिए गिफ्ट्स दिए गए एवं कार्यक्रम के समापन में प्रसाद सभी ने स्वीकार किया। 100 से भी अधिक बच्चों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजू दुआ, पुष्पा अग्रवाल, एस. मणि , रंजन नीलानी , ट्विंकल गम्भीर, नवीन भाई, परमानंद भाई, राघवेंद्र भाई, कन्हैया पासवान आदि का विशेष सहयोग रहा।

स्कूटी पर शराब की तस्करी,पुलिस ने पकड़ा

रायगढ़ 11 मई (देशबन्धु)। कोतवाली पुलिस ने रामभांठा मैदान में एक युवक को स्कूटी में महुआ शराब ले जाते रंगे हाथ पकड़ा।

NECC

12.05.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	501	70	135
चिल्हर	6.00	100	160
डिलीवरी	516 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 70 रु.

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारियों को नौकरी से निकालने संबंधी जारी आरोप पत्र पर स्थगन

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जहाँ राज्य एक ओर सुशासन तिहार मना रहा है वही दूसरी ओर राज्य भर के आईटीआई के 723 प्रशिक्षण अधिकारियों को नौकरी के 12 वर्षों के पश्चात, अप्रैल 2025 में नौकरी से निकालने के लिए आरोप पत्र जारी किया गया है।

जिसके विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के बैनर तले आईटीआई के अधिकारी कर्मचारी साथियों के विरुद्ध जारी किए गए आरोप पत्र को निरस्त किये जाने हेतु प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं रैली का आयोजन कर मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री के नाम कलेक्टर रायपुर को ज्ञापन सौंपा गया था।

एकदिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद भी सरकार के कानों में जू नही रेंगने पर आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के समिति के मार्गदर्शन पर प्रशिक्षण अधिकारियों ने

अधिवक्ता जितेंद्र पाली, प्रियंका राय एवं अन्य के माध्यम से अंतरिम राहत देने व आरोप पत्र को खारिज करने उच्च न्यायालय में याचिका दायर किया, जिसकी सुनवाई में न्यायाधीश नरेश कुमार चन्द्रवंशी ने दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात शासन को फटकार लगाते हुए कहा कि रिजर्वेसन रोस्टर में इनकी गलती कहाँ है वो भी इतने सालों बाद, रिटायमेंट के बाद तक ऐसे ही करते रहोगे । न्यायाधीश ने यह तक कह दिया कि जिन्होंने यह आदेश निकलवाया उनके विरूद्ध एफ आई आर करा दो। जस्टिस चंद्रवंशी ने आरोप पत्र में अभी रोक लगाने का आदेश दिया है साथ ही संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण को दोषी अधिकारियों पर की गई कार्रवाई को व्यतिगत रूप से एफिडेविट पर जानकारी देने हेतु आदेश किया है। उक्त स्थगन के बाद प्रशिक्षण अधिकारियों को राहत मिला।

बाल संरक्षण आयोग ने स्कूलों में बच्चों की प्रताड़ना रोकने दिए दिशा-निर्देश

बिलासपुर, 11 मई (देशबन्धु)। प्रदेश की निजी स्कूलों में बच्चों को विभिन्न कारणों से समय-समय पर प्रताड़ित किये जाने की खबरों को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने राज्य के सभी जिला कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर बाल अधिकार आयोग अधिनियम 2005 की विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए इनका पालन कराने की सिफारिश की है। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस सिलसिले में जिले की सभी शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के प्राचार्य एवं प्रधानपाठकों को पत्र जारी कर इनका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल तिवारी ने बताया कि आयोग के संज्ञान में दूरभाष पर एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा तथ्य लगाया गया है कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों एवं उनके अभिभावकों को किसी कारण से स्कूलों द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर करने सहित अन्य प्रकार के प्रकरण सामने आए हैं जिसको आयोग ने संज्ञान में लिया है। डीईओ ने जिले के सभी निजी स्कूलों को आदेशित किया है कि वे बच्चों के अभिभावकों द्वारा फीस नहीं पटाने या उनके माता-पिता से विवाद की स्थिति बनने पर बच्चों को सीधे तौर पर संबोधित न करें और न ही स्कूल में बच्चे के प्रति कोई अपमानजनक स्थिति बनाए। ऐसे मामले आने पर वे बहुत संयम एवं प्रेमपूर्वक वातावरण में एक-दूसरे का सम्मान बनाए रखते हुए शांति से पैरेन्टस मीटिंग या अभिभावकों को बुलाकर समझाइश दें। उन्होंने यह भी कहा कि ध्यान रखे कि सभी पालक एक जैसे नहीं होते हैं, इसलिए कम से कम अपने आचार, व्यवहार व पत्राचार से पालकों के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत करें। फिलहाल आयोग से कोई ऐसे लिखित में शिकायत नहीं मिली है परन्तु भविष्य में ऐसी बातें न हो इसको ध्यान में रखते हुए बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बालक अधिकार आयोग अधिनियम 2005 की धारा 13(घ) व (च) तथा सहपठित धारा 15 के तहत निर्णय लिया गया है।

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771